@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

बुधवार, 3 सितंम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 294 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पंजाब के 12 जिलों में बाढ़

● 29 लोगों की मौत, उराखंड में स्कूल बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, तक 29 लोगों की मौत हो गई है। भिवानी, हिसार, सिरसा, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला में आज कुछ की कई कॉलोनियों में पानी घुस गया। यमुना बाजार, मयूर विहार और आसपास के इलाकों की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अपना जरूरी सामान लेकर राहत शिविरों में जाने की अपील की है। उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। सोमवार को उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर लैंडस्लाइड से दो लोगों की मौत हो गई और 6 घायल हो गए। भारी बारिश के कारण चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है।

● दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ा, कई कॉलोनियां खाली कराई गईं

दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश जारी है। पंजाब के पठानकोट, फिरोजपुर समेत 12 जिले एक हफ्ते से बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में 1,312 गांवों के 2.56 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अब स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। गुरुग्राम के दफ्तरों में कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के आदेश जारी किए गए हैं। उधर, दिल्ली में यमुना नदी के खतरे के निशान को पार करने के बाद मंगलवार को ट्रांस-यमुना क्षेत्र

हिमाचल प्रदेश में बारिश ने76 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

हिमाचल प्रदेश में इस साल अगस्त की बारिश ने 76 साल का रिकॉर्ड तोड़ा दिया। बीते महीने सामान्य से 68′ ज्यादा (256.8 mm) बारिश हुई। यह 1949 के बाद से सबसे ज्यादा है। शिमला में पिछले 24 घंटे में लैंडस्लाइड और मकान गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है। मौसम विभाग ने मंगलवार को हिमाचल के 6 जिलों में बहुत तेज बारिश का रेड अलर्ट है। 8 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने बीआरएलपीएस का किया शुभारम्भ

105 करोड़ रुपये जीविका निधि में किए ट्रांसफर

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिमोट का बटन दबाकर बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ किया। साथ ही 105 करोड़ रुपये की राशि जीविका निधि में हस्तांतरित (ट्रांसफर) किया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उनकी सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बिहार के विकास के लिए हर संभव सहयोग कर रही है। बिहार का विकास केंद्र सरकार की प्राथमिकता में है।

मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन बिहार की जनता मेरी मां का अपमान कभी माफ़ नहीं करेगीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने मेरी स्वर्गीय मां का अपमान किया है और यह केवल मेरी मां का ही नहीं बल्कि देश की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों का अपमान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को माफ कर सकते हैं, लेकिन बिहार की जनता मेरी मां के अपमान को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। अपने संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार की धरती मातृशक्ति की पूजा करने वाली धरती है। यहां छठ महापर्व और सतबहिनी पूजा जैसी परंपराएं स्त्रियों के सम्मान की प्रतीक हैं। ऐसे पवित्र प्रदेश में कांग्रेस और राजद के मंच से उनकी स्वर्गीय मां के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने कहा,'यह केवल मेरी मां का अपमान नहीं है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से विस्फोटक सामग्री के साथ 16 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गंगालुर, जांगला और बासागुड़ा थाना क्षेत्रों में में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत संयुक्त सर्च अभियान के दौरान कुल 16 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई डीआरजी, थाना बासागुड़ा, थाना गंगालूर, थाना जांगला, कोबरा बटालियन 210 एवं 202 और सीआरपीएफ 229 की संयुक्त टीम द्वारा अंजाम दी गई। इस कार्रवाई में थाना बासागुड़ा से 2, थाना गंगालूर से 6 व थाना जांगला से 8 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं। गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से विस्फोटक सामग्री और नक्सली प्रचार सामग्री भी बरामद की गई है। पूछताछ में गिरफ्तार नक्सलियों ने स्वीकार किया कि वे सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आईईडी विस्फोट के उद्देश्य से उन्होंने विस्फोटक सामग्री और प्रचार सामग्री एकत्र की थी। गिरफ्तार सभी नक्सलियों के विरूद्ध कार्यवाही उपरांत आज मंगलवार को न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

आआपा विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा पुलिस हिरासत से फरार

● पुलिसकर्मी पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास

चंडीगढ़। पंजाब में अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने वाले सनौर के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा पुलिस की हिरासत से फरार हो गए।पठानमाजरा व उनके साथियों ने इस दौरान पुलिस पर फायरिंग की और एक पुलिस कर्मी पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। पठानमाजरा को दुष्कर्म के एक पुराने केस के सिलसिले में हरियाणा के करनाल से गिरफ्तार कर पटियाला लाया जा रहा था। पठानमाजरा ने सोमवार को ही अपनी सरकार विरूद्ध आवाज उठाई थी। उन्होंने अपने क्षेत्र में जलभराव के मुद्दे पर मुख्यमंत्री भगवंत मान पर हमला बोला था। इसके कुछ समय बाद ही पंजाब सरकार ने सनौर हलके में सभी थाना व चौकी प्रभारियों को बदल दिया और कई पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया। देर रात पठानमाजरा की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को वापस आने के आदेश जारी कर दिए गए। मंगलवार सुबह पंजाब पुलिस द्वारा उन्हें हरियाणा के करनाल से हिरासत में लिए जाने की खबर सामने आई है। गिरफ्तारी से पहले पठानमाजरा ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि पंजाब पुलिस ने मेरी पूर्व पत्नी से जुड़े एक पुराने मामले में केस दर्ज किया है।

बाढ़ पीड़ितों से मिलीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, राहत कार्यों का जायजा लिया

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के समीप स्थापित बाढ़ राहत शिविर के अलावा पुराने लोहे के पुल का दौरा कर यमुना के जलस्तर और प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने शिविरों में रह रहे प्रभावित परिवारों से मुलाक़ात कर उनकी समस्याएं सुनीं और हर संभव सहायता एवं राहत पहुंचाने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री का कहना है कि बाढ़ पर पूरी निगरानी रखी जा रही है और संबंधित विभाग बाढ़ के प्रकोप को कम करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि फिलहाल दिल्ली वालों को घबराने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने देर तक बाढ़ प्रभावित इन इलाकों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने राहत कार्यों में लगे अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित नागरिकों को आवश्यक वस्तुएं जैसे स्वच्छ पेयजल, भोजन, चिकित्सीय सुविधा और सुरक्षित आवास का ध्यान रखा जाए और निरंतर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया अधिकतम पानी शाम तक दिल्ली पहुंच जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि इस बार विभागों ने पहले से ही व्यापक तैयारी कर रखी है। पिछले छह महीनों में जिस तरह से यमुना और नालों की डी-सिल्टिंग का काम किया गया है, उसका बड़ा लाभ मिला है। यमुना पर बने सभी बांधों के गेट खुले हुए हैं और कहीं भी पानी रुक नहीं रहा है। पानी का जितना तेज़ी से बहाव आ रहा है, उतना ही तेज़ी से आगे भी बढ़ रहा है। यमुना का पानी फिलहाल निर्बाध बह रहा है। शहर की तरफ से आने वाले अधिकतर नालों के बैरीकेड्स बंद कर दिए गए हैं, ताकि पानी का प्रवाह सही दिशा में बना रहे। उन्होंने कहा कि पानी के स्तर को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है, क्योंकि अभी तक के आंकड़ों के अनुसार यह स्तर पिछले रिकॉर्ड को पार करने की स्थिति में नहीं है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि यमुना फ्लड प्लेन में पानी पहुंचना स्वाभाविक है, क्योंकि वह नदी का प्राकृतिक इलाका है। लेकिन इसके अलावा बाहरी इलाकों में पानी के फैलने की संभावना नहीं है। सरकार दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तत्पर है और सभी अधिकारी लगातार हर घंटे की रिपोर्ट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि जब तक पानी रहेगा, तब तक अधिकारियों द्वारा दिन-रात निगरानी और राहत कार्य जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रभावित लोगों से अपील की है कि वे प्रशासन के साथ सहयोग करें और सरकार द्वारा जारी किए गए सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म

● फूट-फूट कर रोए मनोज जरांगे, बोले- आज हमारे लिए दिवाली

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने पांच दिवसीय भूख हड़ताल मंगलवार को खत्म कर दी। इसके बाद उन्होंने कहा, 'हम जीत गए हैं। सरकार ने हमारी मांगें मान ली हैं।' यह भी कहा कि अगर सरकार आरक्षण की मांगों पर जीआर (आदेश) जारी कर देती है तो वह आज रात 9 बजे तक मुंबई छोड़ देंगे। उधर, बॉम्बे हाईकोर्ट ने जरांगे को अनशन स्थल आजाद मैदान पर 3 सितंबर की सुबह तक रुकने की अनुमति दे दी। इससे पहले अदालत ने मंगलवार दोपहर 3 बजे तक मैदान खाली करने को कहा था। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को भी फटकार लगाई। कहा कि प्रशासन ने उसके आदेशों को लागू क्यों नहीं किया। जबरन मैदान खाली कराने के लिए कदम क्यों नहीं उठाए। अदालत ने कहा कि अगर बुधवार तक स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो वह कड़ा आदेश जारी करेगी और किसी भी हद तक जाएगी।

● पाटिल बोले- एक हफ्ते में मुआवजा दिया जाएगा

मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने दोपहर में समिति के अन्य सदस्यों शिवेंद्रसिंह भोसले, उदय सामंत, माणिकराव कोकाटे के साथ आजाद मैदान में जरांगे से मुलाकात की और समिति द्वारा तैयार किए गए मसौदे पर उनके साथ चर्चा की। पाटिल ने बताया कि अब तक विरोध प्रदर्शनों के दौरान मरने वालों के परिजनों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के हिसाब से एक हफ्ते के अंदर मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाएगी। समिति ने जरांगे को बताया कि अब तक (मृतक प्रदर्शनकारियों के परिजनों को) 15 करोड़ रुपए की सहायता दी जा चुकी है और बाकी राशि एक हफ्ते के भीतर दे दी जाएगी।

'सिर्फ आधार कार्ड ही अकेले नागरिकता का सबूत नहीं', एसआईआर पर सुनवाई के दौरान 'सुप्रीम' टिप्पणी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को साफ कर दिया कि आधार कार्ड को अकेले नागरिकता का सबूत मानना संभव नहीं है। अदालत ने यह टिप्पणी बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान सामने आए विवाद पर सुनवाई करते हुए दी।

● 'चुनाव आयोग के पास मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आधार के साथ-साथ अन्य दस्तावेज भी मांगे जा सकते हैं।'

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा, आधार सिर्फ पहचान पत्र है, नागरिकता का सबूत नहीं। चुनाव आयोग के पास मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आधार के साथ-साथ अन्य दस्तावेज भी मांगे जा सकते हैं। कोर्ट ने दोहराया कि आधार का दर्जा कानून और पूर्व फैसले (पुट्टास्वामी फैसला, 2018) से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। आधार अधिनियम (अनुभाग 9) के तहत 'आधार नंबर अपने आप में नागरिकता या निवास का सबूत नहीं है।' साल 2018 पुट्टास्वामी केस (5-न्यायाधीशों की पीठ) के फैसले के अनुसार, 'आधार नंबर से न तो नागरिकता साबित होती है, न ही निवास का अधिकार मिलता है।'

● राजनीतिक दलों की दलील और सुप्रीम कोर्ट का सवाल

मामले की सुनवाई में आरजेडी के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि चुनाव आयोग 65 लाख नाम हटाए जाने के बाद भी आधार को अकेले पहचान पत्र मानकर नए नाम नहीं जोड़ रहा। इस पर कोर्ट ने साफ किया, 'हम आधार का दर्जा बढ़ाकर नागरिकता प्रमाण पत्र नहीं बना सकते।' अन्य दलों ने भी यही मांग उठाई कि आधार को सीधा नागरिकता का सबूत माना जाए, लेकिन बेंच ने सवाल किया, 'आधार पर इतना जोर क्यों? हम ऐसा कोई आदेश नहीं देंगे कि आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण है।'

वायु सेना ने पाकिस्तानी एयरबेस के पास अरब सागर में शुरू किया हवाई अभ्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर जारी रहने के बीच? अरब सागर में भारत-पाकिस्तान के तटीय इलाके में विभिन्न तरह के सैन्य अभ्यासों की हलचल तेज है।? अब भारतीय वायु सेना ने मंगलवार से गुजरात और राजस्थान के पास अरब सागर में दो दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू किया है। यह अभ्यास आज सुबह लगभग 11 बजे से शुरू हुआ, जो 3 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक चलेगा। हवाई अभ्यास का यह क्षेत्र पाकिस्तान के कराची तट से केवल 200 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है, जो पाकिस्तान-नियंत्रित वायु क्षेत्र से 70 समुद्री मील के करीब है। भारतीय वायु सेना के अनुसार यह एक नियमित अभ्यास है और इसी के तहत पहले ही नोटम (एयरमैन को नोटिस) जारी किया गया था। नोटम या एयर मिशन को नोटिस एक प्रकार की सूचना है, जो विमानन क्षेत्र में किसी विशिष्ट स्थान या स्थिति से संबंधित आवश्यक जानकारी या चेतावनी देती है। इसका उद्देश्य उड़ान संचालन में शामिल लोगों को उन परिस्थितियों के बारे में सूचित करना है, जो मानक प्रकाशनों के माध्यम से वितरित करने के लिए पर्याप्त समय से पहले उपलब्ध नहीं हैं। नोटम का मतलब राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र प्रणाली के किसी भाग को प्रभावित करने वाली किसी भी असामान्य या असामान्य परिस्थितियों के बारे में जानकारी देना है। अरब सागर में दो दिवसीय वायुसेना अभ्यास पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के करीब हो रहा है।

● ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत-पाकिस्तान के तटीय इलाके में सैन्य अभ्यासों की हलचल तेज

अफगानिस्तान भूकंप में मरने वालों की संख्या 1400 पार

तालिबान ने दुनियाभर से मदद मांगी, भारत ने 15 टन खाने का सामान और 1000 टेंट भेजे

काबुल। अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या 1411 हो गई है, जबकि घायलों का आंकड़ा 3250 से ज्यादा हो गया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक तालिबान ने इसकी जानकारी दी है। अफगानिस्तान में जलालाबाद के पास रविवार रात 6.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इस वक्त ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने दुनियाभर से मदद मांगी हैं। इसके बाद भारत ने मदद के लिए 1000 टेंट काबुल भेजे हैं। साथ ही, 15 टन खाने का सामान काबुल से कुनार भेजा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ङ्क पर लिखा कि भारत आगे भी राहत सामग्री भेजेगा। 2021 में तालिबान सरकार बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने अफगानिस्तान की मानवीय सहायता रोक दी थी।

अफगानिस्तान की अपील के बाद भारत के अलावा चीन और ब्रिटेन जैसे देशों ने भी मदद भेजी है। ब्रिटेन ने भूकंप से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए 1 मिलियन पाउंड (10 करोड़) की इमरजेंसी फंड का ऐलान किया है। वहीं, चीन ने कहा कि वह अफगानिस्तान की जरूरतों और अपनी क्षमता के मुताबिक उसकी मदद करेंगे।

भूकंप ने किए कई गांव तबाहः अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (SGS) के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर नांगरहार प्रांत में आया। जहां कई गांव मलबे में बदल गए। यह इलाका राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है। यह एक पहाड़ी इलाका है। जो भूकंप के लिए रेड जोन माना जाता है। जहां सहायता पहुंचाना भी मुश्किल है। NYT की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। यहां सोमवार को 4.6 तीव्रता का एक और भूकंप आया।

अल जजीरा के मुताबिक भूकंप के झटके पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भी महसूस हुए। वहीं, भारत के गुरुग्राम में भी हल्के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान में रविवार की आधी रात को 11:47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 6 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

● भूकंप के झटकों से फिर दहला अफगानिस्तान; रिक्टर स्केल पर दर्ज की गई 5.3 तीव्रता

अफगानिस्तान में फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 दर्ज की गई है। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, झटके स्थानीय समयानुसार शाम 5 बजकर 59 मिनट पर महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में 34.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.68 डिग्री पूर्वी देशांतर पर, धरती की सतह से लगभग 130 किलोमीटर गहराई में स्थित था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आज आए भूकंप के कारण किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना अब तक नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप का केंद्र अधिक गहराई में होने के कारण झटके अपेक्षाकृत कम प्रभावी रहे।

जापानी पर्यटक से 1000 रु रिश्वत लेने का वीडियो वायरल, गुरुग्राम में तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम पुलिस की छवि पर बड़ा सवाल उठ गया है। एक जापानी टूरिस्ट ने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर आरोप लगाया कि ट्रैफिक चेकिंग के दौरान उससे रू.1000 बिना रसीद लिए गए। वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया। वीडियो सामने आते ही डीसीपी ट्रैफिक डॉ. राजेश मोहन ने सख्त कदम उठाए। उन्होंने एक जोन ऑफिसर, एक पुलिसकर्मी और एक होमगार्ड को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया। जापानी पर्यटक ने पूरा वाकया अपने कैमरे में रिकॉर्ड कर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में दिख रहा है कि उससे रू.1000 की रकम ली गई, लेकिन कोई चालान या रसीद नहीं दी गई। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस पर दबाव बढ़ा। फिलहाल, गुरुग्राम पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि किसी भी प्रकार की रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में बाढ़ को लेकर विपक्ष के नेता ने गृह मंत्री से की मुलाकात

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने हाल ही में जम्मू क्षेत्र में बादल फटने, भारी बारिश और बाढ़ से हुए भारी नुकसान के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राजभवन, जम्मू में मुलाकात की। शर्मा ने गृह मंत्री को बताया कि इस आपदा में कई लोगों की जान गई है, पशुधन नष्ट हुआ है और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। सड़कों के बह जाने से कई इलाके संपर्क से कट गए हैं, जबकि बिजली और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सेवाएं ठप हो चुकी हैं। शर्मा ने इस संकट से जूझ रहे प्रभावित लोगों के लिए केंद्र सरकार से तत्काल राहत एवं पुनर्वास की मांग की। उन्होंने नुकसान का आकलन करने के लिए विशेष केंद्रीय टीमों के गठन की मांग की ताकि पारदर्शी ढंग से सर्वेक्षण हो और वास्तविक जरूरतों के अनुसार सहायता दी जा सके। शर्मा ने तत्काल राहत पैकेज की आवश्यकता बताई, जिसमें वित्तीय सहायता, अस्थायी आश्रय, खाद्य सामग्री और बुनियादी सेवाओं की बहाली शामिल हो। उन्होंने सड़कों, बिजली और जल आपूर्ति जैसी क्षतिग्रस्त बुनियादी सुविधाओं के पुनर्निर्माण के लिए दीर्घकालिक योजना पर बल दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार संकट की इस घड़ी में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ है और सभी जरूरी कदम समय पर उठाए जाएंगे। यह मुलाकात आपदा से निपटने के लिए केंद्र और राज्य के बीच सहयोग की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

लगातार आठवां दिन स्थगित रही श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम के कारण श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा मंगलवार को भी भी स्थगित रही। यह लगातार आठवां दिन था जब यात्रा रोकी गई थी। लगातार बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण एहतियात के तौर पर कटरा से यात्रा रोक दी गई है। खराब मौसम और भूस्खलन की वजह से सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है। बात दें कि प्रशासन और श्राइन बोर्ड के अधिकारी स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं और क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत का काम चल रहा है। 27 अगस्त को हुए भूस्खलन में 34 लोगों की मौत के बाद, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने घटना की जांच के लिए एक तीन-सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति दो हफ्तों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जम्मू-कश्मीर का दौरा कर बाढ़ और पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की है।

यात्रा कब शुरू हो सकती है?

अभी यात्रा फिर से शुरू होने की कोई निश्चित तारीख़ नहीं जाहिर की गई है। यह पूरी तरह से मौसम की स्थिति और मरम्मत कार्यों के पूरा होने पर निर्भर करेगा। जैसे ही हालात सुरक्षित होते हैं, अधिकारियों द्वारा यात्रा फिर से शुरू करने की घोषणा की जाएगी। आप यात्रा से जुड़ी नई जानकारी के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या सोशल मीडिया चैनलों पर नज़र रख सकते हैं।

एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही इंडिगो विमान से टकराया पक्षी, वापस लौटा

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर से कोलकाता जा रहा इंडिगो एयरलाइंस का विमान मंगलवार सुबह उड़ान भरते ही पक्षी के टकराने के बाद हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि करीब 165 यात्रियों को ले जा रहे विमान को नागपुर हवाई अड्डे पर लौटना पड़ा। इसके बाद उड़ान रद्द कर दी गई। बता दें इससे पहले रविवार को दिल्ली से इंदौर जाने वाले एयरइंडिया के विमान भी वापस लौट आया था। जानकारी के मुताबिक पायलट्स को उड़ान भरने के बाद ही दूसरे नंबर के इंजन में आग लगने के संकेत मिले थे। इसके बाद एटीसी ने इमर्जेंसी का ऐलान किया और विमान को वापस लौट लिया। विमान के लैंड करने से पहले ही फायर और राहत-बचाव टीमें तैयार थीं। यात्रियों के लिए वैकल्पिक विमान का इंतजाम किया गया। डीजीसीए भी इस घटना की समीक्षा करेगा। वहीं पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विमान में आग लगने के संकेत क्यों मिले थे।

बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के भारत में किया प्रवेश तो होगी 5 साल जेल

केंद्र सरकार ने लागू किया नया कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में रह रहे या अवैध रूप से प्रवेश करने वाले विदेशियों के लिए सख्त कानून सोमवार से लागू हो गया। भारत सरकार के नए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 के तहत बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के भारत में प्रवेश करने पर पांच साल जेल और पांच लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। नए नियम के मुताबिक यदि प्रवेश, निवास या निकास जाली पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के आधार पर की गई है तो 2 से 7 साल की जेल और 1 लाख से 10 लाख रुपए तक का जुर्माना भरना होगा। भारत सरकार का यह नया कानून 1 सितंबर 2025 से लागू हो गया है। केंद्र ने इसे संसद के बजट सत्र में पारित होने के बाद अधिसूचित किया है।

सरकार द्वारा लाए गए नए कानून इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 ने चार पुराने कानूनों- फॉरेनर्स एक्ट, 1946, पासपोर्ट (एंट्री इनटू इंडिया) एक्ट, 1920, रजिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेनर्स एक्ट, 1939 और इमिग्रेशन (कैरियर्स लायबिलिटी) एक्ट, 2000 निरस्त कर दिया है। सभी कानून इस कानून में समाहित हैं। इसका उद्देश्य विदेशियों के प्रवेश, निवास और प्रस्थान को नियंत्रित करने के लिए एक मजबूत और एकीकृत ढांचा तैयार करना है। यह कानून भारत की सीमाओं की सुरक्षा और अवैध एमीग्रेसन पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कदम है।

इमीग्रेशन एंड फॉरेनर एक्ट 2025 के नियम 1 सितंबर से लागू हुए, अप्रैल 2025 में यह बिल संसद में पारित हुआ था। इस बिल के तहत ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन को विदेशी नागरिकों की भारत में स्क्रूटनी और उन पर कार्रवाई के कानूनी अधिकार दिए गए हैं। इस बिल के तहत नियमों का उल्लंघन कर भारत में आए विदेशी नागरिकों को तुरंत डिपोर्ट करने के लिए ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के पास संवैधानिक अधिकार होगा और वह संबंधित राज्यों से कोआर्डिनेट करेगा। यही नहीं इन नियमों के तहत अवैध तरीके से जिस संस्थान में चाहे वह होटल हो शिक्षण संस्थान हो या फिर और कुछ भी, वहां विदेशी नागरिकों की आवाजाही हो तत्काल प्रभाव से उसका रजिस्ट्रेशन भी रद्द किया जाएगा।

विदेशी नागरिकों का डेटाबेस राज्य सरकार बरकरार रखेगी। समय-समय पर यह ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन जानकारी देती रहेंगी। भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले विदेशी नागरिक जो कि भारतीय वीजा और पासपोर्ट की आड़ में भारत में रहते हैं, उन पर लगाम लगाने यह बिल लाया गया था। गृह मंत्रालय ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है और तत्काल प्रभाव से यह नियम लागू होंगे। कानून के तहत सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को विदेशी छात्रों का विवरण पंजीकरण अधिकारियों के साथ साझा करना जरुरी है। इसी तरह अस्पतालों, नर्सिंग होम और आवास सुविधा वाले चिकित्सा संस्थानों को भी विदेशी मरीजों की जानकारी देनी होगी। केंद्र सरकार को अब विदेशियों के प्रवेश, प्रस्थान या आवाजाही को प्रतिबंधित करने, उनके बायोमेट्रिक्स लेने और विशिष्ट गतिविधियों में उनकी भागीदारी पर रोक लगाने का अधिकार है।

नए कानून का मकसद अवैध आव्रजन, मानव तस्करी और जाली दस्तावेजों के दुरुपयोग को रोकना है। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में अहम है, जहां सीमा पार से अवैध प्रवेश की घटनाएं सामने आती हैं, जैसे पश्चिम बंगाल, असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्य। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह कानून राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और विदेशियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के लिए बनाया गया है।

पश्चिम बंगाल में जावेद अख्तर का विरोध, रोकना पड़ा मुशायरा

कोलकाता (एजेंसी)। मशहूर फिल्म गीतकार जावेद अख्तर पर अल्पसंख्यक विरोधी बयान देने का आरोप पश्चिम बंगाल जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने लगाया है। जिसके चलते पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी को अपना चार दिन का सांस्कृतिक कार्यक्रम पोस्टपोन करना पड़ा। बता दें इस कार्यक्रम के लिए गीतकार जावेद अख्तर को आमंत्रित किया गया था, तभी से उनका विरोध किया जा रहा था। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख इस समय टीएमसी नेता सिद्दीकुल्लाह चौधरी हैं। वह पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री भी हैं। बता दें कि शनिवार को ही अकादमी में हिंदी सिनेमा में उर्दू नाम का कार्यक्रम शुरू हुआ था। इस इवेंट में पॉप्युलर कल्चर में उर्दू के महत्व को रेखांकित किया जाना था। वहीं जावेद अख्तर को मुशायरे की अध्यक्षता करने के लिए बुलाया गया था। अकादमी ने कार्यक्रम को पोस्टपोन करने का ऐलान किया है हालांकि इसके पीछे की वजह नहीं बताई है। जमीत उलेमा-ए-हिंद की तरफ से अकादमी को पत्र लिखकर कहा गया था कि जावेद अख्तर की उपस्थिति से अल्पसंख्यक समुदाय आहत हो सकता है। पत्र में कहा गया कि जावेद अख्तर इस्लाम को लेकर अपमानजनक टिप्पणी कर चुके हैं। ऐसे में अल्पसंख्यक समुदाय उन्हें बर्दाश्त नहीं कर सकता। पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी की स्थापना 1987 में हुई थी। उस समय पश्चिम बंगाल में वामपंथी सरकार थी। पश्चिम बंगाल में जमीयत के महासचिव मुफ्ती अब्दुस सलाम ने कहा कि जावेद अख्तर ने इस्लाम का अपमान किया है और इसलिए वे उनका विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, जावेद अख्तर प्रसिद्ध व्यक्ति हैं और उर्दू में उनका योगदान भी महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने इस्लाम को लेकर टिप्पणी करके गलत किया। जब लोगों को पता चला कि जावेद अख्तर को बुलाया गया है तो विरोध शुरू हो गया। वैसे भी पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी अल्पसंख्यकों के लिए ही है। ऐसे में उसे अल्पसंख्यकों की भावनाओं की भी कद्र करनी होगी।

जयपुर के रामगढ़ बांध में कृत्रिम बारिश कराने का प्रयास सफल, 0.8 मिमी बारिश दर्ज

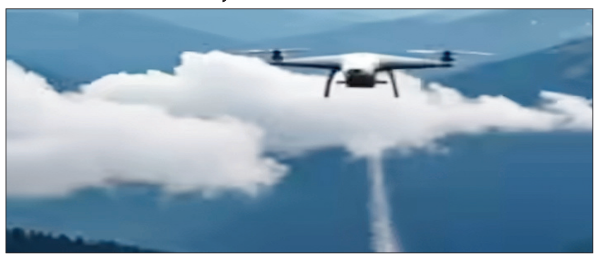

-कंपनी का दावा- मौसम प्रबंधन और जल संकट से निपटने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली(एजेंसी)। जयपुर, (ईएमएस)। राजस्थान में जयपुर जिले के रामगढ़ बांध में सोमवार को कृत्रिम बारिश कराने का तीसरा प्रयास सफल रहा। एक्सेल-1 कंपनी ने हाइड्रोट्रेस प्लेटफॉर्म और स्वदेशी ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करते हुए यह प्रयोग किया गया। इससे पहले 12 और 18 अगस्त को भी प्रयास किए गए थे जो विफल रहे। तीसरे प्रयास में 0.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। कंपनी ने दावा किया कि यह सफलता भारत में मौसम प्रबंधन और जल संकट से निपटने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रयोग में एआई-संचालित तकनीक का इस्तेमाल किया गया, जिसने क्लाउड माइक्रो फिजिक्स को बेहतर बनाया। क्लाउड सीडिंग के दौरान सिल्वर आयोडाइड, सोडियम क्लोराइड और ड्राई आइस जैसे रसायनों को बादलों में छोड़ा गया, जिससे नमी वाली सूक्ष्म बूंदें भारी होकर बरसीं। 12 अगस्त को तकनीकी समस्या के कारण ड्रोन का जीपीएस सिस्टम प्रभावित हुआ और प्रयोग बीच में ही रुक गया। 18 अगस्त को दूसरा प्रयास भी नाकाम रहा क्योंकि ड्रोन नियंत्रण खो बैठा और खेतों में जा गिरा।

वहीं 1 सितंबर को तीसरे प्रयास में तकनीकी खामियों को दूर किया गया और तीसरा प्रयोग सफल रहा और बांध पर हल्की बारिश दर्ज की गई। रामगढ़ बांध क्षेत्र में 0.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी हल्की फुहारें पड़ीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर और गांव दोनों जगह इंच भर बारिश हुई, हालांकि कंपनी ने इसे सीमित सफलता मानते हुए 0.8 मिमी आंकड़ा बताया है।

वहीं राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इस उपलब्धि को राजस्थान के जल प्रबंधन की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह मेक इन इंडिया नवाचार भारत की जलवायु सहनशीलता और आत्मनिर्भरता को मजबूती देगा।

हम यह आदेश नहीं देंगे कि आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण है

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों की मांग को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें चुनाव आयोग को आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने का निर्देश देने की बात कही गई थी ताकि लोग एसआईआर के बाद तैयार बिहार मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकें। कोर्ट ने कहा कि आधार की स्थिति को कानून में तय सीमा से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की युगल पीठ ने पहले कहा था कि वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए चुनाव आयोग द्वारा निर्दिष्ट अन्य दस्तावेजों के साथ आधार एक पहचान दस्तावेज हो सकता है।

वहीं, सोमवार को कोर्ट ने कहा कि आधार वेरिफिकेशन के लिए दस्तावेजों में से एक होगा। जब राजद के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि चुनाव आयोग कोर्ट के आदेश के बावजूद मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख नामों के लिए आधार को पहचान के एकमात्र प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं कर रहा है, तो पीठ ने कहा कि हम आधार अधिनियम द्वारा तय सीमा से आगे आधार की स्थिति नहीं बढ़ा सकते हैं। हम पुट्टस्वामी फैसले में आधार को बरकरार रखते हुए पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा कही गई बातों से भी आगे नहीं जा सकते हैं।

आधार अधिनियम की धारा 9 कहती है कि आधार संख्या या उसका प्रमाणीकरण, अपने आप में किसी आधार संख्या धारक के संबंध में नागरिकता या निवास का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा या उसका प्रमाण नहीं होगा। सितंबर 2018 के पुट्टस्वामी मामले के फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पांच-जजों की बेंच ने कहा था कि आधार संख्या अपने आप में नागरिकता या निवास के अधिकार का प्रावधान नहीं करती है।

जब राजनीतिक दलों समेत अन्य याचिकाकर्ताओं के वकील आधार को पहचान के बायोमेट्रिक प्रमाण से बढ़ाकर मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए नागरिकता का प्रमाण बनाने की मांग में शामिल हुए, तो पीठ ने पूछा कि आधार पर इतना जोर क्यों दिया जा रहा है? हम यह आदेश नहीं देंगे कि आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण है।

चुनाव आयोग की ओर से सीनियर एडवोकेट ने कहा कि आधार के लिए बार-बार दलील इसलिए दी जा रही है क्योंकि बिहार में कुछ जिले ऐसे हैं जहां आधार सैचुरेशन 140 फीसदी है। इसका मतलब है कि वहां बड़े पैमाने पर फर्जी पहचान पत्रों का प्रचलन है। केंद्र ने बार-बार इस बात पर प्रकाश डाला है कि कैसे अवैध बांग्लादेशी प्रवासी और रोहिंग्या कुछ राज्यों में धोखाधड़ी से आधार कार्ड बनवाने में कामयाब रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने राजनीतिक दलों से कहा कि वे अपने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और बूथ स्तर के एजेंटों को सक्रिय करें ताकि वे उन लोगों की पहचान कर सकें जिनके नाम मसौदा मतदाता सूची से गलत तरीके से हटा दिए गए हैं। ऐसे लोगों को चुनाव आयोग के बूथ स्तर के अधिकारियों के समक्ष दावा दायर करने में मदद करें ताकि उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

स्वाति मालीवाल का केजरीवाल पर हमला... पंजाब केजरीवाल के लिए एटीएम नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। सांसद मालीवाल ने केजरीवाल पर आरोप लगाया है कि वे पंजाब के पैसों का दुरुपयोग अपनी निजी मौज-मस्ती के लिए कर रहे हैं, जबकि राज्य में लोग बाढ़ की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। मालीवाल ने दावा किया है कि पंजाब सरकार केजरीवाल के पालतू गुंडे बिभव कुमार के वेतन, भत्ते और जेड प्लस सुरक्षा पर लाखों रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब केजरीवाल के लिए एटीएम नहीं है और न ही यह आप के नेताओं के लिए शरणस्थली है। मालीवाल ने केजरीवाल पर आरोप लगाया कि जब पंजाब में इतनी बड़ी आपदा आई है, तो वह लोगों के साथ ज़मीन पर नहीं हैं, जबकि छोटे-मोटे कार्यक्रमों के लिए वह पंजाब के राजाओं की तरह घूमते हैं। उन्होंने केजरीवाल से पंजाब के प्राइवेट जेट और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल अपने निजी मनोरंजन और टैक्सी की तरह करना बंद करने को कहा। उनके अनुसार, पंजाब के करोड़ों रुपये पहले ही उनकी विलासिता पर बर्बाद हो चुके हैं।

पंजाब के किसान चिंता नहीं करें, केंद्र बाढ़ प्रभावित किसानों के साथ: शिवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली में बैठक कर कृषि क्षेत्र की देशभर की स्थिति की समीक्षा की। उच्चस्तरीय बैठक में शिवराज सिंह ने विभिन्न राज्यों में हो रही बारिश की जानकारी ली। उन्होंने पंजाब के कुछ इलाकों में आई बाढ़ व फसलों पर इसके असर के बारे विस्तारपूर्वक अधिकारियों से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसान भाई-बहन बिल्कुल चिंता नहीं करें, केंद्र सरकार प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में प्रभावित किसानों के साथ खड़ी हैं। चौहान ने कहा कि वे आगामी दिनों में पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेंगे और मौके पर पीड़ित किसानों से भी मिलकर उनकी हरसंभव मदद की कोशिश करेंगे। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने देशभर में कृषि क्षेत्र की स्थिति को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि खरीफ बुवाई क्षेत्रफल में पिछले वर्ष के मुकाबले आशाजनक वृद्धि हुई है। खाद्यान्न फसलों के साथ ही बागवानी क्षेत्र की प्रगति के बारे में भी चौहान ने जानकारी ली। विशेषकर आलू, प्याज और टमाटर के उत्पादन की स्थिति और कीमतों के बारे में उन्होंने जानकारी हासिल की। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न राज्यों में हो रही बारिश और जलाशयों की स्थिति के बारे में भी बताया, जिसमें कहा गया कि कई राज्यों में इस वर्ष औसत से अधिक बारिश हुई, जो फसलों के लिए लाभदायक स्थिति है। अच्छी बारिश से जलाशय भरे हुए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि खाद्यान्न फसलों के साथ ही किसानों को बागवानी सहित इंटीग्रेटेड फार्मिंग के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि किसानों को अधिक लाभ हो सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य की मांग के मद्देनजर हमें खेतों में अनाज के साथ अन्य वैकल्पिक उपायों से कृषि क्षेत्र का समग्र विकास करना होगा। बागवानी और 'इंटीग्रेटेड फार्मिंग÷ इस दिशा में कारगर उपाय है। उन्होंने 'इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल' के किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए भी निर्देशित किया।

प्रधानमंत्री मोदी चीन के सामने झुके, राष्ट्रहित से किया समझौता: जयराम रमेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चीन को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से हुई मुलाक़ात भारत के लिए चिंता का विषय है और यह मुलाक़ात राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात साबित हुई है।

जयराम रमेश ने बयान में कहा कि लंबे समय से भारत, चीन पर आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंड और दोहरी भाषा अपनाने का आरोप लगाता रहा है। लेकिन तियानजिन वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी से कहा कि भारत और चीन दोनों आतंकवाद के शिकार हैं। कांग्रेस नेता ने इसे देश की झुकने वाली विदेश नीति करार देते हुए कहा- अगर यह तथाकथित हाथी का तथाकथित ड्रैगन के आगे झुकना नहीं है, तो फिर क्या है?

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत का खुलासा खुद भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों ने किया था। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बातचीत में इस मुद्दे पर एक शब्द तक नहीं कहा। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी को सीधे-सीधे घेरते हुए कहा, ÷स्वघोषित 56 इंच सीने वाले नेता अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं। उन्होंने 19 जून, 2020 को चीन को क्लीन चिट देकर राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात किया था। अब, 31 अगस्त, 2025 भी तियानजिन में उनके कायरतापूर्ण दंभ के लिए बदनामी के दिन के रूप में याद किया जाएगा। कांग्रेस ने मोदी सरकार की चीन नीति को पूरी तरह विफल बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री की ढील और चुप्पी से भारत की सुरक्षा और सम्मान पर गहरा आघात हुआ है। पार्टी का आरोप है कि मोदी सरकार लगातार चीन के दबाव में काम कर रही है और वास्तविकता को देश की जनता से छिपाया जा रहा है।

आधे भारत में भारी बारिश का अलर्ट, कई राज्यों में स्कूलों की करना पड़ी छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधे भारत के ज्यादातर राज्यों में सितंबर की शुरुआत भारी बारिश के साथ हुई है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सोमवार सुबह से शुरू हुई बारिश देर रात तक जारी रही। इस वजह से सड़कों पर लंबा जाम लग गया और लोग जगह-जगह जलभराव की समस्या से जूझते हुए भी नजर आए। नोएडा और गुरुग्राम में लोग कई घंटों तक जाम में फंसे रहे। इसी स्थिति और मौसम विभाग के अलर्ट को ध्यान में रखते हुए आज कई जिलों में स्कूल बंद रहेंगे।

पिछले कई दिनों से जम्मू-कश्मीर में बारिश और बाढ़ से हालात खराब हैं। कई इलाकों में बादल फटने की घटनाएं भी देखी गईं। मौसम की स्थिति को देखते हुए 2 सितंबर को स्कूल बंद रखने का आदेश दिया गया है। उत्तराखंड के चमोली में भी आज 1 से 12वीं तक की कक्षाएं समेत आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी घोषित की गई है। हिमाचल प्रदेश और पंजाब के भी यही हाल हैं। पंजाब की मान सरकार ने भारी बारिश के अलर्ट के चलते 3 सितंबर 2025 तक स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कई जिलों में 3 सितंबर 2025 तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम को देखते हुए कई जिलों में 2 सितंबर को स्कूल बंद रखने का आदेश दिया गया है। मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, रायबरेली और अलीगढ़ के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, जौनपुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, बागपत, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, इटावा, औरैया, अमरोहा, संभल, बदायूं और आस-पास के इलाकों में आज भी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में सोमवार सुबह शुरू हुई बारिश देर रात तक जारी रही। आज भी कई जगहों पर बारिश का अलर्ट है। मौसम और शहर में जाम की स्थिति को देखते हुए कई स्कूलों को आज बंद रखने का फैसला लिया गया है। गुरुग्राम प्रशासन ने स्कूलों में ऑनलाइन क्लासेस और ऑफिस में वर्क फॉम होम की सलाह दी है। बीती शाम को बारिश और जलभराव की वजह से गुरुग्राम में 5-5 किमी जाम की समस्या हो गई थी। इसे देखते हुए ही यह फैसला लिया गया है।

उमर खालिद और शरजील इमाम को बड़ा झटका

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने साल 2020 में हुए दंगों से जुड़ी कथित साजिश के मामले में अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद, शरजील इमाम सहित कई अन्य आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया। मंगलवार को न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शैलिंदर कौर की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया। अदालत ने उमर खालिद, शरजील इमाम, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। अदालत में सुनवाई के दौरान उमर खालिद और अन्य की ओर से पेश वकीलों ने दलील दी कि उनके मुवक्किल निर्दोष हैं। हालांकि हाईकोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि इस स्तर पर उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती। बचाव पक्ष ने साफ किया है कि वे इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। गौरतलब है कि फरवरी 2020 में दिल्ली में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़की थी। इस हिंसा के पीछे साजिश रचने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने उमर खालिद और शरजील इमाम को मास्टरमाइंड बताया था। पुलिस ने इनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया था।

कुछ घंटों की बारिश के बाद सैलाब सिटी हुई साइबर सिटी, खुलकर सामने आई बदहाली

गुरुग्राम। सोमवार रात और मंगलवार सुबह की बारिश में जब गुरुग्राम की सड़कें नहरें बनीं तो ड्रेनेज सिस्टम और पानी निकालने की व्यवस्था देखने के लिए अफसर सड़कों पर निकले। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने मंगलवार को साउथ सिटी-2, सेक्टर-50, मेफील्ड गार्डन होते हुए सेक्टर-46 की सफाई व्यवस्था, जल निकासी, ड्रेनेज, सीवरेज का जायजा लिया। निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने सिविल लाइंस से शुरू होकर राजीव चौक, सुभाष चौक होते हुए मालिबू टाउन तक निरीक्षण किया। लोगों से बात कर उनकी समस्यायें जानीं। दहिया ने बरसात का मौसम समाप्त होते ही सड़कों को ठीक करने और गुणवत्ता बेहतर रखने के निर्देश दिए। सेक्टर-46 बाजार और पार्क में लोगों ने उनसे समस्यायें बताईं, जिनमें सफाई और सड़क खराब होने की शिकायतें की गईं। निगम आयुक्त ने इसके बाद सेक्टर-46 में निगम की नर्सरी का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त निगमायुक्त रविन्द्र यादव, इंजीनियरिंग और स्वच्छता शाखा के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर दिल्ली में आयोजित होगा 'सेवा पखवाड़ा': रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक देश की राजधानी दिल्ली में सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान दिल्ली सरकार 75 नई सेवाओं और योजनाओं को जनता को समर्पित करेगी। इसमें विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास, और लंबे समय से लंबित कार्यों की शुरुआत शामिल होगी। मुख्यमंत्री ने विपक्षी नेताओं के हालिया विवादित बयानों पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया और कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी की स्वर्गीय माता के विरुद्ध अपमानजनक भाषा का प्रयोग न केवल राजनीति का स्तर गिराता है, बल्कि संपूर्ण महिला समाज का भी अपमान है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल दिल्ली सचिवालय में एक पत्रकार वार्ता में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस व सेवा पखवाड़े की जानकारी दी और बताया कि यह सेवा पखवाड़ा केवल औपचारिक आयोजन नहीं होगा, बल्कि जनता के लिए वास्तविक लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगा। यह आयोजन उनके उस समर्पण और तपस्या को नमन है, जिसके माध्यम से उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण देश के विकास और प्रगति को समर्पित किया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कभी यह नहीं देखा कि किस राज्य में किस पार्टी

की सरकार है; उन्होंने सदैव हर राज्य और हर नागरिक के लिए समान रूप से काम किया है। दिल्ली सरकार भी उसी भावना से उनके सम्मान में यह सेवा पखवाड़ा आयोजित कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन से आरंभ होने वाले इस सेवा पखवाड़े में दिल्ली सरकार अनेक योजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ करेगी। इनमें 150 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन, सघन सफाई अभियान (दिल्ली को कूड़े से आजादी), पांच बड़े अस्पतालों का उद्घाटन के अलावा शिक्षा, आवास, परिवहन, और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी कई अहम परियोजनाएं शामिल होंगी। यह सारे कार्य जनहित से जुड़े तो होंगे ही, साथ ही 'विकसित दिल्ली' की हमारी प्रतिबद्धता को भी आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व से प्रेरणा लेकर सेवा और विकास की राह पर निरंतर आगे बढ़ रही है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इस सेवा पखवाड़े में जनता तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचे और दिल्ली विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विपक्षी नेताओं के हालिया विवादित बयानों पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी की स्वर्गीय माता के विरुद्ध अपमानजनक भाषा का प्रयोग न केवल राजनीति का स्तर गिराता है, बल्कि संपूर्ण महिला समाज का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि जब कोई नेता सार्वजनिक मंच से मां जैसी पवित्र उपाधि को गाली देता है, तो वह संपूर्ण मातृत्व का अपमान है। यह राजनीति का सबसे निम्न स्तर है। खेद की बात यह है कि आज तक इन नेताओं ने न तो माफी मांगी और न ही किसी प्रकार का खेद प्रकट किया।

दो साल बाद साल का पहला व अंतिम चंद्रग्रहण साढ़े तीन घंटे का

वाराणसी। साल का पहला और अंतिम चंद्रग्रहण भाद्रपक्ष शुक्ल पूर्णिमा पर यानी सात सितंबर को लग रहा है। दो साल के अंतराल के बाद भारत में चंद्रग्रहण देखा जाएगा। यह ग्रहण शुरुआत से अंत तक पूरे भारत में नजर आएगा। साढ़े तीन घंटे की अवधि का यह खंडग्रास चंद्रग्रहण पितृपक्ष की पूर्व रात्रि पर पूरे देश में एक साथ देखा जा सकेगा। सात सितंबर को ये चंद्रग्रहण कुंभ राशि और शतभिषा नक्षत्र में लगेगा। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी ने बताया कि इसके पूर्व भारत में दृश्य ग्रहण अश्विन शुक्ल पूर्णिमा पर 28 अक्तूबर 2023 को लगा था, जबकि 2024 में भारत में कोई भी ग्रहण दृश्यमान नहीं था। इस साल सात सितंबर को ये दृश्यमान चंद्रग्रहण लगेगा। भारतीय समयानुसार ग्रहण का प्रारंभ रात 9:57 बजे होगा। ग्रहण का मध्य काल रात 11:41 बजे और मोक्ष काल रात 1:27 बजे होगा। ग्रहण का स्पर्श, मध्य व मोक्ष संपूर्ण भारत में दृश्यमान रहेगा। यह ग्रहण भारत के अतिरिक्त पश्चिमी प्रशांत महासागर, हिंद महासागर, पूर्वी अटलांटिक महासागर, अंटार्कटिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप आदि में दिखाई देगा। ग्रहण के सूतक काल के बारे में शास्त्रों में उल्लिखित है कि चंद्रग्रहण में ग्रहण से नौ घंटे पहले सूतक लग जाता है। इस सूतक काल में बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को छो?कर अन्य लोगों को भोजन करना वर्जित रहता है। सात सितंबर को खग्रास चंद्रग्रहण से पूर्व दिन में 12:57 बजे से ग्रहण का सूतक काल शुरू हो जाएगा। ग्रहण काल में शास्त्रीय वचनानुसार धार्मिक कृत्य, श्राद्ध, दान आदि करना चाहिए। ग्रहण में जपा गया मंत्र सिद्धप्रद होता है। सितंबर में ही दूसरा ग्रहण 21 सितंबर को सूर्यग्रहण के रूप होगा, लेकिन यह भारत में दृश्यमान नहीं होगा। पं. द्विवेदी ने बताया कि इस बार पितृपक्ष की पूर्व रात्रि यानी सात सितंबर को चंद्रग्रहण और पितृविसर्जन को सूर्यग्रहण होगा। आश्विन प्रतिपदा तिथि जिस दिन उदय काल में प्राप्त होती है, उसी दिन से पितृपक्ष का प्रारंभ माना जाता है। इस बार पितृपक्ष आठ सितंबर से प्रारंभ होकर 21 सितंबर सर्वपितृ अमावस्या तक चलेगा। वहीं, सात सितंबर को पूर्णिमा का श्राद्ध होगा। यह खगोलीय घटना एक पखवाड़े में होना और आकाशमंडल में वर्तमान में देवगुरु बृहस्पति का मिथुन राशि में अतिचारी होना, वहीं शनि का मीन राशि पर वक्र गति में संचरण करना शुभ संकेत नहीं है।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के सामने बसा गांव पानी के लिए तरसा, दिल्ली के इस इलाके में लोग परेशान

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के पुराना उस्मानपुर गांव के पास दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) का वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट होने के बाद भी लोग वहां पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। आलम यह है कि गांव में अब तक पानी की पाइपलाइन तक नहीं बिछाई गई। ऐसे में नलों से पानी आना तो दूर, लोगों को पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है।दरअसल, पूर्वी दिल्ली में यमुना किनारे बसे इस गांव के लोगों का कहना है कि मौजूदा समय में भी वह पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित हैं। करीब 200 से 250 घर वाले इस गांव में लोगों के लिए पीने का पानी नहीं है। हैरानी की बात यह है कि गांव के पास से ही मुख्य सप्लाई पाइपलाइन गुजरती है, मगर गांव के लोग तक पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंचती। लोगों का आरोप है कि बार-बार गुहार लगाने पर डीजेबी की ओर से कभी-कभार पानी का टैंकर भेजा जाता है, लेकिन गांव के बाहर के लोग बाल्टियां और ड्रम लेकर कतार में रहकर टैंकर का इंतजार करते हैं और पानी आते ही टैंकर गांव के अंदर पहुंचने से पहले ही खत्म हो जाता है। बाहर ही लोग पानी भर लेते हैं और गांव के भीतर रहने वाले परिवार प्यासे ही रह जाते हैं। इस स्थिति में गांव के लोगों को दो से तीन किलोमीटर दूर जाकर खरीदकर पीने का पानी लेकर आना पड़ता है। यमुनापार के सोनिया विहार का मुख्य ट्रीटमेंट प्लांट है, जो पूरे दिल्ली के बड़े हिस्सों को पीने के पानी की आपूर्ति करता है। इसकी क्षमता करीब 635 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) या 142 एमजीडी (एमजीडी) पानी की ट्रीटमेंट और आपूर्ति करने में सक्षम है। इस समस्या के बारे में हमारे पास किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं आई है। शिकायत मिलने पर समस्या का समाधान किया जाएगा। - छाया गौरव शर्मा, निगम पार्षद यमुना के अधिक पास होने की वजह से गांव में पेयजल की पाइपलाइन नहीं बिछाई जा सकती है। इसके अलावा अगर शिकायत मिलती है तो उस समय विभाग की ओर से पानी का टैंकर भिजवा कर पानी की सप्लाई की जा रही है।

13 की उम्र में पहली हत्या 16 में बन गया शातिर, नाबालिग ने खेला खूनी खेल

नई दिल्ली। मालवीय नगर में खूनी खेल को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी नाबालिग है। 13 साल की उम्र में हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले 16 वर्षीय नाबालिग पर कत्ल, हत्या का प्रयास समेत पांच मामले दर्ज हैं। आरोपी नाबालिग ने रंजिश में चार युवकों की मदद से मौसेरे भाइयों पर चाकू से हमला कराया, जिसमें एक भाई की जान चली गई। हमले का मास्टर माइंड खुद की पिटाई का वीडियो दोनों मौसेरे भाइयों की ओर से इंस्टाग्राम में डाले जाने से नाराज था। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि अब तक मुख्य आरोपी सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दिल्ली के मालवीय नगर में चार नाबालिगों ने दो मौसेरे भाई विवेक (19) और अमन (21 साल) पर शुक्रवार रात चाकुओं से हमला किया था। घटनास्थल पर चारों ओर खून ही खून बिखर गया। विवेक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि अस्पताल में भर्ती अमन की हालत गंभीर है। पुलिस के आला अधिकारी ने बताया कि मालवीय नगर में दोनों भाइयों और मुख्य आरोपी का इंस्टाग्राम एकाउंट है। इस खूनी खेल का मुख्य आरोपी नाबालिग है और बदमाशी में पूरे मालवीय नगर में प्रसिद्ध है। करीब एक माह पहले विवेक ने अपने साथियों के साथ उसे पीट दिया था और इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर डाल दिया था। वीडियो के वायरल होने पर नाबालिग की दादागिरी कम हो रही थी और उसकी बेइज्जती होने लगी थी। इससे नाराज होकर उसने दोनों भाइयों से बदला लेने का फैसला किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मुख्य नाबालिग आरोपी ने चारों नाबालिगों को निर्देश दिए थे कि विवेक और अमन पर तब तक चाकुओं से हमला करना है जब तक मौत न हो जाए।

NAME CHANGE
I, AKASH KANOJIA S/O VED PAL R/o HOUSE NO-622, A-T/F, GALI NO-5A, GOVIND PURI, KALKAJI, DELHI-110019 have changed my name to AAKASH for all future purpose.

NAME CHANGE
I,Rajesh Kumar Singh s/o Dwarka Parsad R/o T-650/L3A, Uppar Ground Floor, Near Janta Park, Baljeet Nagar, Patel Nagar, Delhi-110008 have changed my name to Rajesh Singh Permanently.

NAME CHANGE
I, RAJESH KUMAR S/O MOOL CHAND, R/O H. NO. – H 2/39 kunwar Singh Nagar Extn Nangloi West Delhi - 41 have changed the name of my minor daughter KUMARI SIDDHI aged 10 years and she shall hereafter be known as SIDDHI.

NAME CHANGE
I, SAIMA W/O IMRAN KHAN R/O H NO-C-12/391, G/F, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME SAIMA KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar Kunnathethu Gopinadhan, S/o Kunnathethu Gopinadhan, resident of E-97, Sector-36, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh – 201301, hereby state that I have changed my name to Pradeep Kumar. Henceforth, I shall be known and recognized by the name Pradeep Kumar for all purposes in future.

NAME CHANGE
I, VAIJANTA is legally mother of No. 14839363X Rank- NK/SPL DVR, Name-TAPARE PANDURANG BABAN R/o VPO- BHAKARWADI, TEH- KOREGOAN, DIST – SATARA (STATE)-MAHARASHTRA PIN – 415501 have changed my name from VAIJANTA to VAIJANTA BABAN TAPARE for all future purposes. Vide Affidavit Dated before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I Prabhat S/o Shri Anil Kumar Prasad R/o B-420/1, Qutub Vihar Phase-2,New Delhi-110071, have changed my name to Prabhat Prasad for all purpose

NAME CHANGE
I Shallu W/o Shri Rohit Sangwan, Residing at A-102, Om Satyam Apartments, Plot No- 13, Sector- 04, Dwarka New Delhi- 110078, have changed my name to Shallu Sangwan to for all purpose

NAME CHANGE
I, ALOK S/O MAHENDER SINGH residing at HOUSE NO-18-19, BLOCK NO-21, KALYAN PURI, DELHI-110091 have changed my name to ALOK SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MAHENDAR SINGH S/O UDMI RAM residing at HOUSE NO-18-19, BLOCK NO-21, KALYAN PURI, DELHI-110091 have changed my name to MAHENDER SINGH for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that my client Mrs. Neelam W/o Arvind Singh R/o Munda Mohalla, Near Pramhans School, Kheri Kalan (113) Faridabad Haryana. who is the owner of Property as Residential Unit Bering No. B-816, on Eighth Floor, Block-B, having a super area of 1576 Sq. Ft. i.e. (146.468 Sq. Mtrs.,) Residential Project Titled "Piyush Heights", Village Rewaspur, Sector-89, Faridabad Tehsil & District Faridabad Haryana (here in after referred as property) and has lost Original Conveyance Deed Registration No. 10,881 dated 29.09.2015 in favour of Mrs. Ritu Saxena, in relation to the above property. In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 15 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object.
DR. RAJESH K GUPTA Advocate
F-42/43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
011-4587 5065
rlegaloan@gmail.com

NAME CHANGE
I, Hitherto known as Suman alias Rama Devi W/o Shreeram R/o Village Mijarpur, Mirja Pur, PO: Safipur, Dist: Unnao, Uttar Pradesh-241504, have changed my name and shall hereafter be known as Rama Devi.

NAME CHANGE
I RAJ GAKHAR W/O SHUBHASH CHAND GAKHAR R/O H NO-46-B F/F LAXMI NAGAR KISHAN KUNJ COLONY EAST DELHI 110092 HAVE CHANGED MY NAME TO RAJ RANI

NAME CHANGE
I, AGRIYA BHARTI D/O JYOTI TANWAR, R/o C-434 Block-C, Nand Gram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201003 have change my name to AGRIYA TANWAR

NAME CHANGE
I, hitherto known as Love S/o Rajeev Sharma, R/o Brahampuri, Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 have changed my name and shall hereafter be known as Divyansh Sharma.

PUBLIC NOTICE
I, Mamta W/O Sonpal Kumar R/o V-22, Near Metro Heart Hospital Sector-12, Noida, Noida Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine has been wrongly written as Mamta Pal in my minor Daughter Mishika Pal, aged 15 years in his School Records. The actual name of mine is Mamta, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KRISHNA CHANDRA PRASAD S/o SHAMBHU PARSHAD R/o E-2/65-A, Plot No. 65, Back Portion 3rd Floor, Shastri Nagar, North West Delhi - 110052 have changed my name to KRISHNA CHANDER for all purposes.

NAME CHANGE
I, No. 14839363X Rank- NK/SPL DVR, Name- TAPARE PANDURANG BABAN R/o VPO- BHAKARWADI, TEH- KOREGOAN, DIST – SATARA (STATE)-MAHARASHTRA PIN - 415501 have changed my minor son name from SHIVENDRA to SHIVENDRA PANDURANG TAPARE for all future purposes. Vide Affidavit Dated before Notary Public New Delhi.

सार्वजनिक सूचना
चेतावनी
इस सार्वजानिक सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है कि संपत्ति के संबंध में - फ्लैट नंबर डी-1704, अजनारा होम प्लॉट जीएच-03, सेक्टर-168 रोड, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश - 201318 - मैंने उक्त संपत्ति को न तो बेचा है, न ही हस्तांतरित किया है और न ही किसी व्यक्ति को इस संपत्ति से निपटने के लिए अधिकृत किया है। इस संपत्ति को खरीदने, बेचने या गिरवी रखने का कोई भी प्रयास अवैध और अमान्य होगा। उक्त संपत्ति में लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और लागत पर ऐसा करेगा, और उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
संपत्ति स्वामी का नाम-
(रूमा तोमर पुत्री, श्री बलवीर तोमर)
दिनांक-[01/-8/2025]
(MD. ADEEL SIDDIQUI)
Advocate
Supreme Court of India
Date: -01.08.2025

NAME CHANGE
I, SHABBIR AHMAD H/O MAQSUDAN R/O HOUSE NO 5052 NETAJI SUBHASH MARG MASJID BERI WALI DARYA GANJ NEW DELHI-110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM SHABBIR AHMAD TO SHABBIR AHMED PERMANENTLY

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I SHOBHA Devi W/O Chitranjan Kumar, R/O Flat No-6, Plot No-R-3/46, Front Side, S/F, Nawada Housing Complex, Uttam Nagar, PO: D.k Mohan Garden, DIST: West Delhi, Delhi - 110059, declare that name of mine and my minor daughter have been wrongly written as SHOBHA Kumari and Vandana Priyashi in my minor daughter namely Vandana Preyasi aged 14 years in her school record. The actual name of mine and my minor daughter are SHOBHA DEVI AND VANDANA PREYASI,Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, RANI C Mother of No-15713853P Rank-HAV Name-SAKTHIVEL C Presently residing at 5/1020, ROAD STREET, VILL-IYYAMPALAYAM, POST-SIRUVALLUR, DIST-TIRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-606906, have changed my name from RANI C to RANI SANTHIRAN for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1971 instead of my correct date of birth as 10/03/1973 vide Affidavit dated 02/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SIKHA GARG Alias GUNJAN MITTAL D/O MADESH W/O ROHIT MITTAL R/O 201, PANCHWATI COLONY, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201001 have changed my name and shall hereafter be known as GUNJAN MITTAL.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Galphade Mangesh Manohar S/O Manohar Rahu Galphade residing at Kh 514 Room No 18,4th floor Mahipalpurnear Rajender appt new delhi 110037,Permanent Address ward No 4. VTC: Ghusar, District: Akola, Maharashtra, 444003, Declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Manohar Galphade and Durga M Galphade in my service record. The actual name of my father and my mother are MANOHAR RAHU GALPHADE AND DURGA MANOHAR GALPHADE, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SARDHA is legally wife of no 13772310N Rank Hav Name Bidhan BK is presently residing at Vill – Gari Dhura Jorebunglow, PO – Ghoom, Teh – Jorebunglow, Distt-Darjeeling (WB) have changed my name from SARDHA to SHARDHA BK vide Affidavit No. DL47294136534699X Dated 02/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MUKESH KUMAR Alias MUKESH GOYAL S/O OM PRAKASH R/O HOUSE NO-217, MAIN MARKET, BADARPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110044 have changed my name and shall hereafter be known as MUKESH GOYAL.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I shagufta Rani D/o Ateek Ahmad R/o R.C 930 , sarswati vihar khora colony , khora, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201309 declare that name of my mother has been wrongly written as Afroj Jahan in my 12th class education documents. The actual name of my mother is Afroz Jahan

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I,GAURAV KUMAR S/O SHRI DHAR RAM PRAJAPATI R/O Gola Bazar ward no.8,Gola Gorakhpur,Gola Uttar Pradesh -273408, declare that name of my mother has been wrongly written as Vimla Devi in my 12th class educational documents.the actual name of my mother is Vimala Devi

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS INFORMED THAT MY CLIENT SHRI RAJNISH KUMAR SON OF LATE SHRI JAJJI RESIDENT OF O-3, MAJNU KA TILLA, ARUNA NAGAR, CIVIL LINES, DELHI-110054 IS OWNER OF ½ UNDIVIDED SHARE IN O-2 and 0-3, ARUNA NAGAR, MAJNU KA TILLA, CIVIL LINES, DELHI-110054, INHERITED BY HIM CONSEQUENT UPON THE DEATH OF HIS MOTHER SMT.SITA DEVI WHO WAS THE OWNER OF SAID PROPERTY. AT PRESENT SHRI RAJNISH KUMAR AND HIS BROTHER SHRI MOHIT ARE JOINT OWNERS OF SAID PROPERTY ANYBODY PURCHASES THE SAID PROPERTY OR ANY PART THERE OF FROM SHRI MOHIT ALONE SHALL DO SO AT HIS OWN COST AND RISK AS SUCH TRANSACTIONS WILL BE ABSOLUTELY ILLEGAL.
ABHINAY GUPTA ADVOCATE
ADVOCATE & NOTARY 4/7 SR-III, Office Campus Asaf Ali Road, New Delhi

NAME CHANGE
I, PAVAN GUPTA S/O HARI KISHAN GUPTA resident of 146 NEW LAYAL PUR COLONY KRISHNA NAGAR DELHI-110051. have changed my name to PAWAN KUMAR GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KM SARIKA RANI W/O MANISH GUPTA resident of 146 NEW LAYAL PUR COLONY KRISHNA NAGAR DELHI-110051. have changed my name to SARIKA GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE
GIRISH CHANDRA S/O BHAWATI PRASAD GHANSIYALA R/O RZ L-94 GALI NO -6 VIJAY ENCLAVE DABRI DELHI- 110045 , I have changed my name to GIRISH CHANDER GHANSIYALA Permanently

NAME CHANGE
I,OJUSVEER S/O AMBRISH ATTRI R/O QUARTER NO -13 PROFESSOR STAFF QUARTER BPSMV KHANPUR KALAN SONIPAT HARYANA - 131301, I have changed my name to OJUS VEER Permanently

NAME CHANGE
I, Asma Parveen Kittur W/O Ashpak Ali Kittur R/O Flat No-401, Aman Castle, Sector-4 Vaishali, Sahibabad Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 Have changed my name to Asma Parveen for all the future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, DEEPAK KUMAR S/o RAM SUHAWAN CHAUDHARY R/o WZ-799/3, PALAM VILLAGE, DELHI-110045, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as DEEPAK KUMAR CHAUDHARY and RAJNI DEVI in my minor daughter namely SHIVANI KUMARI, aged 13 years in her Birth Certificate Reg. No. 76067. The actual name of mine and my wife are DEEPAK KUMAR and RAJNI CHOUDHARY respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, TUPE MANISHA NIVRUTTI is Spouse of Army No. 14839363X Rank- NK/SPL DVR Name- TAPARE PANDURANG BABAN, R/o VPO- BHAKARWADI TEH-KOREGOAN DIST – SATARA (STATE)-MAHARASHTRA PIN - 415501 have changed my name from TUPE MANISHA NIVRUTTI to MANISHA PANDURANG TAPARE for all future purposes. Vide Affidavit Dated before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD IBRAHIM BARI FATHER OF MOHAMMAD WAQAS SHEIKH WANTS TO CHANGE MY NAME FROM MOHAMMAD IBRAHIM TO MOHAMMAD IBRAHIM BARI IN PASSPORT

NAME CHANGE
I MOHAMMAD IBRAHIM BARI FATHER OF SOBIYA SHEIKH WANTS TO CHANGE MY NAME FROM MOHAMMAD IBRAHIM TO MOHAMMAD IBRAHIM BARI IN PASSPORT

NAME CHANGE
I, ANKUSH GUPTA S/O YOGENGRA PAL GUPTA R/O 261, RAMA APARTMENT, PLOT NO-2, NEAR MBS, INTERNATIONAL SCHOOL, SECTOR-11, DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM "NEESTHA" TO "NEESTHA GUPTA" FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, GAURAV BANSAL S/O YODH RAJ BANSAL R/O D-87, DHARAM COLONY, NEAR GEETA PROPERTIES, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM "TVISHA" TO "TVISHA BANSAL" FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, DHARMAVATI DEVI W/O AJAYPAL SINGH CHAUDHARY R/O G-5, PLAT NO-7/9, BALAJI APARTMENT, SECTOR-3, RAJENDRA NAGAR, SAHIBABAD, GHAZIBAD, UTTAR PRADESH-201005, HAVE CHANGED MY NAME TO DHARMVATI DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, MANISH KUMAR S/o RAJENDRA SALIL residing at R-68A, RAMESH PARK, LAXMI NAGAR, NEAR SAMUDHAYE BHAWAN, DELHI-110092, declare that the name of mine and date of birth have been wrongly written as MANISH SALIL (D.O.B-05/05/1981) in my SECOND PAN CARD NO-DAFPS8912H. The actual name of mine and my date of birth is MANISH KUMAR (D.O.B-15/10/1979) mentioned in my first PAN CARD NO-ANAPK7043G

NAME CHANGE
I, SWETA BHANDARI D/o Devender Bhandari R/o H.No.894, Gali No.2, Near Shailesh General Store, New Tilpat Colony, Faridabad-121003, have changed my name to SWETA permanently

NAME CHANGE
I, RAM MOHAN KUMAR Father of No.15693185A Rank-HAV Name-PRANAV KUMAR Presently residing at VPO-GARHPURA, THANA-GARHPURA, TEHSIL-BAKHRI, DISTT-BEGUSARAI, BIHAR-848204, have changed my name from RAM MOHAN KUMAR to RAM MOHAN SINGH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of my correct date of birth as 31/12/1956 vide Affidavit dated 02/09/2025 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, MIRDULA KUMARI Mother of No.15693185A, Rank-HAV Name-PRANAV KUMAR residing at- VPO-GARHPURA, THANA-GARHPURA, TEHSIL-BAKHRI, DISTT-BEGUSARAI, BIHAR-848204, have changed my name from MIRDULA KUMARI to MRIDULA KUMARI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1966 instead of my correct date of birth as 11/02/1963 vide Affidavit dated 02/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, DEZI SINGH Wife of No.15693185A Rank-HAV Name-PRANAV KUMAR Presently residing at VPO-GARHPURA, THANA-GARHPURA, TEHSIL-BAKHRI, DISTT-BEGUSARAI, BIHAR-848204, have changed my name from DEZI SINGH to DEZI KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 02/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RACHNA JHA W/O PRASAN KUMAR JHA R/O E-19, INDER ENCLAVE PHASE -2, KIRAIR SULEMAN NAGAR, NOTH WEST DELHI, DELHI-110086 have changed the name of my minor daughter AARCHI JHA aged 16 years and she shall hereafter be known as AARCHI.

NAME CHANGE
I Prabhat S/o Shri Anil Kumar Prasad R/o B-420/1, Qutub Vihar Phase-2,New Delhi-110071, have changed my name to Prabhat Prasad for all purpose

NAME CHANGE
I Shallu W/o Shri Rohit Sangwan, Residing at A-102, Om Satyam Apartments, Plot No- 13, Sector- 04, Dwarka New Delhi- 110078, have changed my name to Shallu Sangwan to for all purpose

NAME CHANGE
I, Vikas Shrivastava s/o Arvind Kumar Lal R/o G-184-A,Lajpat Nagar Sahibabad Ghaziabad Uttar Pradesh 201005 have changed my name from Vikas Shrivastava to Vikas Srivastava for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
My client Batool W/o Sh. Nazar Mohammad R/o 299, Nai Basti, Okhla, New Friends Colony, New Delhi-110025 has disowned and debarred his son namely Mohd. Shadan from his all movable, immovable properties and has no relation with him in future. My client and other family members will not responsible for their any Civil and Criminal Act and Deeds.
Kamal Kumar Advocate
171, Lawyers' Chambers, Block-II, High Court of Delhi, New Delhi

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, CHANDRESH KUMAR S/o Ganga Ram Gupta, R/o C-41/147A, Janta Camp T-Huts Marhura Road New Delhi-110001 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as KHUSHBOO in my minor daughter namely KHUSHBOO KUMARI aged 14 years in her school record. The actual name of my minor daughter is KHUSHBOO KUMARI which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **M/s. Saar International & Mr. Rakesh Singh** is the owner of the Property bearing No. NW-147 B, with roof rights, area measuring 38 Sq. Yds. out of Khasra No. 21/22, situated in the area of Village Khyala, colony known as Vishnu Garden, New Delhi-110018 vide Sale Deed dated 26.09.2023 which are registered Doc no. 12670, in Book No. 1, Vol No. 27413, on Page No. 104-111, dated 27.09.2023, SR- II Basai Darapur and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Finance .** That the **Death Certificate & SMC of Late S Gurbax Singh & Late S Inderjeet Singh is not available.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, hitherto known as M S SANDHU S/o CHATTAR SINGH R/o 9 A, GP-2, GURGAON-ONE, SECTOR-22, GURGAON, INDUSTRIAL COMPLEX DUNDAHERA, GURGAON, HARYANA-122016, have changed my Name and shall hereafter be known as MANJIT SINGH SANDHU.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sarita alias Smt Sangeeta D/O Munna Lal W/O Vijay Kumar, R/O D-29, GALI NO-1, NEAR NAG MANDIR, shastri nagar, Ashok Vihar H.O, DIST: North West Delhi, Delhi - 110052, have changed my name and shall hereafter be known as SARITA.

NAME CHANGE
I, GAINDO W/O MOHD YASEEN resident of H NO-543 O- BLOCK, STREET, NO-06, SUNDAR NAGRI, DELHI-110093. have changed my name to GENDO for all future purposes.

NAME CHANGE
I, GULNAAZ D/O MOHD YASEEN resident of H NO-543 O- BLOCK, STREET, NO-06, SUNDAR NAGRI, DELHI-110093. have changed my name to GULNAZ for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Brij Mohan Aswal S/O Jagannath Aswal R/O C-575, J J Colony, Inder Puri, Central Delhi, Delhi - 110012, declare that name of mine and my father have been wrongly written as Brij Mohan and Jaghanaath in my Passport No. H9625678. The actual name of mine and my father are Brij Mohan Aswal and Jagannath Aswal

NAME CHANGE
I, NASREEN HUSAIN W/O JAVED HUSSAIN, D/O IKBAL AND MY DATE OF BIRTH 01/01/1990, R/O H NO.C-2/10 STREET NO-02, KABIR NAGAR GOKALPUR NORTH EAST, DELHI-110094. I HAVE CHANGED MY NAME NASREEN AARA AND DATE OF BIRTH 15/07/1987 AND CORRECT MY FATHER NAME IQWAL HUSAIN AS PER MY EDUCATION DOCUMENTS AND FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD ATIQ S/O MOHAMMAD IQBAL ALIAS MOHD IQBAL R/O H-303 TAJ ENCLAVE GEETA COLONY GANDHI NAGAR DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ATIQ PEMANENTLY

NAME CHANGE
I, NARENDRA SINGH Father of No. 3011223A Rank-HAV Name-SACHIN KUMAR R/o VILL-MIRZAPUR, PO-A CHAND, SAHARANPUR, UP-247451, have changed my name from NARENDAR SINGH to NARENDRA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 02/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHAMBHU MAHTO S/o MAHESH MAHTO R/o Kh.No. 117/2, Bija Pur, Budh Pur, Ali Pur, North West Delhi, Delhi-110036, declare that name of my wife has been wrongly written as SANGEETA DEVI in my minor daughter namely KAJAL RANI aged 14 years in her School Records. The actual name of my wife is SUNITA DEVI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NARENDER KUMAR S/o GOVIND RAM R/o House No. 3038, Arya Pura, Gali Mandir Wali, Subzi Mandi, Malka Ganj S.O, North Delhi, Delhi-110007, declare that name of my father has been wrongly written as GOVIND RAM SAGAR in my SC Caste Certificate No. SC/01/13/7659/18/3/2011/9031003676/8266. The actual name of my father is GOVIND RAM, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MAICHING TAMANG is a real Mother of No. 13769554W Rank L/HAV Name ASHOK TAMANG presently residing STEIN THAL TEA ESTATE DARJEELING, PO-DARJEELING BAZAR, TEH-DARJEELING, DIST-DARJEELING (WEST BENGAL)-734101 have changed my name from MAICHING TAMANG to MAICHANG TAMANG for all future purposes. Vide affidavit dated 02/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, SANJEEV KUMAR S/O INDR SINGH R/O SIDIPUR, PO: UDAI RAMPUR NAGLA, DIST: GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201302, have changed the name of my minor son SUMIT aged 12 years and he shall hereafter be known as SAMIR.

NAME CHANGE
I, SURESH GIRI S/O BABU GIRI R/O TILPAT, DAULAT RAM COLONY, GREATER NOIDA, VTC: DADRI, DISTRICT: GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH-203207, have changed the name of my minor son ABHAY GIRI aged 12 years and he shall hereafter be known as AYUSH.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SIDHARTH SHARMA S/O RAJESH SHARMA R/O GALI NO-22, TULSHI VIHAR COLONY, NEAR SHIV MANDIR RAILWAY ROAD, VTC: DADRI, DISTRICT: GAUTAM BUDDHA NAGAR, STATE: UTTAR PRADESH 203207 have changed my name and shall hereafter be known as CHIRAG SHARMA.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नगर परिषद की चेयरपर्सन ने अधिकारियों संग शहर का किया निरीक्षण

एजेंसी

नारनौल। नारनौल शहर में मानसून के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने नारनौल शहर का दौरा किया। इस दौरान नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी भी मौजूद रहीं। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत जल निकासी व्यवस्था सुधारने और ऐसी योजनाएं बनाने का निर्देश दिया ताकि भविष्य में यह समस्या दोबारा न हो। डीएमसी ने जन स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद के अधिकारियों को सभी नालों और सीवरेज लाइनों की समय पर सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जरूरत पड़ने पर नई जल निकासी प्रणालियां बनाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी आपस में मिलकर काम करें ताकि शहर की जल निकासी व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके। उन्होंने नागरिकों से 'मेरा शहर, मेरी जिम्मेदारी' की थीम पर सहयोग करने की अपील भी की। जिला नगर आयुक्त ने जनता को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और उनका जल्द समाधान किया जाएगा। इस पहल से नारनौल शहर को जलभराव की समस्या से मुक्त करने में काफी मदद मिलने की उम्मीद है।

पलवल :बरसात के मौसम के मद्देनजर प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट : उपायुक्त

पलवल। जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि बरसात के मौसम के मद्देनजर प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और हर परिस्थिति से निपटने का तैयार है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के किसी भी नागरिक को कोई हानि न पहुंचे। उन्होंने जिला वासियों से आग्रह किया कि ऐसे मौसम में वे भी सावधानी बरतें और पहाड़ी क्षेत्रों में जाने से बचे। उन्होंने बताया कि भारी वर्षा और यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के चलते आबादी क्षेत्रों के साथ-साथ कृषि क्षेत्रों में जलभराव की अनेक शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। निरंतर वर्षा और नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण आस-पास के गांवों और जिले के अन्य भागों में बाढ़ का गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस स्थिति और जिले में लगातार हो रही बरसात के मद्देनजर जलभराव और बाढ़ की स्थिति का आंकलन करने और आवश्यक कदम उठाने और राहत उपाय करने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तत्काल निरीक्षण करना आवश्यक है, जिसके लिए जिले के अधिकारियों को ड्यूटी सौंपी गई है।

नागरिक बिना आवश्यक कार्य घर से न निकलें बाहरः उपायुक्त

सिरसा। जिले में लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर पानी जमा हो गया है, वहीं घग्गर नदी के जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन सिरसा द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी में नागरिकों से अगले दो-तीन दिनों तक बेवजह घर से बाहर न निकलने और बारिश के कारण जमा हुए पानी वाले क्षेत्रों से अनावश्यक आवागमन न करने की अपील की गई है। इसके अलावा बिजली के पोल व नदी-नालों से दूरी बनाए रखने की अपील की गई है। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने आमजन से अपील की कि बारिश के मौसम को देखते हुए नागरिक बिना किसी आवश्यक कार्य के घर से बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। जलभराव वाले क्षेत्रों से निकलने से बचें, इसके अलावा नदी-नालों से भी दूर रहें, क्योंकि कई बार पानी की गहराई और तेज बहाव के चलते हादसों का खतरा बढ़ सकता है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है और अपील की कि जलभराव वाले रास्तों पर वाहन न ले जाएं। इसके अलावा बारिश के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो सकती है, इसलिए लोगों को खुली तारों, बिजली के खंभों और गीले स्थानों पर पड़े इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूर रहने की एडवाइजरी जारी की गई है।

हरियाणा के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति हो रही गंभीरः कुमारी सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति दिनों-दिन गंभीर होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार को बचाव एवं राहत कार्य में तेजी लानी चाहिए, जलभराव प्रभावित क्षेत्रों से जल निकासी का प्रबंध करना चाहिए। बर्बाद हुई फसलों की तुरंत गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा दिया जाए। कुमारी सैलजा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे बाढ़ प्रभावित और संभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों की मदद करें।सांसद कुमारी सैलजा ने जारी प्रेस बयान में कहा कि लगातार बारिश और जलभराव के कारण हजारों एकड़ फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी है, जिससे किसान गहरे संकट में हैं। प्रभावित गांवों और शहरों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस स्थिति को देखते हुए कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से तुरंत राहत कार्य तेज करने की मांग की है। भाजपा सरकार को तुरंत आगे आकर जनता की मदद करनी चाहिए। बर्बाद हुई फसलों का शीघ्र सर्वे करवा कर उचित मुआवजा दिया जाए। प्रभावित क्षेत्रों में विशेष गिरदावरी करवाई जाए और नुकसान का सही आकलन कर किसानों को राहत राशि प्रदान की जाए।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष बने 'निक्षय मित्र', 5 टीबी रोगियों को अपनाया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष एवं उनकी धर्मपत्नी मित्रा घोष ने राजभवन, चंडीगढ़ में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 5 टीबी रोगियों को 'निक्षय मित्र' के रूप में गोद लिया। इस अवसर पर उन्होंने रोगियों को पोषण संबंधी सहायता भी प्रदान की। कार्यक्रम में राज्य टीबी अधिकारी डॉ. राजेश राजू और डब्ल्यूएचओ के नोमिनी डॉ. सुखवंत ने राज्यपाल को प्रदेश में चल रहे टीबी अभियान की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि वे हरियाणा को टीबी मुक्त राज्य बनाने के अभियान में हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस मुहिम में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा–'आइए, हम

सब मिलकर एक टीबी मुक्त समुदाय का निर्माण करें।उन्होंने बताया कि सामुदायिक सहायता कार्यक्रम 'निक्षय मित्र' को 9 सितम्बर 2022 को माननीया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य टीबी रोगियों को इलाज के दौरान पोषण, जांच और व्यावसायिक सहयोग उपलब्ध कराना है, ताकि उपचार के परिणाम बेहतर हो सकें। हरियाणा में यह पहल 17 सितम्बर 2022 से शुरू की गई थी और अब तक लगभग 2200 गांव टीबी मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। राज्यपाल ने कहा कि सरकार और समाज के सामूहिक प्रयासों से पूरा प्रदेश जल्द ही टीबी मुक्त हरियाणा बनेगा। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डी.के. बेहरा, वरिष्ठ निजी सचिव जगन नाथ बैंस, डॉ. राकेश तलवार, स्टेट टीबी प्रोग्रामर डॉ. जसकिरत, डॉ. संदीप छाबड़ा और विभिन्न जिलों के टीबी अधिकारी उपस्थित रहे।

रेवाड़ी में छह स्वास्थ्य परियोजनाओं पर कार्य शुरू

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। रेवाड़ी जिले के कोसली विधानसभा क्षेत्र में लगभग दो करोड़ 93 लाख रुपये की लागत से उप-स्वास्थ्य केंद्रों और ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाई के निर्माण कार्य शुरू हो गए हैं। जाटूसाना ब्लॉक के चौकी नं दो गांव, डहिना ब्लॉक के मौतला कलां गांव और नाहड़ ब्लॉक के लूखी गांव में उप-स्वास्थ्य केंद्रों का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही, नाहड़ ब्लॉक के कोसली गांव में एक ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाई का निर्माण किया जा रहा है। नाहड़ ब्लॉक के नहरूगढ़ (गामड़ी) गांव और डहिना ब्लॉक के धावना गांव में भी उप-स्वास्थ्य केंद्र बनाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने परियोजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जाए। नए उप-स्वास्थ्य केंद्र और ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाई बनने से ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं नजदीक ही उपलब्ध होंगी और इलाज के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एक मजबूत समाज की नींव है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद रेवाड़ी जिले की जनता को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को और अधिक मजबूती मिलेगी। ये परियोजनाएं राज्य सरकार की उस व्यापक योजना का हिस्सा हैं, जिसके तहत पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार किया जा रहा है।

गुरुग्राम में घंटों तक हुई मूसलाधार बारिश, शहर हुआ पानी-पानी

एजेंसी

गुरुग्राम। मॉनसून की मूसलाधार बारिश में गुरुग्राम पानी-पानी हो गया। घंटों तक लगातार बरसात होती रही। गुरुग्राम की निचली कालोनियों, गलियों से लेकर दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेस-वे, अंडरपासों, द्वारका एक्सप्रेस-वे पर काफी गहरा पानी भर गया। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हो गई। किसी के वाहन बंद हो गए तो किसी के वाहन रेंगते हुए पानी को पार करने में सफल रहे। पानी में बंद और खराब हुए वाहनों को यातायात पुलिस ने धक्के लगातार या तो एक तरफ करवाया या फिर पानी से बाहर निकलवाया। बता दें कि पिछले दो महीनों से मॉनसून की बारिश देश के अनेक हिस्सों में बदस्तूर हो रही है। अगस्त में जहां रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई, वहीं सितंबर के पहले ही दिन बारिश ने अपना रूप दिखाया। घंटों तक मूसलाधार बारिश हुई। मॉनसून विभाग की मानें तो मॉनसून अभी खत्म नहीं हो रहा, बल्कि और अधिक बारिश के असार नजर आ रहे हैं। साल 2025 मॉनसून की

बारिश के हिसाब से अच्छा माना जा रहा है। प्यासी धरती पर बाढ़ की कई जगह स्थिति बनी है तो कई राज्यों में बाढ़ आ चुकी है। सितंबर माह के मध्य में मॉनसून की वापसी होने लगती है। अक्टूबर के पहले सप्ताह तक मॉनसून का प्रभाव खत्म हो जाता है। इस बार ऐसा नजर नहीं आ रहा। सितंबर जब आधा बीत जाएगा तभी मौसम विभाग इसके खत्म होने पर कुछ कह सकेगा। मौसम विभाग का यह भी कहना है कि वर्ष 1980 के बाद के कुछ साल छोड़ दें तो बारिश का नया ट्रेंड शुरू हुआ है। अगस्त के दूसरे पखवाड़े और सितंबर में ज्यादा बारिश हो रही है।

सीएम फ्लाइंग की बड़ी कार्रवाई, सरपंच की फर्जी मोहर, लैटर पैड बरामद

एजेंसी

हिसार। सीएम फ्लाइंग टीम ने जिले के गांव पुट्ठी समैण में सरवर पानू फोटोस्टेट एंड स्टेशनरी की दुकान पर छापा मारकर बड़ा फर्जीवाड़ा पकड़ा है। इस दौरान टीम ने मौके से सरपंच की नकली मोहर, लेटर पैड, फर्जी हस्ताक्षरयुक्त कागजात, आधार कार्ड, जॉब कार्ड सहित कई दस्तावेज बरामद किए। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि दुान संचालक सरवर पानू ने दो अलग-अलग जन्मतिथि वाले आधार कार्ड बनवा रखे हैं और इन्हीं के सहारे अलग-अलग नाम से डबल पेंशन ले रहा है।टीम का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने किया। सोमवार को मारे गए छापे के दौरान उनके साथ एसआई महेंद्र, ईएसआई बलवान, व एचसी विजय मौजूद रहे। अचानक हुई कार्रवाई से न केवल गांव में बल्कि अन्य सीएससी संचालकों में भी हड़कंप मच गया। सीएम फ्लाइंग टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव पुट्ठी समैण स्थित सरवर पानू फर्जी तरीके से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने व दिलवाने के लिए फर्जी दस्तावेज

तैयार करता है। वह कई विभागों की स्टांप भी अपने पास रखता है और लोगों को अनुचित लाभ दिलाने का काम करता है। सीएम फ्लाइंग के छापे के दौरान सरवर पानू मौके से गायब मिला, जबकि ऑपरेटर हरीश कुमार दुकान पर मौजूद था। टीम ने सरपंच धर्मपाल व ऑपरेटर हरीश की मौजूदगी में जांच की। सरपंच धर्मपाल के नाम की नकली मोहर व लेटर पैड, कविता व शीतल के आधार कार्ड, सुमन बाला का स्थाई प्रमाण पत्र, पूनम, ज्योति, सोनम और सचिन के जॉब कार्ड, नरेंद्र व नीरज के नाम पर मृत्यु उपरांत अनुदान राशि प्राप्त करने के फार्म, राजबीर के नाम से आधार अपडेट का फॉर्म, जिस पर सरपंच के फर्जी हस्ताक्षर व नकली स्टैंप लगी थी। सरपंच धर्मपाल ने मौके पर ही स्पष्ट कहा कि उनके नाम से मिली मोहर और लेटर पैड फर्जी हैं। उनके हस्ताक्षर भी फर्जी तरीके से किये गए हैं।

पुलिस महानिदेशक की मधुबन में क़ानून व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण पर उच्च स्तरीय बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने मधुबन में आयोजित दो दिवसीय उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेशभर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण से जुड़े मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा और जनसेवा को लेकर कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए और कहा कि पुलिसिंग का मूल उद्देश्य जनता को न्यायसंगत, पारदर्शी और प्रभावी सेवाएँ उपलब्ध कराना है।

महिला सुरक्षा और काउंसलिंग

महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कपूर ने निर्देश दिए कि महिला विरुद्ध अपराधों का पर्यवेक्षण उच्च अधिकारी स्वयं करें और पीड़िताओं की काउंसलिंग सुनिश्चित की जाए । उन्होंने कहा कि यदि जेल से बाहर आने के बाद भी आरोपी महिला को परेशान करता है तो इसे गंभीरता से लिया जाए।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2025 में वर्ष 2024 की समान अवधि की तुलना में बलात्कार, बलात्कार के प्रयास, अपहरण, छेड़छाड़ और दहेज हत्या जैसे सभी प्रमुख शीर्षकों में 16% से 25% तक की कमी आई है। इस उपलब्धि पर पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने महिला सुरक्षा के प्रति पुलिसबल की प्रतिबद्धता की सराहना की और समर्पित प्रयासों से अपराध नियंत्रण करने वाले पुलिस अधिकारियों और जवानों का मनोबल बढ़ाया। यह भी बताया गया कि डीएसआरएएफ के 46 वाहनों को डायल 112 के साथ एकीकृत कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, रोहतक के सुनारिया में एक महिला पुलिस %दुर्गा बटालियन% स्थापित की गई है, जिसमें कुल 540 महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं। इसके साथ ही, प्रदेश में महिलाओं से छेड़छाड़ वाले संवेदनशील क्षेत्रो में हॉटस्पॉट तथा हॉटरूट चिन्हित किए गए हैं जहां पर सीसीटीवी कैमरे लगाये गए है तथा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है ताकि महिलाओ को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाया जा सके।

हिंसक अपराध और सीलिंग प्लान: बैठक में हिंसक अपराधों की रोकथाम के लिए जिलों के सीलिंग प्लान का गहन अध्ययन करने और इन्हें और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही ईआरवी और पीसीआर पर जिम्मेदार अधिकारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने को कहा गया ताकि अपराधियो को अपराध करने से रोक जा सके एवं अपराध हो जाने के बाद उन्हें जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। बैठक में बताया गया कि 1 जनवरी 2024 से अब तक हरियाणा पुलिस ने अपराधियों पर कड़ा प्रहार किया है। इस अवधि में 110 मुठभेड़ों में 13 खूंखार अपराधी मारे गए और 156 घायल हुए। केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से 9 कुख्यात बदमाशों का प्रत्यर्पण कराया गया, 70 लुकआउट सर्कुलर और 27 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए।

यातायात नियमों अवहेलना करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत पुलिस आयुक्त ममता सिंह के आदेश और पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक एवं अपराध नरेंद्र कादयान के दिशा-निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त ट्रैफिक अमित धनखड़ ने जिले के ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के साथ गोष्ठी आयोजित कर सख्त निर्देश जारी किए। गोष्ठी में निर्णय लिया गया कि 1 से 15 सितम्बर तक विशेष ट्रैफिक अभियान चलाया जाएगा। इस अवधि में नियम तोड़ने वालों पर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और हर स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित होगी। सहायक पुलिस आयुक्त ट्रैफिक अमित धनखड़ ने निर्देश दिए कि हाईवे पर सभी वाहन चालक लेन ड्राइविंग का पालन करें। गलत लेन बदलने या विपरीत दिशा में वाहन चलाने वालों के चालान किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, हॉटस्पॉट क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी।इसके अलावा प्रेशर हॉर्न और अवैध पार्किंग के खिलाफ भी विशेष मुहिम चलाई जाएगी। पुलिस ने तय किया कि इन मामलों में अधिक से अधिक चालान काटे जाएं ताकि सड़क सुरक्षा और यातायात अनुशासन सुनिश्चित हो सके। गोष्ठी में पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

सिरसा के गांव रिसालियाखेड़ा में ढही दीवार, पन्नीवालामोटा में छत गिरी

एजेंसी

सिरसा। पिछले तीन-चार दिनों से लगातार हो रही बरसात लोगों के लिए आफत बनकर बरस रही है। बरसाती पानी जहां लोगों के घरों में घुस गया है, वहीं कच्चे मकानों को भी क्षति पहुंच रही है। जिला प्रशासन ने भी एडवाइजरी जारी कर बेवजह घरों से बाहर न निकलने की अपील की है। सिरसा जिले के गांव रिसालिया खेड़ा में तेज बारिश के चलते रविवार रात एक मकान की दीवार ढह गई। गनीमत रही कि हादसे में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन और पंचायत की लापरवाही से बरसाती मौसम में यही स्थिति बनती है। थोड़ी-सी भी बरसात में गलियों में दो से तीन फीट तक पानी भर जाता है। मकान मालिक कुलदीप ने बताया कि वे कई बार पंचायत को गली को ऊंचा करने और निकासी व्यवस्था सुधारने के लिए कह चुके हैं, लेकिन पिछले दो सालों से कोई कार्रवाई नहीं हुई। गांववासियों का कहना है कि रात की तेज बारिश से पानी घरों में घुस गया और उसी

दबाव में दीवार गिर गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि हर बरसात में उन्हें ऐसी परेशानियों का सामना न करना पड़े।

उधर, गांव पन्नीवाला मोटा में बरसात की वजह से एक मकान की छत गिर गई। इस हादसे में परिवार के सदस्य बाल-बाल बच गए, लेकिन कमरे में रखा सामान मलबे के नीचे दबने से नष्ट हो गया। राजेंद्र कुमार के घर की एक कमरे की छत रविवार रात को गिर गई। हालांकि हादसे के समय राजेंद्र कमरे में ही था, लेकिन छत गिरने का आभास पाकर वह अचानक बाहर आ गया। इस दौरान उसे मामूली चोटें आई हैं। राजेंद्र कुमार ने बताया कि वह एक कमरे में सोया हुआ था जबकि उसके परिवार के अन्य सदस्य दूसरे कमरे में सो रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हो रही बरसात के कारण कच्चे घरों में रह रहे लोगों को डर सताने लगा है। इसी प्रकार गांव दौलतपुरखेड़ा में सोमवार सुबह मकान ढह गया, जिसमें रखा सामान मलबे में दब गया। पीड़ित परिवार के मुखिया जोधा राम ने बताया कि उसके घर में तीनों मकान कच्चे और पुराने है। पिछले कुछ दिनों से बरसात हो रही है जिससे मकानों की हालात दयनीय हो गई है। एक कमरे की दीवार और छत ढह गई है जबकि दो और कमरे भी गिरने वाले है। इसलिए हम अब आंगन में झोपड़ी बनाकर उसमें रह रहें हैं। सामान भी बाहर निकाल कर दोनों कमरे खाली कर दिए हैं ताकि दोबारा कोई नुकसान न हो। हादसे की सूचना मिलने पर पूर्व सरपंच प्रतिनिधि साधू सिंह, घुम्मन सिंह, बलकरण सिंह आदि पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और उन्होंने जिला प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। जिला के शहरी क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति और भी गंभीर है। सडक्रों पर तीन से चार फुट पानी जमा है।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एकत्रित की खाद्य सामग्री

जींद। पंजाब में बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। इस संकट की घड़ी में ग्रामीण भाईचारे और इंसानियत की मिशल पेश कर रहे है। करसिंधु गांव में युवाओं, ग्रामीणों, महिलाओं ने टीम बना कर मोहल्लों में जाकर खादय सामग्री एकत्रित करने को लेकर अभियान चलाया। आटा, गेहूं, चीनी, तेल, कपड़ा, रसोई की सामग्री एकत्रित की। युवा विनोद, सुभाष, अंकित, सुरेंद्र, मीनू, रामनिवास, संदीप, धोला, मेवा, भीरा ने कहा कि मुसीबत का पता नहीं होता कब कहा आ जाए। रविवार को पूरे गांव में पंजाब में आई बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए सामग्री एकत्रित किए जाने को लेकर मुनादी चौकीदार से करवाई थी। अलग-अलग मोहल्लों में जाकर खाद्य सामग्री, कपड़ा सहित अन्य सामान एकत्रित किया। हर ग्रामीण कुछ न कुछ मदद अपनी तरफ से कर रहा है। कोई सरसों का तेल दे रहा है तो कोई गेहूं, आटा, चीनी, कपड़े, हलदी सहित अन्य सामान दे रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि पंजाब के कई जिले बाढ़ से पीड़ित है।

उपायुक्त शांतनु शर्मा ने घग्गर के तटबंधों का किया निरीक्षण

एजेंसी

सिरसा। घग्गर नदी के जलस्तर व तटबंधों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से निगरानी कर रहा है। सिंचाई विभाग की 24 टीमें घग्गर नदी की दिन रात निगरानी रखते हुए सतर्कता बरत रही है। जिला प्रशासन के आला अधिकारी भी लगातार घग्गर का निरीक्षण कर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। सरदूलगढ़ के पास 23 हजार 800 क्यूसिक पानी वहीं ओटू डाउन स्ट्रीम में 17 हजार 500 क्यूसिक पानी चल रहा है। इसके अलावा टीमें घग्गर से जुड़ी ड्रैन व चैनल पर भी नजर बनाए हुए हैं। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने घग्गर के तटबंधों गांव मत्तड़, मुसाहिबवाला आदि का निरीक्षण किया। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने इस दौरान तटबंधों को और मजबूत किए जाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने घग्गर में जलस्तर को लेकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि घग्गर के जलस्तर व तटबंधों की सुरक्षा संबंधी 24 घंटे निगरानी रखी जाए और सभी आवश्यक पुख्ता प्रबंध किए जाएं। उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीणों से भी टीमें लगातार

संपर्क बनाए रखें। सिंचाई विभाग के अलावा उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और कहीं कोई कार्य में ढिलाई न बरतें। उन्होंने कहा कि घग्गर नदी के जलस्तर व तटबंधों को लेकर प्रशासन बारीकी से नजर बनाए हुए हैं। सिंचाई विभाग की 24 टीमें भी लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं। मिट्टी के कट्टे भरवा कर आवश्यकता अनुसार तटबंधों को और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

NAME CHANGE
I hitherto known as ANURADHA PANDEY alias ANNU PANDEY W/o SHYAM SUNDER PANDEY R/o 0, Village-Munichhpra, Moon Chhupra, Moonchapra, Ballia, Uttar Pradesh-277209, have changed my name and shall hereafter be known as ANNU PANDEY.

रेवाड़ी को स्वच्छ बनाने में सफाई योद्धा बन नागरिक करें भागीदारीः लक्ष्मण सिंह यादव

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने रेस्ट हाउस सभागार में शहरी निकाय सहित जनस्वास्थ्य व अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर शहरी क्षेत्र के सुधारीकरण व सौंदर्यकरण के लिए उठाए जाने वाले कदमों की विस्तार से समीक्षा की। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से चलाए जा रहे शहरी स्वच्छता अभियान में रेवाड़ी जिला के शहरी क्षेत्र सफाई व्यवस्था में होने वाली रैंकिंग में आने वाले समय में उम्दा प्रदर्शन करेंगे। ऐसे में संबंधित विभाग योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लोगों को सुखद वातावरण प्रदान करने में अपना दायित्व निभाएं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि रेवाड़ी का हर आमजन सफाई योद्धा के रूप में शासन-प्रशासन की ओर से चलाई जा रही म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी मुहिम में उत्साहपूर्वक भागीदार बन रहा है। विधायक ने बैठक में जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीवरेज सिस्टम को दुरूस्त किया जाए और कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न

हो इसके लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित हों। उन्होंने कहा कि सड़कों पर सीवरेज लाइन जहां कहीं भी टूटी हुई हालत में है अथवा लीकेज की समस्या है, तो उसे तत्परता से ठीक किया जाए और किसी भी तरह से लोगों को परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए बैठक में जिला नगर आयुक्त ब्रह्म प्रकाश ने बताया कि शहरी निकाय की ओर से रेवाड़ी, बावल व धारूहेड़ा में प्रभावी रूप से सरकार के दिशा-निर्देशों की अनुपालन की जा रही है। इस मौके पर डीएमसी ब्रह्म प्रकाश, जनस्वास्थ्य विभाग के अधीक्षण अभियंता सतीश राठी, कार्यकारी अभियंता वीपी चौहान, सिविल सर्जन डा नरेंद्र दहिया एवं नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता अंकित वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल, लेकिन महानगरों में स्थिरता

- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं, फिर भी देश के कई शहरों में राहत

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 70 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ रही है, लेकिन इसके विपरीत भारत के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत देखने को मिली है। सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार सुबह पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कीं, जिनमें कई शहरों में कीमतों में कटौती की गई है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल की कीमत में 88 पैसे की बड़ी कटौती हुई है, जिससे यह 105.23 रुपए प्रति लीटर हो गया है। वहीं डीजल की कीमत में भी 83 पैसे की गिरावट आई है और अब यह 91.49 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 94.77 रुपए और डीजल 12 पैसे कम होकर 87.89 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। हालांकि हरियाणा की गुरुग्राम में इसके` विपरीत स्थिति रही, जहां पेट्रोल 29 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए और डीजल 28 पैसे चढ़कर 88.10 रुपए प्रति लीटर हो गया है। देश के चारों प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 68.15 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 64.62 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

फीनिक्स मिल्स के शेयरों में उछाल

- नए मॉल्स की लॉन्चिंग और रणनीतिक अधिग्रहण से कंपनी की दीर्घकालिक ग्रोथ को मिलेगा बल

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी फीनिक्स मिल्स के शेयरों में मंगलवार को बीएसई पर करीब 4 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इस उछाल की वजह बनी ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल द्वारा स्टॉक की रेटिंग को न्यूट्रल से अपग्रेड कर बीयूवाय करना है। इसके साथ ही ब्रोकरेज ने शेयर का टारगेट प्राइस 1,673 से बढ़ाकर 2,044 रुपए कर दिया है, जो वर्तमान भाव से करीब 35 फीसदी का संभावित रिटर्न दर्शाता है। फीनिक्स मिल्स देशभर में रिटेल-बेस्ड मिक्स्ड-यूज़ प्रॉपर्टीज का निर्माण, लीजिंग और प्रबंधन करती है। कंपनी का फोकस मॉल्स और ऑफिस स्पेस पर है, साथ ही यह हॉस्पिटैलिटी, कमर्शियल और रेसिडेंशियल रियल एस्टेट में भी सक्रिय है। इनकम का प्रमुख स्रोत किराया है जो देशभर में फैले इसके प्रॉपर्टीज से आता है। ओसवाल का मानना है कि वित्त वर्ष 2027 के बाद भी कंपनी की ग्रोथ स्थिर बनी रहेगी, खासकर नए मॉल्स की शुरुआत और मौजूदा मॉल्स में कंजम्पशन बढ़ाने के प्रयासों से। हाल ही में फीनिक्स मिल्स ने आइसलैंड स्टार मॉल डेवलपर्स में शेष 49 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण भी पूरा किया है, जिससे इसका हाई-क्वालिटी रिटेल पोर्टफोलियो और सशक्त होगा।

दो इलेक्ट्रिक एसयूवीएस वीएफ 6 और वीएफ 7 जल्द होगी लांच

नईदिल्ली ।

वियतनाम की कंपनी विनफास्ट ने घोषणा की है कि उसकी दो इलेक्ट्रिक एसयूवीएस वीएफ 6 और वीएफ 7 को 6 सितंबर 2025 को लॉन्च किया जाएगा। विनफास्ट ने इस साल ऑटो एक्सपो 2025 में अपने मॉडल्स शोकेस किए थे। इसके बाद कंपनी ने हाल ही में भारत में पहला शोरूम भी खोला। लक्ष्य है कि साल के अंत तक 35 डीलरशिप शुरू की जाएं। ग्राहक इन एसयूवीएस को केवल 21,000 रुपये देकर ऑनलाइन प्री-बुक कर सकते हैं। वीएफ 6 में 59.6 केडब्ल्यूएच और वीएफ 7 में 70.8 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक दिया जाएगा। रेंज और परफॉर्मेंस की पूरी जानकारी अभी कंपनी ने साझा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि यह मौजूदा इलेक्ट्रिक एसयूवीएस को कड़ी टक्कर देंगी।

दोनों एसयूवीएस का असेंबली कार्य विनफास्ट की तमिलनाडु स्थित टूथुकुडी फैक्ट्री में हो रहा है, जिसकी शुरुआती क्षमता 50,000 यूनिट्स प्रति साल है और भविष्य में इसे बढ़ाकर 1.5 लाख यूनिट्स किया जा सकता है। विनफास्ट की एंट्री इस सेगमेंट को और प्रतिस्पर्धी बनाएगी। वीएफ 6 और वीएफ 7 न सिर्फ भारत में कंपनी की शुरुआत हैं, बल्कि ईवी बाजार में ग्राहकों को एक नया विकल्प भी देंगी। भारत में पहले से ही टाटा महिंद्रा, एमजी और बीवायडी जैसी कंपनियां इलेक्ट्रिक एसयूवीएस पेश कर रही हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की रीढ़ साबित होगा ईएल प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली ।

एथर एनर्जी कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित ईएल प्लेटफॉर्म से पर्दा हटा दिया है। इसके बारे में एथर का कहना है कि यह नेक्स्ट-जनरेशन प्लेटफॉर्म उसकी आने वाली इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की रीढ़ साबित होगा। इसके तहत कंपनी फैमिली स्कूटर, मैक्सी-स्कूटर और स्पोर्टी परफॉर्मेंस ईवी लॉन्च करेगी। इस मौके पर एथर ने ईएल 01 कॉन्सेप्ट भी दिखाया, जो भविष्य के फैमिली स्कूटर की झलक पेश करता है। कंपनी का पहला नया स्कूटर अगले साल त्योहारी सीजन में बाजार में आएगा और इसका उत्पादन महाराष्ट्र के संभाजी नगर प्लांट में होगा। ईएल प्लेटफॉर्म को पूरी तरह नए सिरे से डिजाइन किया गया है। इसमें स्केलेबल चेसिस, नया पावरट्रेन और री-इंजीनियर्ड सॉफ्टवेयर स्टैक दिया गया है।

कंपनी का दावा है कि यह प्लेटफॉर्म लंबे सर्विस अंतराल, तेज असेंबली और दोगुनी तेजी से पीरियोडिक मेंटेनेंस की सुविधा देगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसमें एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकिंग सिस्टम और नया चार्ज ड्राइव कंट्रोलर दिया गया है, जिससे पोर्टेबल चार्जर की जरूरत खत्म हो जाएगी। इवेंट में कंपनी ने अपना सबसे बड़ा सॉफ्टवेयर अपडेट अथेरस्टेक 7.0 भी पेश किया। इसमें भारतीय भाषाओं के लिए प्रशिक्षित एआई-बेस्ड वॉइस असिस्टेंट, क्रैश अलर्ट, गड्ढों की चेतावनी और चोरी से सुरक्षा के फीचर्स शामिल हैं। एथर ने अगली पीढ़ी की फास्ट चार्जिंग तकनीक भी लॉन्च की है।

यह तकनीक मात्र 10 मिनट में 30 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम है, यानी चार्जिंग समय लगभग आधा हो गया है। इन नई घोषणाओं से साफ है कि एथर आने वाले वर्षों में भारतीय ईवी बाजार में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रही है। खास बात यह है कि यह सिस्टम पुराने एथर स्कूटर्स के साथ भी कम्पैटिबल रहेगा और इसे ओटीए अपडेट के जरिए दिया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने इनफिनिट क्रूज कंट्रोल सिस्टम पेश किया है, जिसमें सिटीक्रूज, हिल कंट्रोल और क्रॉल कंट्रोल जैसे मोड मिलेंगे।

भारत सेमीकंडक्टर उद्योग में बना स्थिरता और विकास का मॉडलः वैष्णव

नई दिल्ली ।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की तेजी से हो रही प्रगति को वैश्विक परिदृश्य में एक स्थिरता और विकास का प्रकाश स्तंभ बताया।

उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत ने पांच सेमीकंडक्टर इकाइयों के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिनमें से एक इकाई की उत्पादन लाइन पूरी हो चुकी है और कुछ महीनों में दो और इकाइयां उत्पादन शुरू कर देंगी।

वैष्णव ने कहा कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक और नीतिगत अस्थिरता के बीच भारत का स्थिर और पारदर्शी नीति माहौल निवेशकों के लिए विश्वास का कारण बन रहा है। उन्होंने वैश्विक उद्योग जगत से भारत के तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर उद्योग में निवेश करने का आग्रह किया। मंत्री ने यह भी बताया कि देश के 278 विश्वविद्यालयों को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) उपकरणों से लैस किया गया है, जिससे 60,000 से अधिक इंजीनियरिंग छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन में प्रैक्टिकल अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। इसी के साथ, 17 छात्र दलों ने सफलतापूर्वक चिप तैयार कर प्रधानमंत्री मोदी को भेंट की है। वैष्णव ने भारत के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम पर भी जोर दिया, जो सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नवाचार कर वैश्विक बाजारों में अपनी पहचान बना रहा है। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत बढ़ती सेमीकंडक्टर मांग और उद्योग की क्षमता को देखते हुए, वैष्णव ने निवेश के लिए भारत को सबसे उपयुक्त स्थान बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना और निर्यात आठ गुना बढ़ चुका है, जो देश के उद्योग के तेजी से विकास का प्रमाण है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ 88.14 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.14 पर खुला और शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 88.16 प्रति डॉलर के स्तर पर आ गया। यह सोमवार के बंद स्तर 88.10 की तुलना में और नीचे है, जो कि अब तक का सर्वाधिक निचला स्तर था। रुपये की इस कमजोरी की प्रमुख वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली और डॉलर की वैश्विक मांग में बढ़ोतरी है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने सोमवार को 1,429.71 करोड़ रुपये के शेयर शुद्ध रूप से बेचे। वहीं, डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी बढ़कर 97.84 पर पहुंच गया, जिससे डॉलर की मजबूती और स्पष्ट हो गई।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने भुज में 25 मेगावाट सौर परियोजना शुरू की

नई दिल्ली । एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के भुज में 25 मेगावाट की नई सौर ऊर्जा परियोजना शुरू करने की घोषणा की है। यह परियोजना अयाना रिन्यूएबल पावर फोर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित 150 मेगावाट की बड़ी सौर परियोजना का हिस्सा है। अयाना रिन्यूएबल पावर प्राइवेट लिमिटेड की यह परियोजना ओएनजीसी एनटीपीसी ग्रीन प्राइवेट के साथ एक संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) के तहत चल रही है। इस नई परियोजना का कमर्शियल ऑपरेशन 3 सितंबर, 2025 से शुरू हो गया है। इस पहल के बाद एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता अब 83,366 मेगावाट हो गई है। वहीं एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की कुल कमर्शियल क्षमता 7,272.575 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो पहले 7,247.575 मेगावाट थी। यह वृद्धि देश में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एनटीपीसी की भूमिका को और मजबूत करती है। एनटीपीसीने इस जानकारी को सेबी के लिस्टिंग ऑब्लिगेशंस एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स, 2015 के तहत रेगुलेशन 30 के अनुसार सार्वजनिक किया है।

अकाउंट एग्रीगेटर से वित्तीय समावेशन और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने बताया कि अकाउंट एग्रीगेटर (एए) प्रणाली ने भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा व्यक्तिगत ऋण की पहुंच को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे 2 सितंबर 2021 को आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया था, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक ने 2016 में इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। यह एक डिजिटल फ्रेमवर्क है जो वित्तीय डेटा को सुरक्षित और सहमति-आधारित तरीके से साझा करने की सुविधा प्रदान करता है। इससे बैंकिंग, बीमा, पेंशन और प्रतिभूति जैसे क्षेत्रों में डेटा साझा करना सरल और सुरक्षित हो गया है। इस पहल से भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) मजबूत हुआ है। आज तक 112 संस्थान वित्तीय सूचना प्रदाता (एफआईपी) और वित्तीय सूचना उपयोगकर्ता (एफआईयू) दोनों के रूप में सक्रिय हैं, जबकि 56 संस्थान केवल एफआईपी और 410 केवल एफआईयू के रूप में काम कर रहे हैं। अकाउंट एग्रीगेटर के माध्यम से अब 2.2 अरब से अधिक वित्तीय खाते जुड़े हुए हैं, जिनमें से 11.23 करोड़ उपयोगकर्ता अपने खातों को लिंक कर चुके हैं। 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान एए को एक महत्वपूर्ण डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में मान्यता मिली। जुलाई 2024 में जारी जी-20 कार्यबल की रिपोर्ट में भी इसके महत्व को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। यह प्रणाली 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में एक अहम भूमिका निभाएगी।

सेबी शेयर सूचकांक वायदा-विकल्प कारोबार में नए निगरानी ढांचे लागू करेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर सूचकांक वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) में कारोबार की निगरानी के लिए एक नया सख्त नियामक ढांचा लागू करने का निर्णय लिया है। यह कदम बड़े जोखिमों और संभावित हेरफेर को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। नया ढांचा 1 अक्टूबर से लागू होगा। सेबी ने सूचकांक वायदा-विकल्प में प्रति इकाई शुद्ध सीमा 5,000 करोड़ रुपये निर्धारित की है, जबकि दिन के अंत में यह सीमा 1,500 करोड़ रुपये होगी। कारोबार के दौरान सकल सीमा 10,000 करोड़ रुपये तक सीमित रहेगी, जो मौजूदा दिन के अंत की सीमा के समान है। यह सीमा खरीद और बिक्री दोनों पक्षों पर अलग-अलग लागू होगी। सेबी ने कहा है कि कम से कम 400 सौदों की निगरानी की जाएगी, खासकर दोपहर पौने तीन से साढ़े तीन बजे के बीच, जब बाजार में गतिविधि अधिक होती है। इससे असामान्य खरीद-बिक्री गतिविधि पर नजर रखी जाएगी और जोखिम कम किया जाएगा। यह नया निगरानी ढांचा अमेरिकी कंपनी जेन स्ट्रीट को भारतीय बाजार से अस्थायी प्रतिबंधित करने के बाद आया है। जेन स्ट्रीट पर सूचकांक में हेरफेर और नकदी व वायदा बाजारों में एक साथ दांव लगाकर मुनाफा कमाने का आरोप था। सेबी ने चेतावनी दी है कि सीमा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जांच की जाएगी और बाजार द्वारा जुर्माना या अतिरिक्त निगरानी जमा राशि लगाई जाएगी। यह उपाय बाजार में पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 206, निफ्टी 45.45 अंक नीचे आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने से बाजार में ये गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 206.61 अंक करीब 0.26 फीसदी टूटकर 80,157.88 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 45.45 अंक नीचे आकर 24,579.60 पर रहा। आज लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 151.90 अंक बढ़कर 56,977.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 93.20 अंक नीचे आकर 17,591.30 पर था। वहीं सेक्टोरल आधार पर देखें तो ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा और प्राइवेट बैंक इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए जबकि एफएमसीजी, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, मीडिया, एनर्जी और इन्फ्रा इंडेक्स के शेयरों में तेजी रही।

सेंसेक्स पैक में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील, एचयूएल, बीईएल, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, इटरनल और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में थे। एमएंडएम, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक टॉप के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इथेनॉल मानदंडों में मिली राहत के कारण चीनी शेयरों में तेजी आई, जबकि अमेरिका की नरम रुख वाली टिप्पणियों के बाद निर्यात केंद्रीत कंपनियों के शेयरों में तेजी आई हालांकि, निवेशकों अपनी ओर से सतर्कता बरत रहे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजारों की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 150 अंकों की बढ़त के साथ 80,520.09 पर खुला, जबकि निफ्टी50 ने 24,653 के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। सुबह सेंसेक्स 231.59 अंक चढ़कर 80,596.08 पर और निफ्टी 76.75 अंक बढ़कर 24,701 पर कारोबार करता देखा गया। एशियाई बाजारों में आज सकारात्मक माहौल देखा गया। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.31 फीसदी, कोरिया का कोस्पी 0.45 फीसदी और टॉपिक्स इंडेक्स 0.28 फीसदी बढ़ा।

जीएसटी काउंसिल में बदलाव के संकेतः 4 से घटाकर 2 स्लैब पर होगी चर्चा

नई दिल्ली ।

जीएसटी काउंसिल की फिटमेंट कमेटी होने वाली बैठक में मौजूदा चार टैक्स स्लैब को घटाकर दो स्लैब करने पर विचार किया जाएगा। केंद्र सरकार की योजना के मुताबिक, 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा। 12 फीसदी स्लैब के ज्यादातर उत्पादों को 5 फीसदी और कुछ को 18 फीसदी स्लैब में शामिल किया जाएगा। वहीं 28 फीसदी स्लैब के सामान को 18 फीसदी में लाया जाएगा, जबकि लग्जरी और 'सिन गुड्स' पर टैक्स बढ़ाकर 40 फीसदी किया जाएगा। अब तक 1,000 रुपये तक के कपड़े और जूते पर 5 फीसदी और अधिक कीमत वाले पर 12 फीसदी जीएसटी लगता था। प्रस्तावित बदलाव के बाद, 2,500 रुपये तक के कपड़े और फुटवियर पर 5 फीसदी और इससे ऊपर कीमत वाले पर 18 फीसदी टैक्स लगेगा। इससे उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए नए नियम लागू होंगे। आईसीएआई के एक पूर्व अधिकारी ने इस प्रस्ताव पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि एक ही उत्पाद पर अलग-अलग कीमतों के आधार पर जीएसटी दर लगाना पारदर्शिता और सरलता के विपरीत होगा। इससे टैक्स चोरी और विवाद बढ़ सकते हैं।

15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी 2.0 को दिवाली से पहले लागू करने की घोषणा की थी। मंत्रियों के समूह ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब जीएसटी काउंसिल की 3-4 सितंबर की बैठक में अंतिम फैसला होगा। सरकार सितंबर के अंत तक नया जीएसटी ढांचा लागू करने की योजना बना रही है।

अगस्त में जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 1.86 लाख करोड़ हुआ

- जुलाई की तुलना में मामूली गिरावट, अप्रैल में हुआ था अब तक का सबसे अधिक संग्रह

नई दिल्ली । अगस्त 2025 में देश का कुल जीएसटी कलेक्शन 1.86 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष अगस्त 2024 के मुकाबले 6.5 फीसदी अधिक है। यह वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिर मजबूती को दर्शाती है। हालांकि, जुलाई 2025 में संग्रह ₹1.96 लाख करोड़ रुपए था, जो त्योहारों और आर्थिक गतिविधियों के कारण अधिक रहा। अगस्त में कलेक्शन सामान्य स्तर पर लौट आया है। इस वर्ष अप्रैल में जीएसटी वसूली अब तक के रिकॉर्ड स्तर 2.37 लाख करोड़ पर पहुंची थी। इसके अलावा अगस्त 2025 में ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू 1.36 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 6.6 फीसदी की वार्षिक वृद्धि है। वहीं इम्पोर्ट टैक्स में 1.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो 49,354 करोड़ रुपए रहा।

स्वान डिफेंस और भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय ने शुरू किया उत्कृष्टता केंद्र

छात्रों और युवाओं को करियर बनाने के लिए मजबूत आधार मिलेगा

मुंबई । स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) ने भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू) के साथ मिलकर जहाज निर्माण और नौसेना वास्तुकला में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य भारत के बढ़ते जहाज निर्माण और भारी विनिर्माण क्षेत्रों में प्रशिक्षित पेशेवरों की अगली पीढ़ी तैयार करना है। इस साझेदारी के तहत एसडीएचआई और आईएमयू अपने परिसरों में प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। उत्कृष्टता केंद्र जहाज निर्माण से जुड़े तकनीकी कौशल और नौसेना वास्तुकला में विशेषज्ञता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इससे छात्रों और युवाओं को इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए मजबूत आधार मिलेगा। स्वान डिफेंस ने बताया कि यह साझेदारी भारत के आत्मनिर्भर बनने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत स्थिति हासिल करने के प्रयासों का हिस्सा है। दोनों संस्थान शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाताओं और सरकारी विभागों के साथ मिलकर कौशल विकास की दिशा में और पहल करेंगे।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

हरदीप एस. पुरी

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है: सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रकिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक 'मृत अर्थव्यवस्था' कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच - तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है: सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशः अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है – सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह 'मृत अर्थव्यवस्था' की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा, क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि हम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रही है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो) क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं, बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गई है और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुल हुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेजुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यह जी7/ईयू मूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैं और भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान (शिपिंग) एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं। हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक 'लौंड्रोमैट' बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं। निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं। मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है।

संपादकीय

संभावनाओं भरी मुलाकात

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर तियानजिन में हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात से भारत में उत्साह का माहौल है। यह मुलाकात द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों पर ही अधिक केंद्रित रही। पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध के बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में इतना तनाव आ गया था कि मोदी और शी की मुलाकात से ही उम्मीदें जगने लगती है। मोदी 2020 में हुए इस विवाद के बाद पहली बार चीन पहुंचे हैं। हालांकि दोनों नेता पिछले साल रूस के कजान में भी मिले थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के छेड़े टैरिफ 'युद्ध' से मची उथल-पुथल के बीच बेहद सावधानी से हुए संवाद में दोनों नेताओं ने खूब अच्छी अच्छी बातें कहीं। मोदी ने कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान एवं संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि सीमा प्रबंधन पर भी एक समझौते पर पहुंच गए हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हो गई है। दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी फिर से शुरू हो रही हैं। विश्व अर्थव्यवस्था में मौजूदा अस्थिरता को देखते हुए, दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन का विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए मिलकर काम करना महत्त्वपूर्ण है। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी शिनफिंग ने एक कदम आगे बढ़कर कहा कि दोनों देशों का 'मित्र' बनना सही विकल्प है तथा 'हाथी (भारत) एवं ड्रैगन (चीन)' को एक-दूसरे की सफलता का मिलकर जश्न मनाना चाहिए। चीन और भारत एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं बल्कि विकास के अवसर हैं। दुनिया इस समय ऐसे बदलावों से गुजर रही है जो सदी में एक बार होते हैं। मोदी और शी की मुलाकात पर सवाल भी उठे हैं। कांग्रेस का कहना है कि सेना प्रमुख ने लद्दाख में सीमा पर यथास्थिति की पूर्ण बहाली की मांग की थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। और मोदी सरकार चीन के साथ सुलह की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इससे उस क्षेत्र में चीन की आक्रामकता को अप्रत्यक्ष रूप से वैधता मिल गई है। लगता है इसी साल 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के साथ चीन की जुगलबंदी को क्या हमने भुला दिया है। कुल मिलाकर जहां यह माना जा रहा था कि यह मुलाकात ट्रंप को करारा जवाब देने का मार्ग प्रशस्त करेगी तो इस बारे में साफ-साफ कोई रणनीति नहीं बनी है। कारण यह कि भारत रूस-चीन को साधना चाहता है तो अमेरिका को भी।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता।

मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

मंदारगिरी पर्वत व महावीर का शांति संदेश का स्वर्णिम अवसर

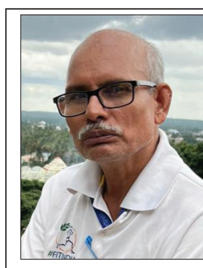

विनोद कुमार सिंह

धन्य -धन्य है वह धरा,जहाँ अनगिनत संत-महापुरुष,ऋषि-मुनि और स्वयं भगवान के अवतार राम, कृष्ण,कबीर,तुलसी,नानक,बुद्ध और महावीर अवतरित होकर संपूर्ण सृष्टि और मानवता के कल्याण हेतु अमूल्य संदेश देते आए हैं।आज इसी कारण भारत को विविधता में एकता का प्रतीक माना जाता है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम,सिख,ईसाई आदि सभी धर्मों के लोग भाईचारे के साथ शताब्दियों से एक साथ रहते आए हैं।इन्हीं संत परंपराओं में हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति,मैत्री और मानवता का उपदेश दिया।उन्होंने 'अहिंसा परमो धर्मः' का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है।विगत दिनों मुझे रेलवे बोर्ड के दिलीप कुमार,ई.आई.डी.पी. के कुशल नेतृत्व में नेशनल मीडिया टीम के सदस्य के रूप में तीन दिवसीय यात्रा पर आईटी नगर,बेंगलुरु जाने का स्वर्णिम अवसर मिला।संयोग से यह यात्रा सावन पूर्णिमा,रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आरंभ हुई।बारिश के बीच हम दिल्ली एयरपोर्ट पहुँचे और हवाई मार्ग से बेंगलुरु पहुँचे तो शाम हो चुकी थी।वहाँ रेलवे के स्थानीय पीआर टीम ने हमारा हार्दिक स्वागत किया और कारों के काफिले में हमें गंतव्य तक पहुँचाया।रास्ते में हमने दक्षिण भारतीय व्यंजनों और स्पेशल कॉफी का आनंद लिया।अगले दिन के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए जल्दी विश्राम किया।अगली सुबह प्रधानमंत्री द्वारा तीन वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन का मीडिया कवरेज किया।थकान के बावजूद हमारे टीम कुशल व कुशाग्र कप्तान दिलीप सर ने मुस्कुराते हुए कहा - 'आप सभी अभी से थक गए? अभी तो हमें दर्शनीय स्थलों का आनंद लेना है।' हम सभी तैयार हो गए और कारवाँ एक रमणीय स्थल की ओर बढ़ा।

रास्ते में हमने सुंदर मंदिरों, प्राचीन शिल्पकृतियों और जीवंत कला कतियों की आकृति को पत्थरों में देखा।वहाँ से हम मंदारगिरी पर्वत की ओर बढ़े।रास्ते में मैंने दिलीप सर से पूछा- 'हमारे ऋषि-मुनि,संत और देवी-देवता हमेशा कठिन पर्वतों और कंदराओं को अपनी तपोस्थली क्यों बनाते थे? 'सर मुस्कुराए और बोले – 'ताकि हम जैसे लोग उनकी साधना में व्यवधान न डालें।जब हम कठिनाई सहकर ऐसे स्थानों तक पहुँचते हैं,तभी हम उनके आशीर्वाद और दिव्यता का सही अनुभव कर पाते हैं।'

मंदारगिरी पर्वत पर पहुँचकर हमने पिंची आकार के 81 फुट ऊँचे गुरु मंदिर का दर्शन किया।यह मंदिर दिगंबर जैन तपस्वी श्री शांतिसागर जी महाराज को समर्पित है।पास ही चंद्रनाथ तीर्थंकर की भव्य प्रतिमा है, जो बाहुबली जैसी प्रतीत होती है।

वहाँ हमने एक अद्भुत दृश्य देखा – गाय और शेरनी एक घाट पर जल पी रहे थे,गाय का दूध शेरनी का शावक पी रहा था वही शेरनी का दूध गाय का बछड़ा।यह दृश्य भगवान महावीर के अहिंसाऔर सह-अस्तित्व के संदेश का जीवंत प्रमाण प्रतीत हो रहा था।पर्वत की चोटी तक पहुँचने के लिए लगभग 460 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। शिखर पर चार प्राचीन जैन मंदिर हैं,जिनमें से दो चंद्रनाथ और दो पार्श्वनाथ को समर्पित हैं।वहाँ की स्वच्छता,शांति और सुंदरता मन को मोह लेने वाली है।मंदिर परिसर के पीछे एक सुरम्य झील है,जो इस स्थल की आध्यात्मिकता को और भी गहरा कर देती है।हल्की फुहारें,पहाड़ी की मनोहारी, हरियाली और वातावरण में व्याप्त शांति-यह सब मिलकर ऐसा अनुभव कराते हैं मानो भगवान महावीर का आशीर्वाद हमें प्राप्त हो रहा हो।यात्रा के अंत में हमने स्थानीय रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और वापस बेंगलुरु लौट आए।हमारे लिए यह यात्रा केवल एक आध्यात्मिक अनुभव नहीं,बल्कि जीवन के मूल्यों,शांति, सह-अस्तित्व और परिश्रम के महत्व की गहरी सीख भी दे गई।

डॉक्टरों के पर्चे : लिखावट पर अदालत की फटकार

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा-पंजाब बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा।

अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है।

भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है।

ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े-लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन-सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है।

यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वतः ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई-प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई-प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है।

हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ-सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरूआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या स्वतः ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है। जिला स्तर पर सिविल सर्जन की निगरानी में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए और स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि डॉक्टर पर्चे पढ़ने योग्य लिख रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि प्रिस्क्रिप्शन की स्पष्टता स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी सुधार लाती है। पश्चिमी देशों में डॉक्टरों द्वारा हाथ से लिखे पर्चे अब लगभग अतीत की बात हो चुके हैं। अमेरिका, यूरोप और जापान में ज्यादातर अस्पतालों और क्लिनिकों में ई-प्रिस्क्रिप्शन ही मानक बन चुका है। भारत में भी ह्यडिजिटल इंडिया मिशनह्ल और ह्यआयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशनह्ल के तहत इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाईकोर्ट का आदेश इन पहल को और गति देगा। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और इंटरनेट की कमी से डिजिटल व्यवस्था लागू करना कठिन होगा। छोटे क्लिनिकों के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर की लागत बड़ी बाधा है। डॉक्टरों पर पहले से ही प्रशासनिक बोझ है, ऐसे में अतिरिक्त प्रशिक्षण और औपचारिकताएं असुविधा पैदा कर सकती हैं। यह भी सही है कि मरीजों की भाषा और समझ अलग-अलग होती है। अतः केवल अंग्रेजी या कैपिटल लेटर्स काफी नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय भाषा में भी स्पष्टता जरूरी है। डॉक्टरों की लिखावट अब केवल मजाक या व्यंग्य का विषय नहीं रह गई, बल्कि यह सीधे-सीधे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है।

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर सड़क हादसे में घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के पूर्व मेयर रूडी गिउलिआनी न्यू हैम्पशायर में एक कार दुर्घटना में घायल हो गए हैं। उनके प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि इस हादसे में गिउलिआनी की रीढ़की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है और उन्हें अन्य चोटें भी आई हैं। न्यू हैम्पशायर पुलिस ने एक बयान में बताया कि गिउलिआनी एक किराए की फोर्ड ब्रॉन्को कार में सवार थे, जिसे उनके प्रवक्ता टेड गुडमैन चला रहे थे। शनिवार देर रात उनकी गाड़ी को पीछे से एक होंडा एचआर-वी ने टक्कर मार दी। यह कार 19 साल की एक महिला चला रही थी। पुलिस अधिकारियों ने खुद इस हादसे को होते हुए देखा। टक्कर के बाद दोनों वाहन राजमार्ग के बीच बने डिवाइडर से टकराए और काफी क्षतिग्रस्त हो गए। गुडमैन और कार चलाने वाली युवती को हल्की चोटें आई हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

अल्बनीज ने भारतीयों के खिलाफ अभियान किया खारिज

कैनेबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के बढ़ते प्रवास के खिलाफ देश के विभिन्न शहरों में चलाए जा रहे अभियानों की सरकार ने निंदा करते हुए उन्हें अस्वीकार कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने कहा कि इस नस्लवाद व जाति आधारित अति-दक्षिणपंथी सक्रियता के लिए देश में कोई जगह नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की सरकार सप्ताहांत के लिए नियोजित इन रैलियों के खिलाफ है। सभी ऑस्ट्रेलियाई लोगों को, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, हमारे समुदाय में सुरक्षित व स्वागतयोग्य महसूस करने का अधिकार है।

हमास ने सिनवार के मारे जाने की पुष्टि की, हद्दाद संभालेगा कमान

गाजा, एजेंसी। फलस्तीनी समूह हमास ने तीन महीने बाद शनिवार को अपने सैन्य प्रमुख मोहम्मद सिनवार के मारे जाने की पुष्टि की है। इस्राइली सेना ने मई में ही मोहम्मद सिनवार को मार गिराने का दावा किया था। मोहम्मद सिनवार की मौत की पुष्टि के बाद अब उसका करीबी सहयोगी इज अल-दिन हद्दाद संगठन की कमान संभालेगा। हद्दा अब तक उत्तरी गाजा में हमास का अभियान संभाल रहा था। हमास ने सिनवार की तस्वीर समूह के अन्य नेताओं के साथ प्रकाशित की है और सभी को शहीद बताया है। मोहम्मद सिनवार इस्लामिक समूह के प्रमुख याह्या सिनवार का छोटा भाई था। इस्राइल याह्या सिनवार को सात अक्तूबर, 2023 के हमले का मास्टरमाइंड मानता है। याह्या पिछले साल एक लड़ाई में मारा गया था। भाई की मौत के बाद मोहम्मद सिनवार समूह के शीर्ष पद पर पहुंचा था।

रूसी वाणिज्य दूतावास के गेट से टकराया वाहन, व्यक्ति गिरफ्तार

टोक्यो, एजेंसी। रूस के वाणिज्य दूतावास के गेट पर वाहन से टक्कर मारने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह आठ बजे पूर्वी उपनगर वूलाहरा में वाणिज्य दूतावास की पार्किंग पर एक बिना अनुमति वाला वाहन खड़ा होने की सूचना मिली। पुलिस ने चालक से बात करने की कोशिश की लेकिन, उसने टोयोटा क्लूगर वाहन से गेट पर टक्कर मार दी। इस घटना में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए और उनका उपचार किया गया। एसयूवी दूतावास में राष्ट्रीय ध्वज लगाने के खंभे पर रुकी। आरोपी व्यक्ति (39 वर्षीय) को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ किन धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है, पुलिस ने इसकी जानकारी नहीं दी है। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में स्थित रूसी दूतावास ने टिप्पणी के लिए अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

अफगानिस्तान में भूकंप से भारी तबाही, मृतकों की तादाद बढ़कर हुई 250 के पार, 500 से ज्यादा घायल

काबुल, एजेंसी। पड़ोसी देश अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में रविवार की देर रात आए भूकंप में कम से कम 250 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अफगानिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर ने सोमवार को यह जानकारी दी है। मीडिया के अनुसार प्रांतीय आपदा प्राधिकरण ने मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या प्रारंभिक है, बचाव दल सीमित संचार व्यवस्था के साथ दूरदराज के इलाकों में पहुँच रहे हैं।

आधिकारिक मीडिया ने बताया कि नुकसान का पूरा आंकलन करने और प्रभावित समुदायों को सहायता प्रदान करने के प्रयास जारी हैं। अफ़ग़ानिस्तान राष्ट्रीय रेडियो और टीवी ने पहले पूर्वी नंगरहार प्रांत में नौ लोगों की मौत और 20 लोगों के घायल होने की सूचना दी थी। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.0 मापी गई, जो शक्तिशाली श्रेणी में आता है। भूकंप इतना तीव्र था कि इसके झटके पूरे पाकिस्तान और दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किए गए। झटके महसूस होते ही लोग अपने-अपने घरों से बाहर आ गए। एनसीआर वासियों ने बताया कि देर रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इमारतें हिल गईं, और लोग बाहर भाग निकले।

भूकंप का केंद्र कहां था?

यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के जलालाबाद से 27 किसोमीटर पूर्व-उत्तर पूर्व में 8 किलोमीटर की गहराई में था। भारतीय समयानुसार भूकंप के झटके रात 12.47 बजे महसूस किए गए। इसके करीब 20 मिनट बाद भूकंप का एक और झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 4.5 मापी गई। इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था।

हिमालय के नीचे टकरा रहीं दो प्लेटें

बता दें कि हाल के वर्षों में अफ़ग़ानिस्तान और उसके पड़ोसी हिमालयी क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधियों में चिंताजनक बढ़ोत्तरी देखी गई है। यह ताजा झटका इस क्षेत्र के अंदर हो रहे भूवैज्ञानिक हलचल की एक और याद दिलाता है। वैज्ञानिक इन लगातार झटकों को भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के धीमे लेकिन लगातार टकराव से जोड़ते रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, हिमालय के नीचे धरती के अंदर दो प्लेटें, जिसने लाखों वर्षों पहले हिमालय को आकार दिया है, वे आज भी इस भूभाग को अस्थिर कर रहे हैं।

2023 में 4 हजार लोग मारे गए थे

इससे पहले अफगानिस्तान में 7 अक्टूबर 2023 को विनाशकारी भूकंप आया था। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में 4 हजार मौतों का दावा किया था, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 1500 मौतों की पुष्टि की थी। वहीं 2022 में पूर्वी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें लगभग 1,000 लोग मारे गए थे और हजारों लोग घायल हुए थे। अफगानिस्तान में ताकतवर भूकंपों का इतिहास रहा है। भूकंप के लिहाज से हिंदूकुश पर्वतमाला एक्टिव माना जाती है, जहां हर साल भूकंप आते हैं। अफगानिस्तान, भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स के बीच में स्थित है। ये फॉल्ट लाइन अफगानिस्तान के हेरात तक जाती है। प्लेट्स में हलचल होने पर भूकंप आता है।

भूकंप क्यों आता है?

हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

इंडोनेशिया में सांसदों की सैलरी बढ़ने पर प्रदर्शन, संसद जलाई

डिलीवरी बॉय की मौत से और बिगड़े हालात, राष्ट्रपति प्रबोवो का चीन दौरा रद्द

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता समेत देश के कई हिस्सों में सांसदों की तनख्वाह बढ़ाने के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार रात मकासर शहर की क्षेत्रीय संसद में आग लगा दी। हाल ही में इंडोनेशियाई पुलिस के वाहन ने मोटरसाइकिल से जा रहे डिलीवरी बॉय को कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद हालात और ज्यादा बिगड़ गए। उग्र प्रदर्शनों को देखते हुए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने शनिवार को अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी। उन्हें 3 सितंबर को चीन में विक्ट्री डे समारोह में जाना था, जो सेकेंड वर्ल्ड वॉर खत्म होने की 80वीं सालगिरह पर आयोजित होता है।

प्रबोवो के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति देश की हालात पर खुद नजर रखना चाहते हैं और इन हालातों को बेहतर तरीके से मैनेज करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने चीन सरकार से माफी मांगी कि वे उनके बुलावे पर नहीं जा पाएंगे।

ड्राइवर की मौत के मामले में 7 लोग हिरासत में : इन हिंसक विरोध-प्रदर्शन में अब तक 3 लोगों की मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए। लोगों ने सरकारी अधिकारियों और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के खिलाफ प्रदर्शन तेज कर दिया है। ड्राइवर की मौत के मामले में 7 अधिकारियों को हिरासत में लिया गया है। इन प्रदर्शनों में 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने मामले की जांच के आदेश दिए और मृत ड्राइवर के परिवार से मुलाकात की।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग... आर्थिक मदद- लोग चाहते हैं कि सरकार आउटसोर्सिंग बंद करे, सैलरी बढ़ाए, नौकरियों में कटौती रोके और टैक्स नियमों में सुधार करे। इंडोनेशिया में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, जिससे आम लोगों का जीवन मुश्किल हो गया है।

सांसदों का भत्ता- सांसदों के लिए 3,057 डॉलर (2.69 लाख रुपए) का मासिक भत्ता तय किया गया था। यह जकार्ता के न्यूनतम वेतन से 10 गुना ज्यादा है। इससे लोगों का गुस्सा भड़क गया।

पुलिस पर कार्रवाई- डिलीवरी बॉय की मौत के बाद लोग में पुलिस के खिलाफ गुस्सा है। वे पुलिस डिपार्टमेंट के हेड को हटाने और पुलिस में सुधार की मांग कर रहे हैं।

पुलिस पर मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप : इंडोनेशिया की कानूनी सहायता संस्था (वाईएलबीएचआई) ने पुलिस की कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। वाईएलबीएचआई के मुताबिक, जकार्ता में 600 से ज्यादा छात्रों को हिरासत में लिया गया, जिनमें से कई को बिना किसी आरोप के थानों में रखा गया। संगठन ने पुलिस पर क्रूरता और मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया है। कुछ प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस ने न सिर्फ रबर की गोलियां चलाईं, बल्कि कुछ जगह गोला-बारूद का भी इस्तेमाल किया।

'अपने जीवन में इससे अच्छा कभी महसूस नहीं किया' सेहत को लेकर जारी अटकलों के बीच ट्रंप का पोस्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गिरती सेहत को लेकर इन दिनों खूब चर्चा है। सोशल मीडिया पर तो ट्रंप की स्वास्थ्य को लेकर काफी कुछ लिखा जा रहा है। इस बीच ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि अपने जीवन में कभी इससे बेहतर महसूस नहीं किया।

ट्रंप को लेकर सोशल मीडिया पर चला ट्रेंड- ट्रंप इज डेड

दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप की कुछ तस्वीरें सामने आई, जिनमें ट्रंप के हाथ पर कुछ निशान दिखाई दे रहे थे, जो चोट जैसे लग रहे थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया। बात इतनी बढ़ी कि सोशल मीडिया पर ट्रंप इज डेड ट्रेंड करने लगा। हालांकि अफवाहों के बाद व्हाइट हाउस को बयान जारी करना पड़ा और उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति नसों से संबंधित एक बीमारी से पीड़ित हैं और हाथों पर दिखाई दिए निशान भी उसी से संबंधित थे।

जेडी वेंस के बयान के बाद बढ़ गई थी कयासबाजी : यह भी दिलचस्प है कि दो दिन पहले एक साक्षात्कार में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक बयान में यह कह कर सनसनी मचा दी थी कि किसी भयावह त्रासदी या आपात स्थिति में वे खुद राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं। हालांकि, वेंस ने इस बात को भी स्पष्ट किया था कि राष्ट्रपति ट्रंप की सेहत को लेकर अटकलें बेबुनियाद हैं और उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा है।

ट्रंप ने अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर दी ये प्रतिक्रिया

ट्रंप की सेहत को लेकर चल रही अफवाहों के बीच ट्रंप समर्थक डीसी ड्रेनो ने एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि %जो बाइडन कई-कई दिन सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखते थे, लेकिन मीडिया कहता था कि वे तेज और अपने खेल में माहिर हैं। जबकि वे डायपर पहने और झपकी लेते रहते थे। राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी इतिहास में किसी भी अन्य राष्ट्रपति की तुलना में सार्वजनिक कार्यों में अधिक समय बिताते हैं और अगर वे 24 घंटे के लिए गायब हो जाते हैं तो मीडिया भड़क उठता है। यह हास्यास्पद और दोहरा मापदंड है।% इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने लिखा कि %मैंने कभी भी अपने जीवन में इससे बेहतर महसूस नहीं किया।%

नेपाल में किडनी रैकेट का भंडाफोड़

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने किडनी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सरगना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। नेपाल पुलिस के मानव तस्करी निरोधक ब्यूरो ने बताया कि गिरोह के सरगना 38 वर्षीय श्याम कृष्ण भंडारी और उसके साथी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि तीन अन्य को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। गिरफ्तार किए गए सभी लोग नेपाली हैं। भंडारी पिछले पांच साल से किडनी रैकेट में शामिल था। उसने नेपाल के विभिन्न ग्रामीण इलाकों से लगभग 100 नेपाली नागरिकों को दिल्ली भेजा था, जहां उनकी किडनी निकालकर कुछ निजी क्लीनिकों में प्रत्यारोपित की गई थी। पुलिस ने भंडारी और उसके साथी सुजान भारती को बीरगंज में नेपाल-भारत सीमा से गिरफ्तार किया। इस समूह ने नेपाली नागरिकों को किडनी के बदले 6 लाख नेपाली रुपये देने का वादा किया था। हालांकि, उन्हें उनसे केवल 40,000 नेपाली रुपये ही मिले। भंडारी दिल्ली में अपने अवैध किडनी रैकेट को चलाने के लिए भारतीय आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रहा था।

चीन दौरे से पहले किम जोंग उन ने नए मिसाइल कारखाने का निरीक्षण किया

माना जाता है कि किम जोंग उन ने यूक्रेन पर हमले में पुतिन को काफी सैन्य समर्थन दिया है

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक नए हथियार कारखाने का निरीक्षण किया। मिसाइलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की योजना के लिए यह कारखाना बेहद महत्वपूर्ण है। यह निरीक्षण उन्होंने चीन रवाना होने से पहले सप्ताहांत में किया। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने यह नहीं बताया कि यह कारखाना कहां है, लेकिन माना जा रहा है कि यह चीन से सटे जगांग प्रांत में स्थित हो सकता है, जो देश के हथियार उद्योग का मुख्य केंद्र है।

पिछले हफ्ते चीन और उत्तर कोरिया दोनों ने पुष्टि की थी कि किम जोंग उन छह साल बाद पहली बार चीन यात्रा पर जाएंगे। वह बीजिंग में होने वाले सैन्य परेड में भाग लेंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के अंत और जापानी आक्रमण के खिलाफ चीन की लड़ाई की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित हो रही है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से इस समारोह में कुल 26 विदेशी नेताओं को आमंत्रित किया गया है, जिनमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हैं। माना जाता है कि किम जोंग उन ने यूक्रेन पर हमले में पुतिन को काफी सैन्य समर्थन दिया है। इस कार्यक्रम को अमेरिका के खिलाफ चीन, रूस और उत्तर कोरिया के एकजुट मोर्चे के रूप में देखा जा रहा है, खासकर जब अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सुरक्षा साझेदारी मजबूत कर रहा है। दक्षिण कोरियाई मीडिया का कहना है कि किम सोमवार को ट्रेन से चीन के लिए रवाना हो सकते हैं, क्योंकि चीन की सीमा पर स्थित दांडोंग शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, रेल सेवाएं रोकी गई हैं और होटलों ने विदेशी मेहमानों को ठहराना बंद कर दिया है।

सिंगापुर : पीएम वोंग ने 300 लोगों को सौंपे नागरिका प्रमाणपत्र

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने नए नागरिकों से कहा कि वे देश की जनता के साथ मिलकर समाज के कामों में हिस्सा लें और देश की भलाई में मदद करें। प्रधानमंत्री वोंग ने कहा कि नए नागरिक अपने पड़ोसियों को जानकर और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों से जुड़कर भी समाज में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने यह बात रविवार को आयोजित राष्ट्रीय नागरिकता समारोह के दौरान कही।

इस समारोह में 300 नए नागरिकों को नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपे गए और उन्होंने सिंगापुर गणराज्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। साथ ही, उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे सिंगापुर के बाकि नागरिकों के साथ मिलकर साझा भविष्य का निर्माण करेंगे। स्थानीय जन्म दर एक प्रतिशत से भी कम होने के कारण सिंगापुर में श्रमिकों की कमी है। इसी वजह से वह हर साल करीब 22,000 नए नागरिकों को अपनाता है।

यूक्रेनी सांसद एंड्री पारुबी की गोली मारकर हत्या, जेलेंस्की बोले- यह एक सोची-समझी साजिश

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के सांसद और संसद के पूर्व प्रमुख एंड्री पारुबी की ल्विव शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे सुनियोजित हमला बताया है। हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और फरार अपराधी की तलाश जारी है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हत्या को भयावह अपराध बताया। इसके बाद शोक जताते हुए उन्होंने इसे पूर्व नियोजित हत्या बताया। जेलेंस्की ने कहा कि ये एक सोची समझी साजिश है। हत्याकांड की जांच कर दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार सभी संसाधन झोंकेगी।वहीं पारुबी की हत्या के बाद यूरोपीय संसद अध्यक्ष रोबर्टा मेटसोला और पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको ने भी गहरा दुख जताया। पोरोशेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह सिर्फ किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि सेना, भाषा और आस्था पर हमला है। एंड्री परुबी यूक्रेन के सच्चे सपूत थे। यह एक आतंकवादी हमला है और दोषियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए। फिलहाल हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पारुबी को कई बार गोली मारी गई। इससे पहले कोई मदद या फिर आपातकालीन सेवाएं पहुंच पातीं, उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हमलावर शॉर्ट बैरल वाले हथियार से लैस था और वारदात के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पूरी तरह से तैयार होकर हत्या के इरादे से आया था। 54 साल के पारुबी यूक्रेनी संसद के एक सक्रिय सदस्य थे और 2016 से 2019 तक संसद अध्यक्ष भी रहे। वे 2004 की ऑरेंज क्रांति और 2013-14 के माइडान आंदोलन में अहम भूमिका निभा चुके थे।

ट्रम्प का जापान पर अमेरिकी चावल खरीदने का दबाव : नाराज जापानी डेलीगेशन ने दौरा रद्द किया

भारत पर भी मांसाहारी दूध खरीदने का दबाव था

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प जापान पर अमेरिकी चावल के लिए बाजार खोलने का दबाव बना रहे हैं। इस वजह से जापान के मुख्य वार्ताकार रयोसेई अकाजावा ने अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अकाजावा 28 अगस्त को वॉशिंगटन डीसी का दौरा करने वाले थे, लेकिन ट्रम्प के अमेरिकी चावल खरीदने के दबाव के बाद उन्हें यह यात्रा रद्द करनी पड़ी। अमेरिका ने इसी तरह का दबाव भारत पर भी बनाया था। अमेरिका चाहता था कि भारत उनकी मांसाहारी गायों का दूध खरीदे। साथ ही उनके किसानों के लिए भारत अपना मार्केट ओपन करे। लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया था। इससे बाद अमेरिका ने भारत पर 25प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था, जो बाद में बढ़कर 50प्रतिशत तक पहुंच गया।

अमेरिका से टैरिफ घटने की उम्मीद नहीं, इसलिए यात्रा रद्द

निक्की एशिया के मुताबिक अकाजावा चाहते थे कि उनकी यात्रा से अमेरिका से यह लिखित वादा मिल जाए कि जापानी उत्पादों पर टैरिफ घटेगा, लेकिन जब यह साफ हो गया कि ऐसा नहीं होगा, तो उन्होंने यात्रा रद्द कर दी। कई सरकारी अधिकारियों ने निक्केई एशिया से कहा कि ट्रम्प ने जापान पर दबाव डालकर पहले उससे टैरिफ कम कराया और फिर कृषि उत्पादों का आयात बढ़ाने की शर्त रखी। इसके बदले में जापान को उम्मीद थी कि अमेरिका ऑटोमोबाइल पर टैरिफ का बोझ कम करेगा, लेकिन ट्रम्प की तरफ से इसे लेकर कोई ठोस भरोसा नहीं मिला।

जापान का कहना है कि अमेरिका का रवैया उसकी घरेलू नीतियों में हस्तक्षेप है

अकाजावा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभी कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर अधिकारियों के स्तर पर और बातचीत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब तक वार्ता आगे बढ़ती रहेगी, वे अमेरिका की यात्रा टाल रहे हैं, लेकिन संभव है कि भविष्य में फिर से जाएं।

दावा- जापान चावल कोटा में 75प्रतिशत बढ़ोतरी पर सहमति दे चुका है

रिपोर्ट के मुताबिक अगर जापान, अमेरिका से चावल की खरीद बढ़ाता है तो इससे उसके किसानों को नुकसान हो सकता है। इससे कृषि समुदाय नाराज भी हो सकता है। इस बीच व्हाइट हाउस ने दावा किया कि जापान ने जुलाई में ही अमेरिकी चावल के आयात कोटा में 75 प्रतिशत बढ़ोतरी पर सहमति दे दी थी। बाद में जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने साफ कहा कि उनका देश अमेरिकी दबाव में अपने किसानों के हितों का बलिदान नहीं करेगा।

अमेरिका-जापान को एक दूसरे पर भरोसा नहीं

एक्सपर्ट्स का मानना है कि जापान और अमेरिका की बातचीत में मुख्य समस्या एक-दूसरे पर भरोसा न करना है। अमेरिका चाहता है कि जापान अपने 550 अरब डॉलर के इन्वेस्टमेंट के वादे को लिखित समझौते में बदले। वहीं, जापान कह रहा है कि अगर उसे लिखित गारंटी चाहिए तो अमेरिका को भी यह लिखकर देना होगा कि जापानी ऑटो पर 15प्रतिशत टैरिफ तुरंत लागू नहीं होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जापान और अमेरिका करीबी सहयोगी बने हुए हैं। 1951 में हुई सुरक्षा संधि के तहत अमेरिका जापान की रक्षा की जिम्मेदारी निभाता है, जबकि जापान एशिया में अमेरिकी रणनीतिक उपस्थिति का अहम हिस्सा है।

जानकारी

जौ का पानी पीने के ये पांच फायदे

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है।

जौ में विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैगनीज, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, प्रोटीन, अमीनो एसिड, डायट्री फाइबर्स और कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जौ एक बहुत ही फायदेमंद अनाज है। आप चाहे तो इसे अपने रोज के आहार में शामिल कर सकते हैं या फिर एक औषधि के रूप में भी ले सकते हैं।

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है। इसके साथ ही ये शरीर को स्वस्थ रखने में भी बहुत कारगर होता है। कई लोग जौ को भाप द्वारा पकाकर भी इस्तेमाल करते हैं, परंतु जौ का पानी स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक फायदेमंद होता है।

जौ का पानी तैयार करने के लिए कुछ मात्रा में जौ ले लीजिए और उसे अच्छी तरह साफ कर लीजिए। उसके बाद इसे करीब चार घंटे तक पानी में भिंगोकर छोड़ दीजिए। उसके बाद इस पानी को तीन से चार कप पानी में मिलाकर उबाल लीजिए। पर इसे धीमी आंच पर ही उबलने दें।

लगभग 45 मिनट बाद गैस बंद कर दीजिए और इस पानी को ठंडा होने दीजिए। जब ये ठंडा हो जाए तो इसे एक बोतल में भर लीजिए और दिनभर एक से दो गिलास पीते रहें।

जौ के पानी पीने के फायदे

- अगर आपको यूरीन से जुड़ी कोई समस्या है तो जौ का पानी आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा। इसके अलावा किडनी से जुड़ी ज्यादातर समस्याओं में भी जौ का पानी बहुत कारगर होता है।
- अगर आप वजन घटाने के लिए प्रयास कर रहे हैं और लाख कोशिश के बावजूद आपका वजन कम नहीं हो पा रहा है तो जौ का पानी आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है।
- ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए भी जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होने की वजह से दिल से जुड़ी कई तरह की समस्याएं होने का खतरा कम हो जाता है। इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।
- मधुमेह के रोगियों के लिए जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। ये शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में बहुत सहायक होता है।
- जौ का पानी पीने से शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं, जिससे चेहरे पर भी निखार आता है। इसके साथ ही ये इम्यून सिस्टम को भी बेहतर बनाए रखता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे और नुकसान

जिम हो या फिर स्पा बिना स्टीम बाथ और सॉना बाथ के अधूरे हैं। ऐसा माना जाता है कि स्टीम बाथ का इतिहास प्राचीन रोमन सभ्यता से जुड़ा हुआ है, जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। प्राचीन काल में रोमन वासियों ने कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस तकनीक को ईजाद किया था।

स्टीम/सॉना बाथ क्या है?

स्टीम बाथ, जैसा की नाम से पता चल रहा है कि भाप के जरिए स्नान करना। यह एक प्रकार का खास स्नान है, जिसमें पानी की जगह पानी की भाप से नहाया जाता है। इसमें सबसे पहले एक कमरे को भाप से लगभग 110 से 114 डिग्री फेरेनहाइट तापमान पर किया जाता है। लोग इस भाप वाले कमरे में कुछ समय के लिए रुक कर भाप के माध्यम से स्नान करते हैं, अर्थात पूरे शरीर की भाप से सिकाई की जाती है। इसलिए, इसे स्टीम बाथ कहते हैं। वहीं, सॉना बाथ में कमरे का तापमान 80 से 90 डिग्री सेल्सियस तक होता है, जिससे पसीने के माध्यम से हानिकारक पदार्थ शरीर से निकल जाते हैं। इसे 5 से लेकर 20 मिनट तक 1 से 3 बार दोहराया जा सकता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे

जो लोग स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेते हैं, उन्हें भी नहीं मालूम होगा कि वो कितने फायदों का लाभ ले रहे हैं। यहां हम स्टीम बाथ और सॉना बाथ कुछ प्रमुख फायदों का जिक्र कर रहे हैं।

वजन कम करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

क्या आप सोच सकते हैं कि नहाने से वजन कम हो सकता है। नहीं न, तो हम आपको बता दें कि स्टीम या सॉना बाथ लेने से आप अपना वजन कम कर सकते हैं। यह अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में आपकी मदद करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती हैं। आप सॉना बाथ के लगभग 30 मिनट के सेशन में लगभग 600 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं। कैलोरी बर्न होने से आपके शरीर की अतिरिक्तचर्बी कम हो जाती है और आप अपने वजन में कमी महसूस कर सकते हैं।

रक्त संचार के लिए सॉना बाथ के फायदे

रक्त संचार में सुधार के लिए सॉना या स्टीम बाथ आदर्श तरीके हो सकते हैं। दरअसल, जब आप स्टीम या सॉना बाथ लेने के लिए स्टीम बाथरूम में बैठते हैं, तो शरीर की रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं, जिससे रक्तचाप और पल्स रेट कम हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार में सुधार हो सकता है। हालांकि, इस पर अभी और शोध की आवश्यकता है ।

जोड़ों की अकड़न को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप जिम करके आ रहे हैं और जिम के दौरान मांसपेशियों और जोड़ों की अकड़न को दूर करना चाहते हैं, तो स्टीम या सॉना बॉथ आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ये आपकी मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। साथ ही जोड़ों की अकड़न और दर्द में भी राहत प्रदान कर सकता है ।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक करने के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर हैरानी होगी कि स्टीम या सॉना बाथ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने में भी आपकी मदद करता है। स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इससे मोनोसाइट्स (एक प्रकार की सफेद रक्त कोशिका) की गतिविधि बढ़ जाती है। ये कोशिकाएं बैक्टीरिया को खत्म करने और मृत ऊतकों को हटाने में मदद करती हैं। इसके अलावा, ये कोशिकाओं के विकास में भी भूमिका अदा करती हैं। मोनोसाइट्स और न्यूट्रोफिल (सफेद रक्त कोशिका के प्रकार) हानिकारक सूक्ष्म जीवों से शरीर की रक्षा करने में मदद करने के साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करते हैं।

तनाव को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप किसी काम को लेकर तनाव ग्रस्त हैं, तो कुछ देर के लिए स्टीम बाथ या सॉना बाथ ले सकते हैं। ये खास स्नान आपके तनाव को दूर करने में आपकी मदद करेंगे। ये दोनों बाथ आपकी बॉडी को रिलैक्स करने के साथ ही शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही इस स्नान से चिंता और अवसाद में कमी आती है, जिससे अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है।

रक्तचाप को कम करने में मदद करता है

रक्तचाप की समस्या को दूर करने के लिए स्टीम बाथ बेहतर विकल्प हो सकता है। जब आप स्टीम बाथ लेते हैं, तो शरीर का तापमान बढ़ने लगता है। इससे सभी रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं और रक्त वाहिकाओं के फैलने से रक्तचाप कम हो जाता है ।

त्वचा के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि स्टीम बाथ आपकी त्वचा के लिए कितना फायदेमंद हो सकता है। स्टीम बाथ लेने से त्वचा के पोर्स खुल जाते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। पसीने के साथ ही त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक बैक्टीरिया भी बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, ये विषाक्त पदार्थ को भी त्वचा से अलग करने में आपकी मदद करते हैं।

स्टीम/सॉना बाथ के नुकसान

सावधानीपूर्वक लिया जाने वाला स्टीम या सॉना बॉथ फायदेमंद होता है, लेकिन लापरवाही बरतने पर नुकसानदायक भी साबित हो सकता है।

- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले एक बात जरूर ध्यान रखें कि ज्यादा देर तक बाथ लेने से गर्म तापमान के कारण आपकी त्वचा जल सकती है और फफोले पड़ सकते हैं।
- अल्कोहल का सेवन करने के बाद आपको स्टीम या सॉना बाथ नहीं लेना चाहिए, इससे आपका रक्तचाप बढ़ सकता है, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।
- हृदय और उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी ये बाथ नुकसानदायक हो सकते हैं। इससे हृदय गति बढ़ सकती है, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।
- अगर आप गर्भवती हैं, तो ध्यान रहे कि अधिक समय तक लिया हुआ स्टीम या सॉना बाथ आपके और आपके गर्भस्थ शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले आप अपने नाजुक अंगों को तौलिए से ढक कर रखें, नहीं तो वहां की त्वचा पर फफोले होने की समस्या हो सकती है।
- बाथ के दौरान अन्य लोगों के तौलिए और साबुन का उपयोग करने से संक्रमण का खतरा हो सकता है।
- स्टीम बाथ में ज्यादा देर तक बैठने या फिर दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर त्वचा संक्रमण की समस्या हो सकती है। कुछ गंभीर मामलों में तो मृत्यु तक हो सकती है।

सेहत

ओवर एक्टिव थायरॉइड में क्या खाएं क्या न खाए?

हाइपरथाइरॉयडिज्म वह स्थिति होती है, जिसमे थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है। इसके कारण हार्मोन का स्राव अधिक होता है। इसका असर मेटाबॉलिज्म के स्तर पर पड़ता है। इसमें थायरॉक्सिन हार्मोन ज्यादा बनने के कारण वजन कम होने लगता है। इतना ही नहीं शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है, अनिद्रा, उत्तेजना, घबराहट और चिड़चिड़ापन जैसे समस्याएं शुरू हो जाती हैं। हाइपरथाइरॉयडिज्म में डायबिटीज होने की संभावना भी बढ़ जाती है। हाइपरथाइरॉयडिज्म (ओवरएक्टिव थायरॉइड ग्लैंड) को सामान्य बनाने में खान-पान की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आइए हम आपको बताते हैं कि हाइपरथाइरॉयडिज्म में आपको कैसा आहार लेना चाहिए।

हाइपरथाइरॉयडिज्म में क्या खाएं?

हाइपरथाइरॉयडिज्म में ऐसे खाद्य पदार्थ जो आसानी से पच जाते हों उनको खा सकते हैं। ऐसा भोजन जो खाने के बाद तीन घंटे में पच जाता है, उसको खाइए, इन खाद्य-पदार्थों से मेटाबॉलिज्म का स्तर बढ़ता है। ठंडे पानी की मछली और मछली का तेल (जिसमें ईपीए और डीएचए की मात्रा 1 से 2 ग्राम मौजूद होती है, जो थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होते हैं) थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होती है।

साबुत अनाज

हाइपरथाइरॉयडिज्म की समस्या तभी होती है, जब शरीर में आवश्यक और पोषक तत्वों की कमी होती है। कभी-कभी आप ऐसे फूड्स का सेवन करते हैं, जिनकी पोषण क्षमता समाप्त हो चुकी होती है, ऐसे में आपके लिए साबुत अनाज फायदेमंद हो सकता है। साबुत अनाज जैसे- ब्राउन राइस, गेहूं, चना आदि। दरअसल, साबुत अनाज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और आयरन होता है, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं। चूंकि थायरॉइड हार्मोन जब ज्यादा बनता है तो उसका असर हड्डियों पर ज्यादा होता है।

हाइपरथाइरॉयडिज्म क्या न खाएं?

कम आयोडीन युक्त आहार लें

जब शरीर में आयोडीन की मात्रा ज्यादा होती है, तब थायरॉइड ग्लैंड ओवरएक्टिव होता है और हाइपरथाइरॉयडिज्म की स्थिति पैदा होती है। हालांकि आयोडीन का सबसे अच्छा स्रोत खाद्य पदार्थ होता है। इसलिए हाइपरथाइरॉयडिज्म में ज्यादा आयोडीन वाले आहार के सेवन से बचना चाहिए। समुद्री भोजन जैसे- समुद्री मछली, समुद्र के आसपास उगे पौधों को खाने से बचें, क्योंकि इनमें आयोडीन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसलिए खाते वक्त यह सुनिश्चित कर लीजिए कि जो आप खा रहे हैं, उसमें आयोडीन की मात्रा ज्यादा तो नहीं।

इन खाद्य पदार्थों से बचें

हाइपरथाइरॉयडिज्म में थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है, हार्मोन का निर्माण ज्यादा मात्रा में होता है। ऐसे में कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं, जो थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को प्रभावित करते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों को खाने से बचिए। गोभी, फूलगोभी, स्प्राउट, सरसों का साग, आडू, सोयाबीन, पालक और शलजम थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को रोकते हैं। इसलिए इनको बिल्कुल मत खाइए। इसके अलावा रिफाइंड शूगर, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, जैसे पेय जिनमें कैफीन की मात्रा ज्यादा हो, उनको भी खाने से परहेज करना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2575

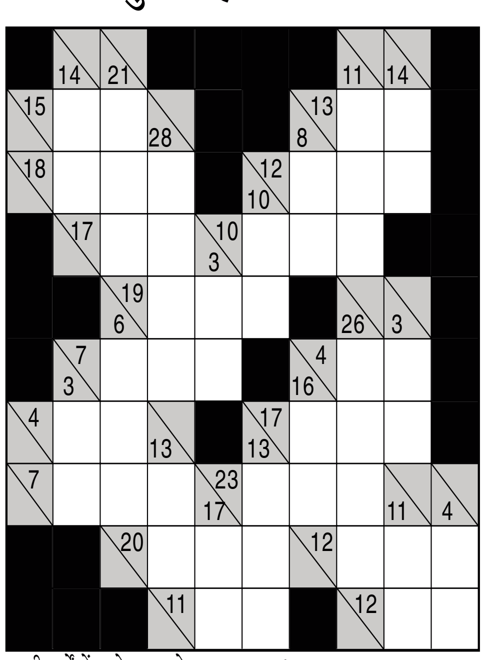

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

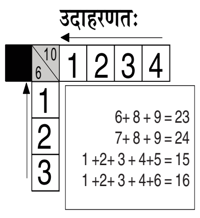

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2574 का हल

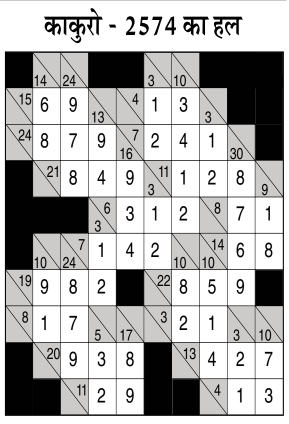

लॉफिंग ज़ोन

एक आदमी तोता खरीदने के लिए तोते वाले के पास गया और एक तोते की ओर इशारा करके पूछा, 'यह कितने का है?'

तोते वाले ने कहा, '3 हजार रुपए का.'

आदमी ने पूछा, 'अरे इतना महंगा?'

तोते वाला बोला, 'यह तोता फोन अटैंड कर लेता है.'

फिर आदमी ने दूसरे तोते के बारे मे पूछा, 'वह कितने का है?'

तोते वाले ने कहा, '5 हजार रुपए का.'

वह आदमी बोला- 'यह इतना महंगा क्यों है?'

तोते वाले ने कहा, 'यह फोन अटैंड भी कर लेता है और मैसेज भी नोट कर लेता है.'

उस आदमी ने फिर एक तीसरे तोते के बारे में पूछा, 'इसमें क्या खास बात है?'

तोते वाला बोला, 'यह तो पता नहीं, लेकिन दोनों तोते इस तोते को बॉस कहकर पुकारते हैं.'

☺ ☺ ☺

मालिक गुस्से में नौकर से- 'मैं एक घंटे से घंटी बजा रहा हूं.'

नौकर तुरंत बोला- आप मालिक है. एक घंटे तो क्या आप सारे दिन घंटी बजा सकते हैं.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2575

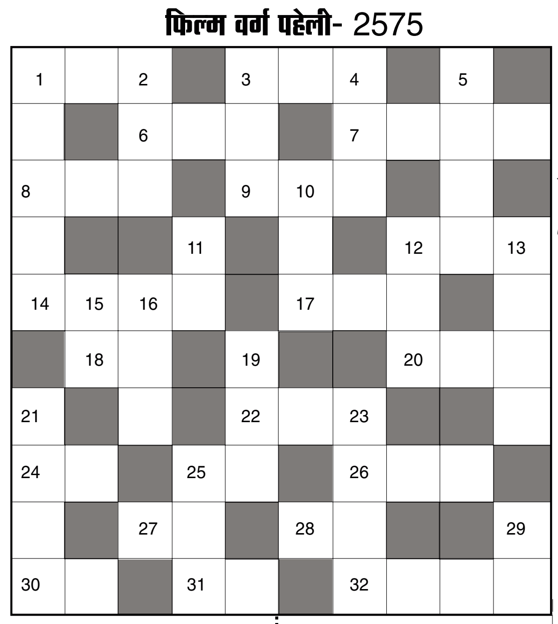

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2574

सुडोकू

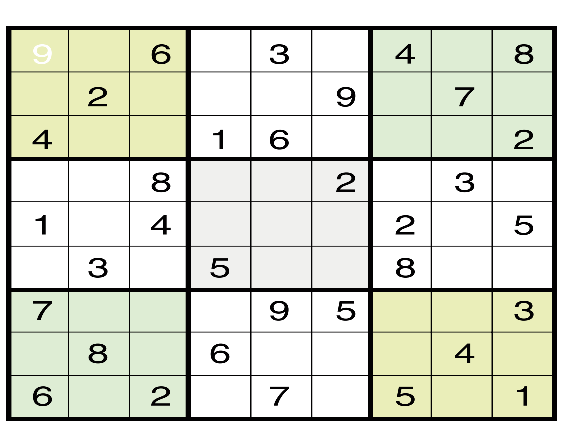

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से भरे गये अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

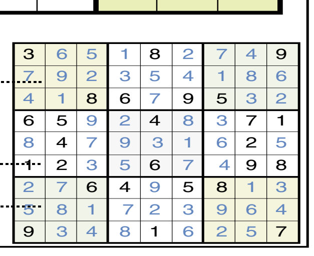

शब्द पहेली - 2575

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -2574 का हल

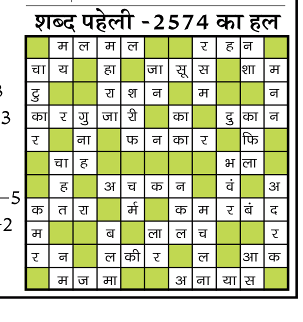

प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री मान से फोन पर ली बाढ़ पर रिपोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेश दौरे से वापस आते ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ फोन पर बात करके पंजाब में बाढ़ के हालातों पर रिपोर्ट ली। पंजाब के 12 जिलों के एक हजार से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में अब तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है। पंजाब में करीब 94 हजार हेक्टेयर की फसल बर्बाद हो चुकी है। गृहमंत्री अमित शाह ने भी दिन में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से बात करके हालात पर रिपोर्ट ली थी। सोमवार की रात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेश दौरे से वापस आते ही मुख्यमंत्री भगवंत मान फोन पर बात की। प्रधानमंत्री ने पंजाब में आई बाढ़ पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने दुख की घड़ी में पंजाब वासियों के साहस की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र की तरफ से हर तरह की मदद की जाएगी।

भूपेन्द्र यादव ने की सीओपी30 के अध्यक्ष आंद्रे कोरेया से मुलाकात

नई दिल्ली। केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने यहां जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के पक्षों का 30वां सम्मेलन (सीओपी30) के मनोनीत अध्यक्ष राजदूत आंद्रे कोरेया डो लागो और उनकी टीम के साथ मुलाकात की। भूपेन्द्र यादव ने इस मुलाकात की जानकारी एक्स पर दी। उन्होंने कहा कि हमने सीओपी 30 के महत्वपूर्ण एजेंडे से संबंधित मामलों पर व्यापक चर्चा की, जिसमें अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य, निर्धारित योगदान (एनडीसी) की स्थिति और इस वर्ष की आयोजनों की अध्यक्षता पर विशेष ध्यान दिया गया। बातचीत के दौरान उन्होंने सीओपी 30 के प्रतिनिधियों को बताया कि कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने समग्र सरकारी दृष्टिकोण के माध्यम से अपने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई कार्यक्रमों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन संकट का मुकाबला कर रहा है। उल्लेखनीय है कि 2025 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के पक्षों का सम्मेलन, जिसे आमतौर पर सीओपी 30 के रूप में जाना जाता है, आगामी 30वां संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन है, जो 10 से 21 नवंबर तक ब्राज़ील के बेलेम में आयोजित किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष सर्वदलीय बैठक में आते, प्रस्ताव रखते : वासुदेव देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को सर्वदलीय बैठक में आकर प्रस्ताव रखना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठक के आयोजन का उद्देश्य पक्ष व प्रतिपक्ष के सदस्यों के विभिन्न प्रस्तावों पर मंथन के साथ उन्हें सदन की कार्यवाही में शामिल किये जाने के लिए होता है। देवनानी ने कहा कि प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली ने सर्वदलीय बैठक में भाग नहीं लिया और सदन में व्यवधान डालते हुए सदन की कार्यवाही को बाधित करने का प्रयास किया। अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि झालावाड विद्यालय सहित गत दिनों विभिन्न विद्यालयों में हुई ऐसी समस्त घटनाओं के प्रस्ताव शिक्षा विभाग से मंगवाये हैं, जिन्हें उचित समय पर सदन में कार्यवाही के लिए प्रस्तुत किया जायेगा। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा है कि झालावाड विद्यालय जैसी घटनाओं में राज्य के सभी जनप्रतिनिधि और राज्य सरकार शोक-संतप्त परिवारों के साथ है। उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर प्रतिपक्ष द्वारा राजनीति नहीं करनी चाहिए। प्रतिपक्ष सकारात्मक सुझाव लेकर आगे आए जिससे सदन की कार्यवाही निर्बाध और सुचारू रूप से चल सके और जनआकांक्षाओं को पूरा किया जा सकें।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बाबा रामदेव जी के किए दर्शन

जैसलमेर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को रामदेवरा पहुंचकर लोकदेवता बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन किए एवं विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। इस दौरान राज्यपाल ने परिसर में स्थित जम्मा जागरण स्थल पर बाबा रामदेव की रिक्खियों का श्रवण भी किया। इस अवसर पर बाबा रामदेव वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर ने मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से राज्यपाल का साफा, दुपट्टा एवं बाबा रामदेव जी की तस्वीर भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया गया।राज्यपाल ने बाबा रामदेव जी के आदर्शों और जनकल्याणकारी विचारों का स्मरण किया। उन्होंने देशभर से रामदेवरा आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और श्रद्धा को अद्भुत बताया और प्रशासन द्वारा मेले में की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की।

मोदी सरकार बाढ़ पीड़ितों को वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगी : अमित शाह

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और कहा कि मोदी सरकार पीड़ितों को वित्तीय और अन्य सहायता प्रदान करना जारी रखेगी। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने जम्मू में हाल ही में आई बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा, 'जल आपूर्ति और स्वास्थ्य विभागों को बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य सेवा संबंधी जरूरतों को पूरा करने में पूरी ताकत लगाने का निर्देश दिया गया है। मोदी सरकार त्वरित राहत, वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना जारी रखेगी।'

इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'आज जम्मू में मैंने तवी पुल और

बाढ़ से हुए नुकसान का निरीक्षण किया। मोदी सरकार प्रभावित लोगों के साथ पूरी तरह खड़ी है और उनकी मदद के लिए हर संभव प्रयास करेगी।' केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा व्यक्त की गई चिंता और प्रभावित लोगों की पीड़ा को कम करने की उनकी तत्परता के बाद, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में बाढ़ की स्थिति पर गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लिया। उन्होंने इस यात्रा के लिए आभार व्यक्त किया, जो संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है और समन्वय को मजबूत करेगी। उन्होंने दोहराया कि सरकार की प्राथमिकता समय पर राहत, पुनर्वास और जीवन को मज़बूती से फिर से बनाना है।' केंद्रीय गृह मंत्री ने सोमवार सुबह जम्मू में तवी पुल और बिक्रम चौक का दौरा किया। हाल ही में आई बाढ़ से तवी पुल को भारी नुकसान पहुंचा है, जबकि बिक्रम चौक क्षेत्र में दुकानों, स्टोर और गोदामों सहित निजी संपत्तियों को बाढ़ के कारण करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। तवी ब्रिज और बिक्रम चौक के दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री के साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, वरिष्ठ अधिकारी और भाजपा नेता मौजूद थे। अमित शाह ने जम्मू में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित चक मंगू गांव का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि आपदा मोचन बल राहत एवं बचाव कार्य पूरे जोर-शोर से चला रहे हैं।

राज्य सरकार को मराठा समुदाय को आरक्षण का अधिकार दिलाने के लिए शीघ्र कदम उठाने चाहिए: रामदास आठवले

एजेंसी

नई दिल्ली। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने पत्रकार वार्ता में कहा कि राज्य सरकार को मराठा समुदाय को आरक्षण का अधिकार दिलाने के लिए शीघ्र कदम उठाने चाहिए और मराठा नेता मनोज जारंगे का उग्र आंदोलन शीघ्र समाप्त होना चाहिए। मुंबई में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन की पृष्ठभूमि में, रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और मराठा आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा की। केन्द्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले से भेंट के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि रामदास आठवले ने मराठा समुदाय के गरीब मराठों को आरक्षण प्रदान करने का तत्काल कोई रास्ता निकालने का अनुरोध किया है। रामदास आठवले ने मीडिया से बातचीत में कहा कि गरीब मराठा समुदाय को आरक्षण का अधिकार दिया जाना चाहिए। सरकार को सतारा और हैदराबाद के राजपत्रों का अध्ययन करके गरीब मराठा समुदाय को आरक्षण देना चाहिए। आठवले ने कहा कि सरकार को इसबात का ध्यान रखना चाहिए कि गरीब मराठा समुदाय को आरक्षण देते समय ओबीसी समुदाय के साथ अन्याय न हो। रामदास आठवले ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही गरीब मराठा समुदाय के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का कानून बना चुकी है। राज्य सरकार को संविधान के दायरे में मराठा आरक्षण पर निर्णय लेना होगा ताकि मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान किया जा सके जो आरक्षण कानून के माध्यम से न्यायालय में मान्य हो।

वोट चोरी का अब तक का खुलासा एटम बम है, अगला खुलासा हाइड्रोजन बम होगा, धन्यवाद बिहार : राहुल गांधी

एजेंसी

पटना। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आज को कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है वह हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नही रहेगी। श्री गांधी ने बिहार में समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन को जीत मिली थी लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन ने उन्हें बुरी तरह हरा दिया। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात थी कि कांग्रेस गठबंधन के वोट कम नही हुए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन के वोट काफी बढ़ गए थे। उन्होंने कहा कि बाद में उनकी पार्टी ने जांच की तो पता चला कि महाराष्ट्र में करोड़ो फर्जी वोट भाजपा और चुनाव आयोग कि मिलीभगत से जोड़े गए हैं। श्री गांधी ने कहा कि ऐसा ही बेंगलुरु सेंट्रल की एक विधानसभा सीट पर हुआ और हमारी तरफ से जांच की गई तो पता चला कि एक लाख फर्जी वोट जोड़े गए हैं। कांग्रेस हत्या की थी वही अब बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान की हत्या करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वोट का अधिकार सुरक्षित नही रहेगा तो दूसरे अधिकार, रोजगार शिक्षा

नेता ने कहा कि इसके बाद जब बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 65 लाख वोट काट लिए गए तो चुनाव आयोग की चोरी जगजाहिर हो गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की वोटर अधिकार यात्रा का जन्म यहीं से हुआ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री गांधी ने कहा कि जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की और युवाओं का भविष्य भी सुरक्षित नही रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार अडानी, अम्बानी और अमीरो को फायदा पहुंचाने के लिए गरीबो की जमीन और नागरिक अधिकार छीन लेगी श्री गांधी ने बिहार के लोगो को उत्साह से वोटर अधिकार यात्रा में भाग लेने और देश की राजनीति को नई दिशा देने के लिए धन्यवाद दिया।

केसीआर अपने कुछ करीबियों के दुष्कर्मों की वजह से बदनाम हुए: के. कविता

एजेंसी

हैदराबाद। कालेश्वरम बैराज में अनियमितताओं और विफलताओं की गहन जांच के लिए रविवार को सीबीआई को सौंपने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा का जवाब देते हुए यह निर्णय लिया। सीएम रेड्डी ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना के निर्माण में अंतर-राज्यीय सरकारें और आरईसी तथा पीएफसी जैसी केंद्र सरकार की एजेंसियां शामिल हैं। इसलिए, राज्य सरकार को लगता है कि इस मामले को सीबीआई को सौंपना उचित होगा। इस मुद्दे पर राज्य की राजनीति गर्मा गई है और विशेष कर विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में गुटों के बीच मतभेद खुले आम बाहर आया और पार्टी के पूर्व मंत्री हरीश राव के समर्थन में बयान दिए गए।तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने सोनवार को अमेरिका से हैदराबाद लौटीं और सनसनीखेज टिप्पणी की। उन्होंने चिंता जताई कि केसीआर अपने कुछ करीबी लोगों के दुष्कर्मों की वजह से बदनाम हुए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या पांच साल तक परियोजना का एक छोटा सा हिस्सा ढह जाने से, तो पूरी परियोजना बर्बाद होने का विस्तृत प्रचार कर रही है। कविता ने कहा कि अगर केसीआर

सिंचाई मंत्री रहे हरीश राव इसमें शामिल नहीं थे । कविता ने हैदराबाद में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि पूर्व सांसद संतोष और हरीश राव की वजह से केसीआर बदनाम हुए। कविता पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की बेटी हैं और वर्तमान में विधान मंडल की सदस्य हैं। उन्होंने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि कालेश्वरम लोगों के लिए काम करते हैं, तो तत्कालीन सिंचाई मंत्री हरीश राव ने अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए काम किया है।उन्होंने कहा कि हरीश राव और संतोष ने मेरे खिलाफ कई बार साजिश रची लेकिन मैंने कुछ नहीं कहा। आज, केसीआर की बेटी होने के नाते मैं बहुत दुखी हूं। कविता ने कहा कि हरीश राव और संतोष के पीछे रेवंत रेड्डी हैं।

कांग्रेसी नेताओं का दावा 'वोटर अधिकार यात्रा' से लोग हुए जागरूक, बनेगी इंडिया ब्लॉक की सरकार

एजेंसी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में वोटर अधिकार यात्रा के समापन पर कांग्रेसी नेताओं ने दावा किया है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में इस यात्रा से बिहार की जनता जागरूक हुई है और आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक की सरकार बनेगी। बातचीत में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि बिहार में इतिहास रचने जा रहा है। राहुल गांधी के नेतृत्व में ऐतिहासिक यात्रा न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश को प्रभावित करेगी। अगर लोकतंत्र को बचाना है, तो वोट के अधिकार की रक्षा करनी होगी।उन्होंने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा इसी पर आधारित है। उन्होंने दावा किया कि अगर वोट नहीं बचेगा तो आपका अधिकार खत्म हो जाएगा। आप रोजगार और महंगाई पर अपनी बात नहीं कह पाएंगे। पूर्व सीएम ने बिहार की जनता से अपील करते हुए

कहा कि राहुल गांधी ने जो मुहिम बिहार के सासाराम से छेड़ी है, इसमें सहयोग करने के लिए सामने आना होगा। कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पूरा बिहार राहुल गांधी के साथ खड़ा है, और आगामी चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के मुद्दे पर पूरे बिहार में गुस्सा है। भाजपा ने जो साजिश रची है उसे कामयाब नहीं होने देंगे। आजादी के बाद जो अधिकार बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें दिया, वह किसी भी कीमत पर छीनने नहीं देंगे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ पूरा बिहार साथ में है और महागठबंधन की सरकार बनने वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को कई शिकायतें दी हैं, लेकिन आयोग जवाब नहीं दे रहा है। कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने कहा कि यह यात्रा चुनाव के लिए नहीं, बल्कि वोट के अधिकार के लिए है। जिस तरह से इस अधिकार को छीना जा रहा है, वह सही नहीं है। हमें जो संविधान में हक मिला है, उसे छीनने नहीं देंगे। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि यह यात्रा अब बिहार तक सीमित नहीं है; यह एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन बन गया है।

यह नई क्रांति का आगाज बन गई है, क्योंकि यह यात्रा वन मैन वन वोट के अधिकार की रक्षा के लिए हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर जो साजिश रची है, वह सफल नहीं होगी। देश और बिहार के लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरा विपक्ष चट्टान की तरह खड़ा है। मतदाता अधिकार यात्रा' पर कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, चाहे युवा हों या किसान, सभी ने इस यात्रा का समर्थन किया है।

चीन सीमा तक पहुंच वाला जोशीमठ -मलारी मार्ग पर बीआरओ ने बनाया वैकल्पिक पुल, आवाजाही शुरू

एजेंसी

गोपेश्वर। उत्तराखंड के चमोली जिले को चीन सीमा तक सड़क मार्ग से जोड़ने वाला तमक-लौंग का महत्वपूर्ण पुल पर बीआरओ ने वैकल्पिक व्यवस्था कर इस मार्ग पर यातायात सुचारू कर दिया है। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस मार्ग पर आवाजाहीशुरू होने से आसपास के लगभग 14 गांवों के लोगों को राहत भी मिली है। दरअसल, हुई भारी बारिश के दौरान तमक नाले में उफान आने के कारण सीमावर्ती क्षेत्र को जोड़ने वाला एक मात्र तमक-लौंग पुल बह गया था। इस पुल के बह जाने से लगभग 14 गांव तमक, जुम्मा, कागा, गरपक, द्रोणागिरी, जेलम, कोषा, मलारी, कैलाशपुर, मेहरागांव,फर्किया गांव, बांपा गांव, गामशाली और नीती का जिले के अन्य स्थानों से संपर्क कट गया था। इसके चलते लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बीआरओ के अथक प्रयास के बाद बहे इस पुल के स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए वाहनों और आम लोगों के लिए मार्ग को खोल दिया है। इसस मार्ग खुलने से लोगों ने राहत की सांस ली है। क्षेत्र के पूर्व प्रधान पुष्कर सिंह राणा और लक्ष्मण सिंह बुटोला ने बताया कि पुल के बह जाने से लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई थी। बीआरओ की ओर से यहां पर अस्थाई व्यवस्था कर वाहनों की आवाजाही शुरू करवा दी गई है। इससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

गंभीर बीमार बंदियों की समयपूर्व रिहाई के नियम सरल और स्पष्ट किए जाएं : मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से ग्रसित बंदियों की समयपूर्व रिहाई से संबंधित नियमों को और अधिक सरल, स्पष्ट तथा मानवीय दृष्टिकोण से परिभाषित किए जाने की आवश्यकता जताई। कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नीति को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पात्र बंदियों की रिहाई स्वतः विचाराधीन होनी चाहिए और इसके लिए उन्हें अलग से आवेदन न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्राणघातक रोग से पीड़ित होने की आशंका वाले सिद्धदोष बंदी, जिसे मुक्त करने पर उसके स्वस्थ होने की उपयुक्त संभावना है तथा वृद्धावस्था, अशक्तता या बीमारी के कारण भविष्य में ऐसा अपराध करने में स्थायी रूप से असमर्थ बंदी, जिसके लिये वह दोषी ठहराया गया हो के साथ-साथ घातक बीमारी या किसी प्रकार की अशक्तता से पीड़ित सिद्धदोष बंदी जिसकी मृत्यु निकट भविष्य में होने की संभावना हो, के

संबंध में प्रदेश के सभी कारागारों में सर्वेक्षण कर वास्तविक संख्या का आकलन किया जाए। इनमें महिलाओं, बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर रिहा करने की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कैदियों को कृषि, गोसेवा आदि कार्यों से जोड़कर उनकी जेल अवधि के सदुपयोग करने के लिए व्यवस्था बनाने की भी आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेल मैनुअल में यह भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना आवश्यक है कि किन बीमारियों को असाध्य रोग की श्रेणी में रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए समयपूर्व रिहाई उन्हीं मामलों में की जानी चाहिए, जहाँ से सामाजिक जोखिम न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि हत्या, आतंकवाद, देशद्रोह, महिला और बच्चों के विरुद्ध जघन्य अपराध जैसे मामलों में रिहाई कतई नहीं की जानी चाहिए। नियमों में बदलाव पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ष तीन बार जनवरी, मई और सितम्बर में पात्र बंदियों के मामलों की स्वतः समीक्षा की व्यवस्था हो। यदि किसी बंदी को रिहाई न दी जाए तो उसके कारण स्पष्ट रूप से दर्ज किए जाएं और उसे यह अधिकार मिले कि वह उस निर्णय को चुनौती दे सके।

नारायणी धाम के लिए पदयात्रा 3 सितंबर को, तैयारियां पूरी

लालसोट। उपखंड मुख्यालय से सेन समाज लालसोट परगना के तत्वावधान में 3 सितंबर को नारायणी माता धाम के लिए पदयात्रा रवाना

होगी। यात्रा का शुभारंभ भगवान चतुर्भुज नाथ महाराज के मंदिर से किया जाएगा, जहां नगर परिषद सभापति पिंकी चतुर्वेदी और पार्षद गीता शर्मा पूजा-अर्चना कर पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यकारी अध्यक्ष गोपाल लाल सेन होदायली ने बताया कि पदयात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समाज के लोगों में यात्रा को लेकर विशेष उत्साह है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें भाग लेंगे।

भारी बारिश से जालंधर में बाढ़ जैसे हालात, स्कूल बंद, हेल्पलाइन नंबर जारी

एजेंसी

जालंधर। पंजाब के जालंधर जिले में भारी बारिश ने हालात को गंभीर कर दिया है। मूसलाधार बारिश के कारण जालंधर के कई इलाकों में जलभराव हो गया है, जिसमें रेलवे स्टेशन, मॉडल टाउन, अर्बन एस्टेट फेस-1 और फेस-2 और किशनपुरा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने स्कूल बंद करने के निर्देश दिया है और हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है।

जालंधर में दोमोरिया पुल पूरी तरह पानी में डूब चुका है। पंजाब सरकार ने आठ जिलों के बाद अब जालंधर को भी बाढ़ प्रभावित घोषित कर दिया है, जिससे स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने लोगों से शांति बनाए रखने और स्थिति को नियंत्रण में बताने की अपील की है, लेकिन सरकारी बुलेटिन में जालंधर को बाढ़ प्रभावित घोषित किए जाने से लोगों में भय और असमंजस की स्थिति है। पंजाब के जालंधर, अमृतसर, होशियारपुर, फिरोजपुर, पठानकोट, कपूरथला, मोगा और गुरदासपुर सहित नौ जिले बाढ़ की चपेट में हैं। अमृतसर के

अजनाला क्षेत्र का जट्टां गांव रावी नदी में आई बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है, जहां घरों में तीन से साढ़े चार फीट तक पानी भर गया है। जालंधर के शहरी इलाकों में भी सड़कों और घरों में पानी भरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

भाखड़ा और रणजीत सागर डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण सतलुज, ब्यास, और रावी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। जिला प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें राहत कार्यों में जुटी हैं। जालंधर में बाढ़ नियंत्रण कक्ष (हेल्पलाइन नंबरः 0181-2224417) स्थापित किया गया है। सरकार ने स्कूलों को 3 सितंबर तक बंद रखने और प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर स्थापित करने के आदेश दिए हैं। वहीं, इसी बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने होशियारपुर के गांव मियानी में राहत कैंप का दौरा किया। उन्होंने सोशल मीडिया

बिगड़ती स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने स्कूल बंद करने के निर्देश दिया है और हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है।

प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दौरे की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, 'होशियारपुर के गांव मियानी में राहत कैंप का दौरा किया। लोगों का हाल-चाल जाना और उन्हें दी जा रही राहत सामग्री का जायजा लिया। साथ ही बातचीत करके यह सुनिश्चित किया कि जरूरतमंद लोगों तक राहत सामग्री बिना किसी रुकावट के पहुंचती रहेगी। हमारी सरकार हर पहलू से लोगों के साथ खड़ी है।'

'गांव चलो'-'शहर चलो' अभियानों से अधिकाधिक लोगों को करें लाभान्वित : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा पारदर्शी एवं जवाबदेही सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी अधिकारी-कर्मचारी जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जान-माल के नुकसान पर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर्स अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थितियों से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर कार्य करें। शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न मुद्दों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों के साथ ही आमजन के लिए चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं पर संबंधित जिला कलक्टर से गहन चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने घग्गर नदी में पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए इस संबंध में हनुमानगढ़ जिला कलक्टर को पंजाब एवं हरियाणा राज्यों से समन्वय बनाते हुए अलर्ट मोड पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश के 21 जिलों में असामान्य तथा 16 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक संपत्तियों का रेस्टोरेशन कार्य तेजी से कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अतिवृष्टि से प्रभावित कोई भी व्यक्ति सहायता से वंचित नहीं रहे। इस संबंध में उन्होंने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में 2 सितम्बर से 3 दिवसीय विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए, जिसमें प्रभावितों को नियमानुसार सहायता राशि एवं अन्य राहत सुनिश्चित हो। शर्मा ने जिला कलक्टर्स को फसल खराबे पर गिरदावरी रिपोर्ट शीघ्र भिजवाने के लिए निर्देशित भी किया।

सूर्यकुमार यादव की नेट्स पर वापसी, एशिया कप के लिए शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव वापसी कर चुके हैं और हाल ही में नेट सत्र के दौरान शानदार लय में दिखे, जहां उन्हें गेंदबाजों की सहजता से धुनाई करते देखा गया। नाजुक स्वीप से लेकर शक्तिशाली लॉफ्टेड शॉट्स तक 34 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने विशिष्ट स्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया जिससे उनकी बहुप्रतीक्षित वापसी से पहले उनकी तैयारी का संकेत मिलता है।

सूर्यकुमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया, फाइनल चैक।' भारत की टी20 कप्तानी संभालने के बाद से सूर्यकुमार ने 15 मैचों में 258 रन बनाए हैं। हाल के टी20 मैचों में उनके रनों की तुलना में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा। मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करते हुए वह सीजन के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उन्होंने 16 मैचों (16 पारियों) में 65.18 की शानदार औसत और 167 से ज्यादा के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से 717 रन बनाए। उन्होंने 5 अर्धशतक लगाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 73 रन रहा।'

इस साल जून में IPL के 18वें सीजन के समापन के कुछ हफ्ते बाद सूर्यकुमार ने पुष्टि की कि जर्मनी के म्यूनिख में उनकी स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी सफल रही। भारत लौटने के बाद उन्होंने COE में अपना पुनर्वास जारी रखा। वह 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप 2025 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। भारत अगले दिन यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। भारत अपने एशिया कप अभियान की मजबूत शुरुआत करने के लिए सूर्यकुमार के निडर रवैये पर भरोसा करेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तेज गेंदबाज और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण मंगलवार को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर हो गए।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली एशेज श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए उनके रिहैबिलिटेशन की व्यवस्था की जा रही है। ऑस्ट्रेलिया एक अक्टूबर से न्यूजीलैंड के साथ तीन टी20 मैच खेलेगा। उसके बाद वह भारत के खिलाफ तीन वनडे (19-25 अक्टूबर) और पांच टी20 मैच (29 अक्टूबर से आठ नवंबर) खेलेगा।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान में कहा, 'कमिंस को भारत (और न्यूजीलैंड) के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए टीम में नहीं चुना जाएगा और वह इस बीच रिहैबिलिटेशन पर रहेंगे।'

सुनील गावस्कर के 'विदेशी अपना देखें' बयान पर ब्रैड हैडन का पलटवार, श्रेयस अय्यर का नाम लेकर दिया ये जवाब

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के लिए जब टीम इंडिया के स्क्वॉड पर कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने सवाल खड़े किए थे। इस कड़ी में कुछ विदेशी खिलाड़ियों ने भी अपनी बयानबाजी की थी। जिस पर पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर गुस्सा हो गए ते और उन्होंने इन विदेशी खिलाड़ियों की जमकर आलोचना की थी। लेकिन अब गावस्कर के इस बयान के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर ब्रैंड हैडिन का जवाब आया है।

गावस्कर ने कहा था कि विदेशी खिलाड़ियों को भारतीय टीम के मसलों से दूर रहना चाहिए और अपने देश की क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए। हैडिन ने इस बात का जवाब दिया है। ये बहस श्रेयस अय्यर को एशिया कप के लिए भारत की टी20 टीम में जगह नहीं मिलने के बाद शुरु हुई थी।

हैडिन ने विलो टॉक नाम के पॉडकास्ट पर कहा कि क्रिकेट के मसलों पर बात करना उनका काम है। हैडिन ने कहा कि वह आईपीएल में काम करते हैं और इसलिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। उन्होंने आगे कहा कि, वह पंजाब किंग्स में अय्यर के साथ थे और इसलिए जानते हैं कि वह टीम में चुने जाने के हकदार हैं। हैडिन पंजाब के बल्लेबाजी कोच हैं।

हैडिन ने कहा कि, हमारा काम विश्व क्रिकेट में जो हो रहा है उस पर अपना विचार रखना है। हम यही करते हैं। मैंने आईपीएल में उन्हें कोच किया है और मैंने जो कहा उस पर मैं कायम हूं। मैं इस बात से हैरान था कि वह टीम का हिस्सा नहीं हैं। मैं ये नहीं कह रहा कि बाकी जो खिलाड़ी चुने गए हैं वो नहीं चुने जाने चाहिए थे।

हैडिन ने कहा कि, मैंने ये इसलिए कहा था कि क्योंकि जिस तरह से अय्यर ने हमारी टीम को संभाला था। वह शानदार लीडर हैं और जिस तरह से वह दवाब में आगे से टीम का नेतृत्व करते हैं वो बेहतरीन है। उन जैसे खिलाड़ियों को साइडलाइन करते हुए भी भारत के पास अच्छी टीम है।

मिचेल स्टार्क ने टी20 विश्व कप से पहले उठाया बड़ा कदम, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

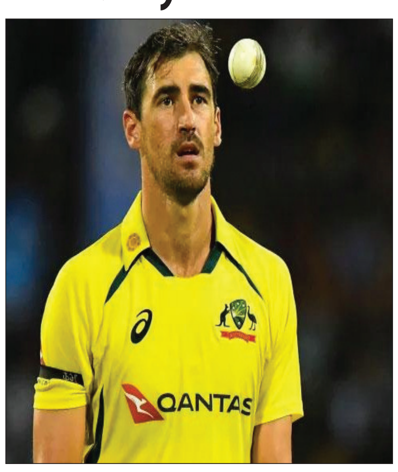

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित आस्ट्रेलियाई टी20 टीम में स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के नाम नहीं हैं। 33 वर्ष के स्टार्क ने 65 टी20 मैचों में 79 विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और अगले दो साल के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए उन्हें तैयार रहना है। कमिंस को पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद से आराम दिया गया है। उनकी कमर में भी दर्द है इसलिए नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला की तैयारी के मद्देनजर उन्हें आराम दिया है। स्टार्क एशेज, भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला और 2027 वनडे विश्व कप के लिये पूरी तरह फिट रहना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैने ऑस्ट्रेलिया के लिए हर टी20 मैच के हर मिनट का मजा लिया है। खासकर 2021 विश्व कप क्योंकि जीत के साथ हमने पूरे सफर का आनंद लिया।' स्टार्क ने कहा, 'टी20 से संन्यास लेने का कारण तरोताजा और फिट बने रहना है। इससे गेंदबाजी समूह को टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाएगा।'

आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, 'मिचेल को अपने टी20 करियर पर गर्व होना चाहिए। वह विश्व कप 2021 विजेता टीम का प्रमुख सदस्य था। अच्छी बात यह है कि वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलता रहेगा।''

पाकिस्तान के मध्य क्रम बल्लेबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के मध्य क्रम बल्लेबाज आसिफ अली ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अंतररष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 2021 टी 20 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ रोचक मुकाबले में उनकी 7 गेंदों पर 25 रनों की पारी उनके अंतररष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार पारी है। आसिफ ने अपने अंतररष्ट्रीय करियर को अपने जीवन का एक गर्व करने योग्य अध्याय करार देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। आसिफ ने कहा, 'आज मैं अंतररष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अलहमदुलिल्लाह, पाकिस्तान की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और क्रिकेट के मैदान पर अपने देश की सेवा करना मेरे लिए सबसे गौरव की बात रही है। मेरे प्रशंसकों, साथियों और कोचों, हर उतार-चढ़ाव में आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। मेरे परिवार और दोस्तों, जो खुशी के पलों में और मुश्किल हालातों में, जिसमें विश्व कप के दौरान मेरी प्यारी बेटी का निधन भी शामिल है, मेरे साथ खड़े रहे, आपकी ताकत ने मुझे आगे बढ़ाया।' आसिफ ने कहा कि वह घरेलू क्रिकेट और दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। आसिफ ने पाकिस्तान के लिए 58 टी20 और 21 वनडे खेले। टी20 में आसिफ ने 15.18 की औसत से 577 रन बनाए, वहीं वनडे में उन्होंने 25.46 की औसत से 382 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पाकिस्तान के लिए उन्होंने आखिरी वनडे अप्रैल 2022 में लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था जबकि अपना अंतिम अंतररष्ट्रीय मैच उन्होंने अगस्त 2023 में एशियन गेम्स में बांग्लादेश के ख़िलाफ टी20 प्रारूप में खेला। आसिफ को 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू का मौका मिला था, डेब्यू से पहले उन्होंने उस साल क्कस्रु में इस्लामाबाद यूनाइटेड को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके दो महीने बाद ही उन्हें वनडे में डेब्यू करने का मौका मिला लेकिन प्रदर्शन की निरंतरता की कमी के चलते वह टीम में स्थाई जगह हासिल नहीं कर पाए। आसिफ हाल ही में पाकिस्तान चैंपियंस के लिए भी खेलते नजर आए थे। साउथ अफ्रीका चैंपियंस के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 28 रनों की पारी खेली थी।

एकदिवसीय क्रिकेट के पहले 55 मैचों में सचिन और विराट से आगे हैं शुभमन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन एकदिवसीय में भी काफी अच्छा रहा है। यहां तक कि वह शुरुआती आंकड़ों पर नजर डालें तो महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी आगे नजर आते है। सचिन और विराट के नाम विश्व क्रिकेट में कई रिकार्ड हैं। शुभमन ने अभी तक 55 एकदिवसीय ही खेले हैं। ऐसे में अगर विराट और सचिन के पहले 55 एकदिवसीय मुकाबलों से उनकी तुलना करें तो शुभमन आगे दिखते हैं।

सचिन तेंदुलकर : सचिन ने अपने एकदिवसीय करियर में कुल 463 मैच खेले जिसमें 44.83 की औसत के साथ 18426 रन बनाए। हालांकि सचिन के एकदिवसीय करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले 55 एकदिवीसय में सचिन के नाम एक भी शतक नहीं है। उनका पहला शतक 79वें एकदिवसीय में बना था। 55 एकदिवसीय के बाद उनके 31.76 की औसत से केवल 1556 रन थे।

विराट कोहली : विराट के नाम एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर में अभी तक 302 एकदिवसीय खेले हैं जिसमें 57.9 की औसत के साथ 14181 रन ही बनाए हैं। पहले 55 एकदिवसीय के बाद विराट के सचिन तेंदुलकर से अधिक 2059 रन थे, जो उन्होंने 42.9 की औसत के साथ बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 5 शतक भी लगाये थे।

शुभमन : शुभमन पहले 55 एकदिवसीय के बाद रनों और शतक के साथ ही औसत के मामले में भी कहीं आगे हैं। शुभमन ने अभी तक 59.04 की औसत के साथ 2775 रन बनाये हैं। उनके नाम 8 शतक है। इससे पता चलता है कि शुभमन सचिन और विराट की तुलना में काफी बेहतर है। अब देखना होगा कि आगे वह अपनी बढ़त बनाये रख पाते हैं या नहीं।

टेस्ट सहित सभी प्रारुपों में खेलना चाहते हैं रिंकू

नई दिल्ली। आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से टी20 क्रिकेट में अपनी अलग ही पहचान बनायी है। वह जिस प्रकार लंबे-लंबे छक्के लगाकर रन बनाते हैं उससे वह लोगों के पसंदीदा बल्लेबाज बन गये हैं और उन्हें टी20 विशेषज्ञ माना जाने लगा है। वहीं रिंकू ने कहा कि वह केवल टी20 के विशेषज्ञ बल्लेबाज नहीं बने रहना चाहते। उनका सपना भारतीय टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट खेलना है। रिंकू निचले क्रम पर तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। यही खूबी उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है। अब तक 33 टी20 आई में रिंकू ने 42 की औसत और 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 546 रन बनाए हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अभी तक 50 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 54.68 की औसत के साथ 3336 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 22 अर्धशतक और 7 शतक हैं। रिंकू से पूछा गया कि अकसर आपको टी20 स्पेशलिस्ट का टैग दिया जाता तो उन्होंने कहा, 卐मुझे पता है कि जब मैं छक्के लगाता हूं तो प्रशंसकों को बहुत अच्छा लगता है, और मैं इसके लिए सचमुच आभारी हूं पर मेरा रणजी ट्रॉफी औसत भी बहुत अच्छा है, वहां मेरा औसत 55 से ज्यादा है। मुझे लाल गेंद से क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है। मैंने भारत के लिए दो एकदिवसीय मैच भी खेले हैं और उनमें से एक में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, ऐसा नहीं है कि मैं सिर्फ टी20 खिलाड़ी हूं। मेरा मानना ??है कि अगर मुझे मौका मिले तो मैं हर प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। उन्होंने आगे कहा, मुझे एक ही प्रारुप तक में सीमित रहना पसंद नहीं; मैं खुद को सभी फॉर्मेट का खिलाड़ी मानता हूं। मेरा सपना भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना है, और अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसे लेने के लिए तैयार रहूंगा। वह सुरेश रैना अपना आदर्श मानते हैं।'

एशिया कप से पहले पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान, संजू सैमसन प्लेइंग 11 में नहीं हो सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी एशिया कप के लिए संजू सैमसन को भारतीय टीम में चुना गया है। लेकिन पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान को लगता है कि सैमसन को प्लेइंग 11 में जगह नहीं मिलेगा और ऐसा शुभमन गिल को जगह देने के कारण होगा।

इरफान ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'संजू ने वाकई अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी निरंतरता पर एक सवालिया निशान है। या तो वह शतक जड़ेंगे या सस्ते में आउट हो जाएंगे। जाहिर है कि अभिषेक शर्मा टीम में होंगे क्योंकि वह गेंदबाजी कर सकते हैं और उनका स्ट्राइक रेट कमाल का है। चूंकि जितेश शर्मा टीम में हैं, इसलिए उनके पास शुभमन गिल को सलामी बल्लेबाज के तौर पर खिलाने का विकल्प है। मैं भी यही विकल्प चुनूंगा।'

इस पूर्व ऑलराउंडर ने बताया कि कैसे भारतीय क्रिकेट में अगले ऑल-फॉर्मेट कप्तान की तलाश ने गिल को अचानक से मौका दे दिया है। वे रोहित शर्मा का विकल्प चाहते हैं, और इस समय गिल सबसे अच्छा विकल्प हैं। उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट इस समय नेतृत्व की तलाश में है। जब एमएस धोनी आए, तो हम बदलाव के दौर से गुजर रहे थे, लेकिन सौभाग्य से उन्होंने तुरंत विश्व कप (2007 में टी20) जीत लिया। धोनी के बाद विराट कोहली आए और उन्होंने कमान संभाली। फिर रोहित शर्मा आए और उन्होंने भी शानदार प्रदर्शन किया। हम हमेशा एक ऐसे नेतृत्वकर्ता की तलाश में रहते हैं जो भारतीय क्रिकेट को आगे ले जा सके। इसलिए गिल को खेलने के लिए सैमसन को बाहर बैठना पड़ सकता है। बेशक, विकेटकीपर को मध्यक्रम में आजमाया जा सकता है, लेकिन यह सैमसन और उन खिलाड़ियों के साथ अन्याय होगा जो पहले से ही उस क्रम पर खेल रहे हैं।'

इरफान ने आगे कहा, 'शुभमन गिल को जगह देने के लिए संजू को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिल सकती। यह मुश्किल होगा। अगर वह निचले क्रम में खेल सकते हैं, तो क्यों नहीं? सैमसन को पांचवें नंबर पर खिलाएं। अगर ऐसा हो सकता है तो जितेश की जगह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी होगी। लेकिन गिल को ऊपरी क्रम में खेलना चाहिए, क्योंकि तिलक वर्मा ने तीसरे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।'

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह

स्टैंडबाय : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, यशस्वी जयसवाल।

सीएसके से ही अधिक सफल रहे हैं अश्विन : डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का कहना है कि स्पिनर आर अश्विन को चेन्नई सुपरकिंग्स नहीं छोड़नी चाहिये थी। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वह आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते थे। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को कभी नहीं छोड़ना चाहिए था। अश्विन अब विदेशी लीग में खेलने जा रहे हैं। अश्विन ने आईपीएल में सीएसके के अलावा राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए भी खेला है। अश्विन सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। करियर की शुरुआत भी उन्होंने इसी टीम के साथ की थी। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को नहीं छोड़ना चाहिए था, क्योंकि जब वह अन्य टीमों के लिए खेलते थे तो स्थापित नहीं हो पाते थे। आईपीएल करियर में अश्विन ने 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं और वह आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले हैं। डिविलियर्स ने कहा, शानदार करियर। कहना ही पड़ेगा, क्या शानदार खिलाड़ी था। खेल का क्या वैज्ञानिक था। खेल का एक डॉक्टर, एक प्रोफेसर। वह हमेशा नियमों की सीमा तक जाता था। आम तौर पर सही होता था, भले ही उस पर थोड़ी-बहुत नाराजगी भी होती थी। मैं खेल का अध्ययन करने वाले लोगों का बहुत सम्मान करता हूं और वह ऐसे ही क्रिकेटरों में से एक था। उन्होंने साथ ही कहा, अविश्वसनीय कौशल। भारत में एक महान खिलाड़ी और आइकन। उन्होंने वर्षों तक टीम इंडिया और सीएसके के लिए कई मैच जीते हैं। उन्होंने दूसरी टीमों के लिए भी खेला, लेकिन उन टीमों में कभी भी अपने को स्थापित महसूस नहीं किया। मेरे विचार से, उन्हें हमेशा चेन्नई सुपर किंग्स में ही रहना चाहिए था। जाहिर है, यह उन पर निर्भर नहीं था, क्योंकि उन्हें टीम में बनाए रखने और टीम के चयन में कई तरह की बातें शामिल होती हैं, लेकिन मैं उन्हें हमेशा पीली जर्सी वाले खिलाड़ी के रूप में याद रखूंगा।

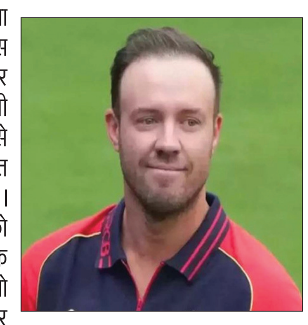

त्रिकोणीय सीरीज : राशिद की घातक गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने यूएई को हराकर दर्ज की पहली जीत

शारजाह । कप्तान राशिद खान की जबरदस्त गेंदबाजी से अफगानिस्तान की टीम ने यहां तिकोणीय क्रिकेट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान यूएई को हरा दिया। ये इस सीरीज में अफगान टीम की पहली जीत है। इससे उसे 2 अंक मिले हैं। इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार अर्धशतकों से 188 रन बनाये। इसके बाद मेजबान यूएई की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 विकेट पर 150 रन ही बना पायी और उसे 38 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवरों में चार विकेट पर 188 रन बनाए।

पंजाब में बाढ़ से टूटा भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दिल, हरभजन सिंह ने बढ़ाया मदद का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को अपने गृह राज्य पंजाब में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ से हुई भारी तबाही पर दुख व्यक्त किया। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री एस हरदीप सिंह मुंडियन के अनुसार बाढ़ ने 12 जिलों के 2.56 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है, हजारों लोगों को विस्थापित किया है और मानव जीवन, संपत्ति, कृषि और पशुधन को भारी नुकसान पहुंचाया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में गिल ने लिखा, 'अपने पंजाब को बाढ़ से तबाह देखकर दिल टूट गया। पंजाब हमेशा किसी भी विपत्ति से अधिक मजबूत रहेगा, और हम इससे उबरेंगे। मेरी प्रार्थनाएं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मैं अपने लोगों के साथ मजबूती से खड़ा हूं।'

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए सहायता राशि का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वह पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य में तेजी लाने के लिए 10 नावें उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने लोगों से आगे आकर पंजाब के लिए अपना समर्थन दिखाने का अनुरोध भी किया।

हरभजन ने बताया, 'पंजाब और पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन दिखाएं। मैं खुद प्रभावित इलाकों में गया हूं। पंजाब में हम सभी लोगों के लिए यह एक मुश्किल समय है। हम एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। मैं सभी जत्थेबंदियों और विभिन्न संगठनों का धन्यवाद करता हूं जो लोगों को बचाने में मदद कर रहे हैं। मैंने प्रधानमंत्री मोदी से इस मुश्किल घड़ी में हमारी मदद करने का अनुरोध किया है। हम भारत के अन्नदाता हैं। मैं और लोगों से मदद के लिए आगे आने का अनुरोध करता हूं। पंजाब अब सभी की समस्या के साथ खड़ा है। पंजाब और पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन दिखाएं।'

तत्काल राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 129 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जिनमें 7,144 लोग रह रहे हैं। फिरोजपुर में सबसे अधिक 3,987 लोग हैं, उसके बाद फाजिल्का (1,201), होशियारपुर (478), पठानकोट (411) और गुरदासपुर (424) हैं। अब तक कुल 1,044 गांव प्रभावित हुए हैं जिनमें गुरदासपुर में सबसे अधिक 321 गावं हैं, उसके बाद कपूरथला (115), होशियारपुर (94), अमृतसर (88) और पठानकोट (82) हैं।

गुरदासपुर सबसे अधिक प्रभावित जिला बना हुआ है, जहां लगभग 1.45 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अन्य गंभीर रूप से प्रभावित जिलों में अमृतसर (35,000), फिरोजपुर (24,015) और फाजिल्का (21,562) शामिल हैं। राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए कई एजेंसियों को तैनात किया गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) ने 20 टीमें तैनात की हैं, जबकि सेना, नौसेना और वायु सेना ने 10 टुकड़ियां तैनात की हैं, जिनमें से 8 स्टैंडबाय पर हैं, साथ ही उनकी संबंधित इंजीनियर इकाइयां भी हैं। 114 नावों और एक सरकारी हेलीकॉप्टर की मदद से 35 से ज़्यादा हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। सीमा सुरक्षा बल (BSF) को भी प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने भूकंप पीड़ितों को दान की मैच फीस

शारजार । यहां अभी त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज खेल रही अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने अपने देश में आये भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ितों के लिए मैच फीस की पूरी राशि ही दान कर दी है। इन खिलाड़ियों ने भूकंप पीड़ितों के लिए दुआएं भी की हैं। खिलाड़ियों ने कहा है कि वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मिली मिली मैच फीस की राशि दान कर देंगे। पूरी मैच फीस के साथ ही खिलाड़ियों ने निजी तौर पर भी सहायता राशि दी है। अफगानिस्तान और यूएई के खिलाड़ियों ने मैच से पहले जान गंवाने वाले लोगों की याद में कुछ देर के लिए मौन भी रखा। गौरतब है कि 1 सितंबर की देर रात आए भूकंप से अफगानिस्तान में 800 से ज्यादा लोग मारे गए। इसके अलावा 2,800 से ज्यादा लोग इस घायल भी हुए हैं। इलाके के घर भी तबाह हो गये हैं। भारत समेत कई देश अफगानिस्तान की सहायता के लिए आगे आए हैं। खाद्य सामग्री के साथ-साथ मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध करायी गयी हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा, टीम ने भूकंप पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखायी है। अफगानिस्तान टीम ने यूएई के खिलाफ होने वाले मैच की अपनी पूरी मैच फीस और अतिरिक्त राशि भूकंप से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए देने की बात कही है। इसके अलावा, खोस्त प्रांत में चल रहे क्षेत्रीय लिस्ट ए टूर्नामेंट में शामिल खिलाड़ी भी अपना दान एकत्र करेंगे।

'अजुल' गाने पर छिड़े विवाद के बीच गुरु ने शेयर की क्रिप्टिक पोस्ट

मशहूर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा के नए हालिया रिलीज गाने 'अजुल' को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। इस गाने में दिखाए गए टीचर और स्टूडेंट के बीच के संबंधों को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसके चलते गुरु को नाबालिगों के कथित यौन शोषण के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। अब इस विवाद के बीच गुरु रंधाना ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है। गुरु ने शेयर किए गाने के व्यूज के आंकड़े गाने को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच गुरु ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है। जिसको देखकर ऐसा लगता है कि उन्होंने आलोचकों को एक तरह से जवाब दिया है। हालांकि, उन्होंने इसमें सीधे तौर पर ऐसा कुछ नहीं कहा है। दरअसल, सिंगर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'अजुल' गाने को मिले व्यूज और लाइक्स का एक स्क्रीनशॉट साझा किया है। स्टोरी में दिखाया गया है कि यह गाना पिछले एक घंटे में 107,200 से ज्यादा बार देखा गया और यूट्यूब पर 27,000 से ज्यादा बार सर्च किया गया है।

'अजुल इज अजुलिंग'

इस स्टोरी को शेयर करते हुए गुरु रंधावा ने लिखा, 'अजुल इज अजुलिंग। जब भगवान आपके साथ होते हैं, तो आप केवल आगे बढ़ते हैं।' इसके साथ ही उन्होंने दिल और सेलिब्रेशन वाले इमोजी भी बनाए हैं।

यह है विवाद का कारण

'अजुल' गाने में गुरु एक फोटोग्राफी टीचर की भूमिका निभा रहे हैं जो अपने छात्रों की एक ग्रुप फोटो लेने की तैयारी कर रहे हैं। वह अपनी स्टूडेंट जिसका किरदार अंशिका पांडे ने निभाया है। उसके आने का इंतजार करते हैं। अंशिका स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर आती हैं और अपना डांस दिखाती हैं, जबकि गुरु का किरदार उनके डांस के हाव-भाव निहारता नजर आता है। बाद में वह कैजुअल आउटफिट में आ जाती हैं और बोल्ड कोरियोग्राफी के साथ डांस करती हैं। हालांकि, असल में अंशिका की उम्र क्या है इसका तो पता नहीं है। लेकिन वीडियो में उन्हें एक स्कूल स्टूडेंट के रूप में दिखाए जाने पर लोगों ने नाराजगी जताई है।

अपने पार्टनर में कुछ खास खूबियां चाहती हैं जान्हवी

हाल ही में जान्हवी कपूर को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में फिल्म 'परम सुंदरी' के को-एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ देखा गया। दोनों ने जहां फिल्म को लेकर बातचीत की, वहीं अपनी लव लाइफ के बारे में भी कुछ बातें साझा कीं। जान्हवी ने बताया कि वह अपने पार्टनर में क्या-क्या खूबियां चाहती हैं। कपिल शर्मा ने शो में पूछा कि जान्हवी आपको कैसे इंप्रेस किया जाए? इस पर वह बोलीं- 'यह खाने पर आधारित है, सर।' आगे सिद्धार्थ मल्होत्रा कहते हैं, 'इन्हें एक कुक चाहिए।' फिर जान्हवी कपूर कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को खाना बनाना आना चाहिए, वह खाने के शौकीन होने चाहिए। हां, वह तीखा खाना सहन कर पाते हों।' दरअसल, जान्हवी को तीखा खाना बहुत पसंद है। वह आगे जवाब देती हैं, 'बेशक, खाने के साथ अगर हरी मिर्ची साइड में नहीं रखी तो वो खाना ही क्या है? बताते चलें कि असल जिंदगी में जान्हवी कपूर का नाम बिजनेसमैन शिखर पहाड़िया से जुड़ा जाता है, दोनों को अक्सर साथ डेट पर देखा भी जाता है।

जान्हवी कपूर की फिल्म को मिला अच्छा रिस्पॉन्स जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'परम सुंदरी' एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा परम नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो कि उत्तर भारत से बिलॉन्ग करता है, वहीं जान्हवी कपूर ने सुंदरी नाम की लड़की का रोल किया है, जो दक्षिण भारत से आती है। इन दोनों के बीच कैसे प्यार होता है, यह फिल्म की स्टोरी लाइन है।

फिल्म हाटक में नए अवतार में फिल्मी पर्दे पर दिखने वाली हैं अदा शर्मा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा अब नए अवतार में फिल्मी पर्दे पर दिखने वाली हैं। द केरल स्टोरी फिल्म से चर्चाओं में आईं अभिनेत्री अदा शर्मा अब एक्शन करते हुए अपनी नई फिल्म हाटक में नजर आएंगी। अदा की इस फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है जिसमें वो हाथ में बंदूक पकड़े खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं।

अदा शर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा- हाटक- एक डकैती, बिना रहम के। शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। आप सबका आशीर्वाद चाहिए। इसके अलावा उन्होंने जानकारी दी है इस फिल्म का अजय के शर्मा निर्देशन करेंगे।

शिवरंजनी आचार्य के रोल में अदा शर्मा

फिल्म के मोशन पोस्टर के साथ ही अदा का पहला लुक सामने आया है। अदा इसमें 'शिवरंजनी आचार्य' नाम के किरदार में दिखाई देंगी। उनके हाथ में बंदूक और चेहरे पर खतरनाक तेवर देखकर साफ है कि ये किरदार उनकी अब तक की भूमिकाओं से बिल्कुल अलग है। इस बार अदा सिर्फ खूबसूरती या मासूमियत नहीं, बल्कि एक सशक्त और निडर महिला का किरदार निभा रही हैं। बता दें फिल्म की शूटिंग जल्द ही राजस्थान और उत्तर भारत की खूबसूरत और ऐतिहासिक लोकेशंस पर शुरू होने वाली है। इन जगहों पर फिल्म का माहौल और भी ज्यादा दमदार दिखाई देगा। उम्मीद जताई जा रही है कि इस फिल्म के जरिए दर्शकों को एक अलग तरह की डकैती ड्रामा कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें रहस्य, एक्शन और इमोशन का सही संतुलन होगा।

इंडस्ट्री में काम पाने के लिए रील बनाते थे अहान

अहान पांडे अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' से स्टार बन गए। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया गया और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की। यही कारण है कि फिल्म के दोनों लीड एक्टर्स अहान पांडे और अनीत पड्डा युवाओं के बीच नई सेंसेशन बन गए। फिल्म के प्रमोशन के दौरान निर्देशक मोहित सूरी ने अहान को टिकटॉकर बताया था। अब अहान ने फिल्म के रिलीज से पहले अपनी इंस्टाग्राम वाली पर्सनैलिटी को लेकर बात की। बातचीत के दौरान अहान ने कहा कि जब मैं इंस्टाग्राम पर सक्रिय था, तो उस पर मेरा व्यक्तित्व वैसा नहीं था जैसा मैं असल में था। यह वैसा था जैसा मुझे लगता था कि फिल्म बिरादरी का ध्यान आकर्षित करने के लिए मुझे बनना होगा, ताकि मुझे काम मिल सके। यह एक ऐसा व्यक्तित्व है जिसे मैंने अपनाया। 'सैयारा' के अपने किरदार कृष के बारे में बात करते हुए अहान पांडे ने आगे कहा, यह ऐसा किरदार नहीं है जिसके बारे में मैंने सोचा था कि मैं करूंगा। मैं जो ऑडिशन देता था वह ज्यादा सॉफ्ट, मजेदार, एनर्जी और पॉजिटिविटी से भरपूर पड़ोस के लड़के जैसा होता था। आप कृष को पड़ोस में नहीं चाहते।

मनोज बाजपेयी ने ओटीटी को इन लोगों के लिए बताया आशीर्वाद

मनोज बाजपेयी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार होते हैं जो बहुत प्रतिभावान हैं। वह अपनी अलग अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि ओटीटी उनके जैसे कलाकारों के लिए आशीर्वाद है। उनके मुताबिक कई बार ओटीटी की कहानी बड़े पर्दे से ज्यादा मजबूत होती है।

मनोज बाजपेयी ने बड़े पर्दे और ओटीटी पर बनाई पहचान

मनोज बाजपेयी बड़े पर्दे के जाने माने एक्टर हैं। उन्होंने दस्तक, द्रोह काल और कई दूसरी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की। हाल के वर्षों में वह ओटीटी के मशहूर कलाकार बनकर उभरे हैं। उन्होंने ओटीटी शो द फैमिली मैन और सिर्फ एक बंदा काफी है जैसी सीरीज में अच्छी अदाकारी की है। पहले बड़े पर्दे पर फिर ओटीटी पर अपनी पहचान बना चुके अभिनेता ने दोनों के बीच अंतर बताया है। ओटीटी ने कई कलाकारों को मौका दिया मनोज बाजपेयी का कहना है कि ओटीटी की तुलना में भारत में थिएटरों की फिल्में प्रतिभा पर आधारित नहीं होती। यह फिल्में अगर बॉक्स ऑफिस पर चलती हैं तो इन्हें अच्छा माना जाता है। उन्होंने एएनआई से कहा कि ओटीटी बॉक्स ऑफिस के प्रदर्शन के बजाए अच्छी कहानी और प्रतिभा पर निर्भर है।

प्रतिभावान लोगों के लिए आशीर्वाद है ओटीटी

मनोज बाजपेयी ने आगे कहा मुझे लगता है कि ओटीटी प्रतिभावान लोगों के लिए आशीर्वाद है। भारत में फिल्में प्रतिभा पर निर्भर नहीं करतीं। मुझे इसे दुख के साथ कहना पड़ रहा है। भारत में कई मुख्यधारा की फिल्में प्रतिभा पर आधारित नहीं होतीं। वह बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों पर निर्भर होती हैं। हालांकि ओटीटी पर मामला इसके विपरीत है। यहां आपको अच्छी कहानी और अच्छी प्रतिभा चाहिए। इसके बाद ही कुछ हो सकता है। पिछले सात वर्षों में मैंने यह देखा है।

मनोज बाजपेयी का काम

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इंस्पेक्टर जेंदे को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी पुलिस के किरदार में होंगे। इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है। इंस्पेक्टर जेंदे का निर्देशन चिन्मय डी. मंडलेकर कर रहे हैं।

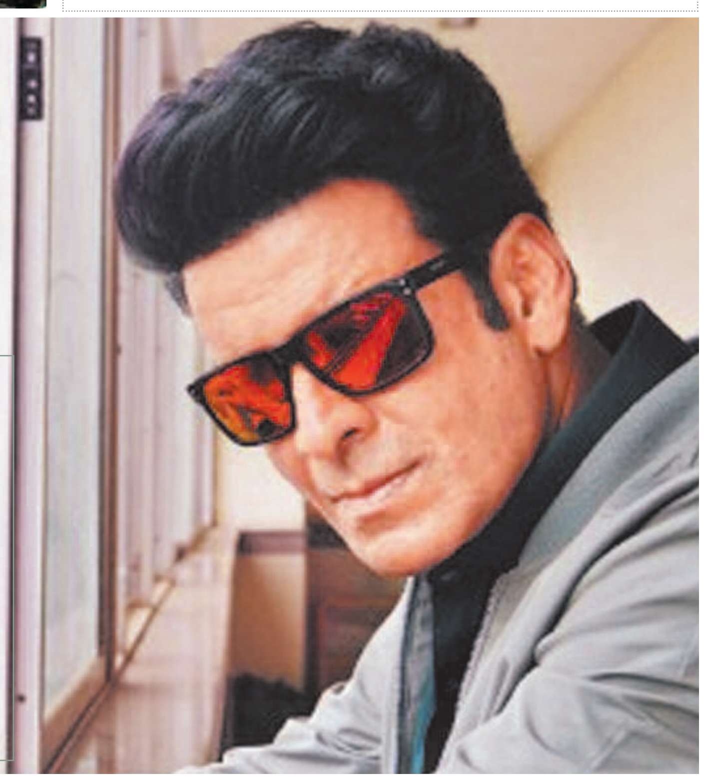

ओटीटी से टीवी एक्टर वाला तमगा हटा

छोटे पर्दे पर तकरीबन बीस सालों का अभिनय सफर तय कर चुके शरद मल्होत्रा कहते हैं, मुझे टीवी पर बहुत प्यार मिला और बीते वक्त में ओटीटी के आने से टीवी एक्टर वाला तमगा भी हटा है, मगर इसका पहला श्रेय सुशांत सिंह राजपूत को जाना चाहिए। टीवी के इस अदाकार ने दूसरे टेलिविजन आर्टिस्ट के लिए फिल्मों के दरवाजे खोले। आज तो सभी आर्टिस्ट हर माध्यम में काम कर रहे हैं। मुझे लगता है, ये कलाकारों के लिए खूबसूरत दौर है।

इंटिमेट सीन्स में काफी नर्वस था

अपनी वर्टिकल सीरीज में इंटिमेसी सीन्स को लेकर शरद बताते हैं, फिजिकल इंटिमेसी वाले दृश्यों के लिए पर इंटिमेसी डायरेक्टर भी थे।इस तरह के सीन्स में एक्टर की जिम्मेदारी ज़्यादा होती है कि वो अपनी एक्ट्रेस को कंफर्टेबल करे। मैंने सीन्स की शूटिंग के पहले अपनी अभिनेत्री को पूछा कि वे कितनी कंफर्टेबल हैं? बीस साल के करियर में मैं पहली बार किस कर रहा था। मैं बहुत नर्वस था, मुश्किल भी था, मगर इंटिमेसी डायरेक्टर ने कहा, जहां आपको ऑकवर्ड लगेगा, आप बैकऑउट कर जाना। मगर फिर ये काफी शालीनता से एक-दो टेक में ओके हो गया। उनके पहले ऑनस्क्रीन सीन पर उनकी पत्नी रिप्सी का क्या टेक था? इस पर वे कहते हैं, रिप्सी से जब भी बात होती थी, वो हमेशा कहती, जब भी स्क्रीन पर कुछ करो, मुझे पहले बता देना। ताकि मैं मानसिक रूप से तैयार रहूं। रिप्सी ने देखा और उसे अच्छा लगा। उसने कहा, तुम बहुत विलेन लग रहे हो। तुम ऐसे भी हो क्या? उसने भी एक एक्टर के रूप में मेरा ऐसा रूप नहीं देखा था।

टीवी का जाना-माना नाम रहे शरद मल्होत्रा ने सिडनी विथ लव जैसी फिल्म के जरिए बॉलिवुड में अपना भाग्य भी आजमाया। वे कहते हैं, जिस वक्त मैंने अपनी पहली फिल्म की, तो मुझे लगा कि इस फिल्म के बाद तो मैं रातों-रात शाहरुख खान बन जाऊंगा। मगर जब फिल्म रिलीज हुई और नहीं चली, तो मैं डिप्रेशन में चला गया। मैं फिल्मों के ऑफर के वेट करता रहा, मगर वैसे मनचाहे प्रस्ताव नहीं मिले, तो मैंने दो -तीन साल का ब्रेक लिया। हालांकि जब उस ब्रेक में कुछ क्रैक नहीं हो रहा था, तब एक बार मुझे लगा कि मुझे बैग पैक करके अपने होम टाउन कोलकाता लौटना पड़ेगा। मेरी तमाम कोशिशें नाकाम हो रही थीं । उस निराशा के दौर में अपने मेंटल हेल्थ पर ध्यान रखा। मैंने इबादत भी खूब की। लेकिन बाद में समझ में आया कि उनको भी शाहरुख खान बनने में 25 साल लगे और मैंने सब्र से काम लिया।

जो होता है अच्छे के लिए होता है

अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ाव और गलत फैसलों पर वे कहते हैं, मुझे लगता है, गलत तो कुछ नहीं होता, हां हालत गलत हो जाते हैं। कई बार हम रिलेशनशिप में कुछ फैसले लेकर उन पर टिक जाते हैं और बाद में हमें लगता है कि हमें सोच-विचार कर फैसला लेना चाहिए था। लेकिन तब हम बहुत ही बेसब्र और अपरिपक्व होते हैं। आज पलट कर देखने पर लगता है कि वो नहीं होना चाहिए था, मगर किस्मत में वही लिखा था। मैं अपने करियर की बात करूं, तो अगर मेरी फिल्म सिडनी विथ लव अगर हिट हो जाती तो मैं शायद टीवी में महाराणा प्रताप, नागिन और कसम जैसे सुपरहिट शो नहीं करता। अब लगता है कि जो होता है, अच्छे के लिए होता है।

आज के वक्त की मांग है माइक्रो सीरीज

अपनी पहली माइक्रो सीरीज गलत के बारे में वे कहते हैं, विक्रम भट्ट के साथ काम करना बहुत ही सौभाग्य की बात थी। उन्होंने इसे लिखा है। इसमें मेरे किरदार के अनुसार मैंने जॉर्ज क्लूनी और रिचर्ड गेयर का सॉल्ट एंड पेपर लुक है। इस लुक के लिए मैंने जो ट्रांसफॉर्मेशन किया, काफी मेहनत हुई। ये 45 साल का एक मिडल एज शख्स है, जिसे एक 20-22 साल की लड़की से इश्क हो जाता है। मुझे लगता है कि आज के दौर में कोई भी इंसान ब्लैक या वाइट नहीं है, तो मेरा किरदार भी ग्रे है। चालीस-पचास मिनट के आठ -आठ एपिसोड के लॉन्ग फॉर्मेट की तुलना में दो-दो मिनट की माइक्रो सीरीज के बारे में वे कहते हैं, इस तरह की माइक्रो सीरीज ट्रैवलिंग करते हुए या कहीं आपको शॉर्ट टाइम पास चाहिए, उसके लिए हैं। ये से रील्स की तरह हैं। इसमें दो-ढाई मिनट्स के एपिसोड्स होते हैं। ये काफी रोचक है और वक्त की मांग है, मगर फिल्मों और टीवी से इसकी तुलना करना बेमानी है, क्योंकि यह एक नया और अलग ट्रेंड है।

अर्थराइटिस
निराशा को बदलें आशा में

जोड़ों में सूजन और दर्द से संबंधित अर्थराइटिस नामक रोग के अनेक प्रकार हैं। इस मर्ज के कारण पीड़ित व्यक्ति का चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। दुनियाभर में खासकर भारत में अर्थराइटिस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। तभी तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस बीमारी के बढ़ने पर चिंता जतायी है।

ऑस्टियो अर्थराइटिस को दें आघात

आम तौर पर जिंदगी के उत्तरार्द्ध (50 साल की उम्र के बाद) में जोड़ों (ज्वाइंट्स) की कार्टिलेज के घिसने या उनमें टूट-फूट होने के कारण ऑस्टियो-अर्थराइटिस की समस्या पैदा होती है। यह साइनोवियल ज्वाइंट्स से संबंधित बीमारी है, जो धीरे-धीरे शरीर पर अपना दुष्प्रभाव दिखाती है। इस रोग के बढ़ने पर सबकॉन्ड्रल नामक हड्डी मोटी हो जाती है, जिस कारण ऑस्टियोफाइट (हड्डी का एक अंश) का निर्माण होने

लगता है और अंततः जोड़ टेढ़े-मेढ़े या तिरछे हो जाते हैं।

नई रिसर्च के नतीजे

- कुछ खास जेनेटिक कारण भी ऑस्टियो-अर्थराइटिस के लिए जिम्मेदार हैं।
- मैनोपॉज या रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले हार्मोनों के स्तर में बदलाव से महिलाओं में ऑस्टियो- अर्थराइटिस के होने का जोखिम बढ़ जाता है।
- मोटापे के कारण जोड़ों पर दबाव पड़ता है, जिसके कारण इन पर प्रतिकूल असर पड़ता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में मोटापे से ग्रस्त रहने की संभावना ज्यादा रहती है।

लक्षण

- देश की महिलाओं में ऑस्टियो-अर्थराइटिस का असर उनके हाथों और घुटनों पर कहीं ज्यादा पड़ता है।
- जोड़ों में दर्द और सूजन होना।
- जोड़ों में जकड़न होना या फिर इनका जाम होना।
- चलने-फिरने और दैनिक कार्यो को करने में दिक्कत महसूस होना।
- फर्श पर बैठने-उठने और पाल्थी मारकर बैठने में परेशानी महसूस करना।

जांचें- विशेषज्ञ डॉक्टर जोड़ों की स्थिति का क्लीनिकल एग्जामिनेशन करते हैं कि जोड़ किस हद तक विकारग्रस्त हो चुके हैं और पीड़ित व्यक्ति की दिनचर्या पर कितना प्रतिकूल असर पड़ा है। इसके अलावा प्रमुख जांच एक्सरे है। रक्त परीक्षण भी कराए जाते हैं। रक्त परीक्षण से यह सुनिश्चित होता है कि किसी अन्य कारण से मरीज को अर्थराइटिस तो नहीं है।

शुरुआती इलाज - रोग की शुरुआती अवस्था में पेनकिलर्स का इस्तेमाल, मरहम या जेल, गर्म पानी से सिकाई या मालिश करना, सर्पोर्टिंग उपकरण और व्यायाम कराए जाते हैं। इसके अलावा रोगी को कुछ विशिष्ट कॉन्डोजेनिक मेडिसिन्स (कार्टिलेज का पुनर्निर्माण करने वाली दवाएं) दी जाती हैं।

सर्जिकल इलाज- रोग की शुरुआती अवस्था में आर्थोस्कोपिक प्रक्रियाओं जैसे ज्वाइंट डिब्राइडमेंट (जोड़ के अंदर पालिश करना)आदि से कुछ हद तक राहत मिलती है।

हाई टिबियल ऑस्टियोटॅमी - अगर रोग का प्रकोप गंभीर अवस्था में नहीं हैं, तो और मरीज की उम्र लगभग 50 या 55 से कम है, तो इस स्थिति में हाई टिबियल ऑस्टियोटॅमी से राहत मिल जाती है और इस प्रकार जोड़ प्रत्यारोपण की संभावना स्थगित हो जाती है।

अंतिम कारगर इलाज - जब इलाज के उपर्युक्त विकल्पों से ऑस्टियो-अर्थराइटिस से ग्रस्त व्यक्तियों को राहत नहीं मिलती, तो इस स्थिति में पूर्ण जोड़ प्रत्यारोपण (टोटल ज्वाइंट्स रिप्लेसमेंट) किया जाता है। ऐसे प्रत्यारोपण में प्रमुख रूप से घुटने और कूल्हे के प्रत्यारोपण को शामिल किया जाता है। घुटना (नी)और कूल्हा (हिप) प्रत्यारोपण के क्षेत्र में नवीनतन तकनीकों से युक्त ऐसे कृत्रिम घुटने व कृत्रिम कूल्हे आ चुके हैं, जो कुदरती स्वस्थ घुटने व कूल्हे की तरह ही कार्य करते हैं।

बच्चों और किशोरों में अर्थराइटिस

लगभग 6 महीने से 18 वर्ष तक के हर 250 बच्चों या किशोरों में से एक बच्चा या किशोर किसी न किसी प्रकार की गठिया (अर्थराइटिस)से पीड़ित है। बच्चों को प्रभावित करने वाली गठिया लगभग 16 प्रकार की होती है, परन्तु इनमें से मुख्य रूप से जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस, यूमैटिक अर्थराइटिस,इंट्रो-अर्थराइटिस, एक्यूट ट्रांजिएंट अर्थराइटिस, सेप्टिक अर्थराइटिस, ट्यूबरकुलर अर्थराइटिस आदि मुख्य रूप से बच्चों और किशोरों को प्रभावित करते हैं। इलाज द्वारा इन रोगों पर इस हद तक काबू पाना कि वह बच्चे की पढ़ाई या रोजमर्रा की जिंदगी में बाधा न बने अपने आप में एक चुनौती है।

जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस

जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस गठिया से प्रभावित लगभग 10 प्रतिशत बच्चों में पाया जाता है। हर 1000 बच्चों में से एक बच्चा इससे प्रभावित होता है। भारत में लगभग 15 लाख बच्चे इससे पीड़ित हैं। आम तौर पर यह अर्थराइटिस 16 वर्ष की आयु से पहले कभी भी हो सकता है। यह रोग शरीर के रोग-प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) में विकार आने से उत्पन्न होता है। लगभग 60 प्रतिशत प्रभावित बच्चों में इसका सीधा संबंध माइकोप्लाज्मा नामक जीवाणु से माना जाता है।

लक्षण

- एक या एक से अधिक जोड़ों में दर्द और सूजन का होना।
- बुखार आना।
- आंखों में सूजन और लालिमा का होना।
- उपर्युक्त लक्षण छह हफ्ते से लेकर तीन महीने तक कायम रह सकते हैं।
- रक्त में हीमोग्लोबिन का कम होना और व्हाइट ब्लड सेल्स ज्यादा पायी जाती हैं।

इलाज- यदि जुवेनाइल यूमैटॉइड अर्थराइटिस का विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा समय से इलाज कराया जाए, तो जोड़ों को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। ज्यादातर बच्चों को सूजन की दवाओं के अतिरिक्त डिजीज मॉडीफाइंग ड्रग्स भी देनी पड़ती हैं।

यूमैटिक अर्थराइटिस- यूमैटिक अर्थराइटिस की शुरुआत गला खराब करने वाले स्ट्रेप्टोकोक्कॅल नामक जीवाणुओं द्वारा होती है। इसलिए इसे पोस्ट-स्ट्रेप्टोकोक्कॅल अर्थराइटिस भी कहते हैं। अक्सर यह अर्थराइटिस यूमैटिक फीवर के साथ शुरू होती है और कभी-कभी इससे हृदय भी प्रभावित होता है, जिसे यूमैटिक हार्ट डिजीज के नाम से जाना जाता है। इस रोग की जांचों में ए. एस. ओ. टाइटर का बढ़ा होना, ई. एस. आर. और सी. आर. पी. का बढ़ा होना पाया जाता है। इसमें 16 से 17 वर्ष की उम्र तक इलाज कराना पड़ता है।

बच्चों और किशोरों में तीसरे प्रकार की गठिया स्पॉन्डिलोआर्थो पैथी समूह से संबंधित है और यह भी शरीर के रोगप्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) में विकार आने से उत्पन्न होती है। आम तौर पर इस प्रकार की गठिया (अर्थराइटिस) में मेरुदंड (स्पाइनल कॉर्ड) और हाथ व पैर के बड़े जोड़ प्रभावित होते हैं। इसमें भी विशेष प्रकार की इम्यूनो-मॉड्यूलेटर दवाओं की आवश्यकता होती है।

हिप अर्थराइटिस को हराएं

जब कूल्हे के जोड़ में दर्द की समस्या उत्पन्न हो जाए और कूल्हे की गतिविधि (मूवमेंट) में लगातार दिक्कत महसूस हो, तो इस स्थिति को सामान्य भाषा में कूल्हे (हिप) की अर्थराइटिस कहा जाता है।

देश में घुटने की अर्थराइटिस के मामले ज्यादा सामने आते हैं, लेकिन संपन्न विकसित देशों में कूल्हे की अर्थराइटिस के मामले घुटने की अर्थराइटिस से कहीं ज्यादा सामने आते हैं। इसके बावजूद यह भी सच है कि देश में युवा वर्ग के लोग भी कूल्हे की समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। जो युवक शराब का नियमित रूप से सेवन करते हैं, उनके कूल्हे की हड्डी में रक्त का संचार (सर्कुलेशन) कम होने लगता है और धीरे-धीरे कूल्हा कमजोर होने लगता है। इस समस्या को एवैस्कुलर नेक्रोसिस कहा जाता है।

कारण

कूल्हे की अर्थराइटिस के लिए पांच कारण प्रमुख रूप से जिम्मदार हैं..

- एवैस्कुलर नेक्रोसिस की समस्या।
- पोस्ट ट्रॉमेटिक अर्थराइटिस(कूल्हे की हड्डी में चोट लगने के कारण)।
- एनकाइलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस के कारण।
- यूमैटाइड अर्थराइटिस।
- टी.बी. के संक्रमण का दुष्प्रभाव।

लक्षण

- कूल्हे में दर्द का बरकरार रहना।
- चाल में लंगड़ाहट।
- पाल्थी मारने में विफल रहना।
- चलने फिरने की क्षमता का कम होना।

जांचे- एक्सरे और जरूरत पड़ने पर सीटी स्कैन और एमआरआई।

इलाज - अगर पीड़ित व्यक्ति का मर्ज शुरुआती स्थिति में है, तो उसे दवाएं लेने, फिजियोथेरेपी कराने और आराम करने की सलाह दी जाती है। जब अन्य चिकित्सकीय उपचार विफल हो जाते हैं, तब कूल्हे का प्रत्यारोपण (हिप रिप्लेसमेंट) ही एकमात्र कारगर विकल्प होता है। ऐसा प्रत्यारोपण लगभग 100 फीसदी सुरक्षित है। नवीनतम तकनीकों से तैयार हुए कृत्रिम कूल्हे अब काफी हद तक कुदरती स्वस्थ कूल्हे की तरह कार्य करते हैं। प्रत्यारोपण के बाद व्यक्ति खेलकूद और अन्य शारीरिक गतिविधियों में भाग ले सकता है।

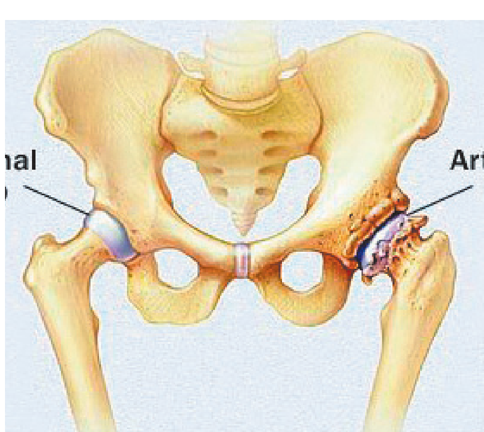

इस्कीमिक स्ट्रोक
लापरवाही बन सकती है जानलेवा

हाई ब्लडप्रेशर, मधुमेह (डाइबिटीज) के साथ अनियमित दिनचर्या और तनाव के कारण जीवन-शैली से संबंधित रोगों में तेजी से वृद्धि हो रही है। ऐसे रोगों के बीच स्ट्रोक या ब्रेन अटैक शायद सबसे घातक है, लेकिन दुख की बात है कि लगातार इसके भयानक परिणाम बढ़ते जा रहे हैं।

इस्कीमिक स्ट्रोक की स्थिति

इस स्ट्रोक का अटैक रक्त प्रवाह ब्लड सर्कुलेशन में अवरोध उत्पन्न होने के कारण होता है। स्ट्रोक के कारण कुछ मस्तिष्क कोशिकाएं तुरंत ही मृत हो जाती हैं। स्ट्रोक के बाद मस्तिष्क का कुछ भाग ऐसा होता है, जो कार्य नहीं कर रहा होता है, लेकिन यह पूरी तरह से मृत भी नहीं होता है। इस स्थिति में यदि शीघ्र ही मस्तिष्क में रक्त की आपूर्ति की जाए, तो मस्तिष्क के इस भाग को बचाकर मरीज की स्ट्रोक से रिकवरी संभव है।

लक्षण- ब्रेन अटैक के लक्षणों को अंग्रेजी शब्द- फास्ट से सरल रूप से समझा जा सकता है।

एफ- फेस ड्रूपिंग यानी चेहरे का एक तरफ से लटक जाना या सुन्न हो जाना।

ए- आर्म वीकनेस यानी हाथों में अचानक सुन्नपन। यदि व्यक्ति से दोनों हाथों को उठाने के लिए कहा जाएगा, तो उसका एक हाथ नीचे की तरफ झुका रहेगा।

एस - स्पीच डिफिकल्टी यानी बोलने या समझने में अचानक दिक्कत।

टी- टाइम यानी बिना देरी किए शीघ्र ऐसे अस्पताल पहुंचें, जहां पर स्ट्रोक का इलाज संभव हो।

फास्ट के अतिरिक्त वे लक्षण जिन्हें जानना जरूरी है- अचानक दोनों आंखों से स्पष्ट देखने में तकलीफ

होना। अचानक से चलने या बैलेंस करने में परेशानी। चक्कर आना। अचानक बिना कारण सिर में तेज दर्द होना।

उपचार- इस्कीमिक स्ट्रोक में उपचार के अंतर्गत एक छोटे ट्यूब (कैथेटर) को पैर की खून की नली (धमनी या आर्टरी) के मार्ग से मस्तिष्क तक ले जाया जाता है। रक्त के जिस क्लॉट ने मस्तिष्क को रक्त पहुंचाने वाली नली को अवरुद्ध किया होता है, उसे एक विशेष विधि से मस्तिष्क से बाहर निकाल देते हैं। इस प्रक्रिया के बाद मस्तिष्क में रक्तसंचार सामान्य हो जाता है। इस कारण मरीज शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ करता है।

निरोग रहने के लिए
क्या करें

- सिर को गर्मी से, छाती को सर्दी से तथा आंखों को तेज हवा, धूल-मिट्टी, धुएं और तेज रोशनी से बचाकर रखें।
- कृत्रिम सौंदर्य प्रसाधनों (कास्मैटिक्स, मेकअप) का प्रयोग न करें, क्योंकि ये त्वचा के रोमछिद्रों को बंद करके त्वचा को नुक्सान पहुंचाते हैं।
- मल, मूत्र, उल्टी, छींक, डकार, भूख, प्यास आदि वेगों को कभी न रोकें, क्योंकि इन्हें रोकने से रोग उत्पन्न होते हैं।
- गर्म भोजन करने के बाद, दूध पीने के बाद, खीरा, तरबूज, खरबूजा और ककड़ी खाने के बाद, सो कर उठने के तुरंत बाद तथा अधिक शारीरिक परिश्रम के तुरंत बाद पानी न पिएं।
- मन में कामुक विचार न लाएं, कामुक चिंतन से बचें।
- हमेशा सभी के लिए मन में शुभ विचार रखें, हमेशा मुस्कुराते रहें।
- हर परिस्थिति में शांत, सहज बने रहें, हमेशा प्रसन्नचित रहें।
- कोई भी कार्य जल्दबाजी में न करें। ऐसा करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।
- ज्यादा ऊंची हील वाले चप्पल-जूते न पहनें, ये स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालते हैं।
- हमेशा ढीले-ढाले वस्त्र पहनें,अत्यधिक तंग वस्त्र शरीर के अंगों पर अनावश्यक दबाव डालते हैं।
- कड़े बिस्तर पर सोएं, बिस्तर अत्यधिक मुलायम और गद्देदार नहीं होना चाहिए।

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कैल्शियम को सदा से ही मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक माना जाता रहा है किन्तु नए शोधों के अनुसार इसके अतिरिक्त भी कैल्शियम हमारे शरीर के लिए कई बीमारियों को दूर रखने में सहायता करता है। हड्डियां हमारे शरीर के लिए कैल्शियम के स्टोर का कार्य करती हैं जहां से आवश्यकतानुसार शरीर कैल्शियम लेता रहता है।

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया हेतु विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी चलती रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नवीन शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का निम्न रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

उच्च रक्तचाप - मनुष्य के रक्तचाप पर कई चीजों का प्रभाव पड़ता है। शरीर का वजन, शारीरिक गतिविधि, नमक व पारिवारिक पृष्ठभूमि का रक्तचाप पर प्राय: प्रभाव पड़ता है किन्तु अब शोधों से पता चला है कि शरीर में कैल्शियम की कमी से आयु के साथ रक्तचाप में भी प्रभाव पड़ता है।

1997 में अमरीका में पाया गया है कि कम वसा वाले दूध, फल और सब्जियों के नियमित प्रयोग से (जिसमें लगभग 1200 मिलीग्राम कैल्शियम हो) रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। यह नहीं कि कैल्शियम के साथ नमक अधिक लिया जाए किन्तु अधिक नमक और कम कैल्शियम खाने वाले व्यक्ति में उच्च रक्तचाप की संभावना बढ़ जाती है।

डा. डेविड मैकरोन के अनुसार कम नमक वाले भोजन के स्थान पर दूध से बने पदार्थ उच्च रक्तचाप को काबू करने में अधिक प्रभावशाली हैं। उनके अनुसार अधिकतर बच्चे कैल्शियम की सही मात्रा नहीं लेते क्योंकि वे दूध, फल और सब्जी का सही मात्रा में सेवन नहीं करते।

कैंसर : हमारे शरीर में बहुत से सैल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं । पेट के अंदर ऐसे सैल प्राय: 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सैल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमरीकन मैडीकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिलीग्राम कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सैलों में बढ़ौतरी ठीक हो गई।

मासिक धर्म : प्राय: महिलाओं को मासिक धर्म प्रारंभ होने से पूर्व कई तकलीफें होती हैं। सूसन थाई जैकब के अनुसार इसके लिए भी कैल्शियम की कमी ही उत्तरदायी है। उन्होंने 466 महिलाओं को 1200 मिलीग्राम कैल्शियम प्रतिदिन दिया और पाया कि अधिकतर महिलाओं की तकलीफें 48 प्रतिशत कम हो गईं। उनको होने वाली दर्द में भी कमी हुई।

यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिलीग्राम कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिलीलीटर गाय के दूध में 288 मिलीग्राम कैल्शियम होता है जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिलीग्राम कैल्शियम होता है जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। इसके अतिरिक्त गूड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी और मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।